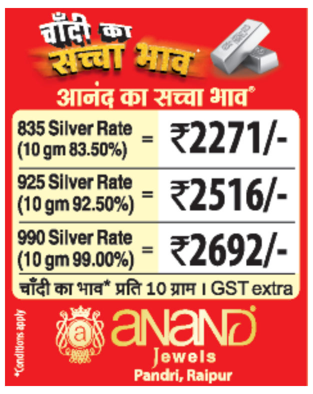

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 15 मई 2026

'ओपन' में नकल भी ओपन, कार में बैठकर हल किया पर्चा, वीडियो के बाद जांच

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

ओपन बोर्ड के परिणाम गुरुवार को जारी हो गए, लेकिन उससे पहले एक वीडियो ने परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। हरिभूमि इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं कर रहा है, लेकिन इसमें साफ नजर आ रहा है कि दो छात्राएं कार में बैठकर पर्चा हल कर रही हैं और जब इस संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि इसकी शिकायत आई थी और उन्होंने इसका परीक्षण भी कराया था। उन्होंने सफाई दी कि बच्ची दिव्यांग थी, इसलिए कार में बैठकर परीक्षा दे रही थी। मामला अभनपुर स्थित बजरंग दास शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

जिला शिक्षा अधिकारी की सफाई-जांच कराई गई बच्ची दिव्यांग थीं, इसलिए कार में हल किया पर्चा

यह है वीडियो में

वायरल हो रहे वीडियो में एक कार शाला भवन के सामने खड़ी हुई है। वीडियो में स्कूल का पूरा व्यू नजर आ रहा है। इस स्कूल को ओपन बोर्ड की दसवीं और बारहवीं परीक्षा के लिए केंद्र बनाया गया था। अंदर छात्र पर्चे हल कर रहे हैं, जबकि कुछ विद्यार्थी कार में ही बैठकर उत्तर लिख रहे हैं। अन्य परीक्षार्थियों को केंद्र के भीतर ही प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं प्रदान की गईं, जबकि वीडियो में दिख रहे परीक्षार्थियों को कार में ही लाकर उत्तरपुस्तिका ▶▶| शेष पेज 7 पर

दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए पृथक कक्ष का प्रावधान

सीबीएसई, माध्यमिक शिक्षा मंडल, राज्य ओपन बोर्ड सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में भी दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए नियम बने हुए हैं। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र में विशेष सुविधा उपलब्ध की जाती है। उन्हें रोल नंबर भूतल के ▶▶| शेष पेज 7 पर

जांच हो चुकी

पूरे मामले पर रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय ने कहा कि मामले की जांच हो चुकी है। कुछ दिनों पूर्व उन्हें यह वीडियो शिकायत के साथ प्रेषित किया गया था। जो बालिका कार में बैठी हुई है, वह दिव्यांग है। परीक्षा कक्ष के स्थान पर ▶▶| शेष पेज 7 पर

दसवीं में 58% और बारहवीं में 71% छात्र पास

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन बोर्ड के परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए। दसवीं और बारहवीं दोनों कक्षाओं की मुख्य परीक्षा मार्च-अप्रैल 2026 के नतीजे स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने मंत्रालय में घोषित किए। इस बार दसवीं कक्षा में 58.39% विद्यार्थी सफल रहे, जबकि बारहवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत 71% रहा। ▶▶| शेष पेज 7 पर

12वीं : 40256 पंजीयन, 38683 हुए शामिल

बारहवीं कक्षा की परीक्षा में शामिल होने के लिए 40,256 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 38683 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। पंजीयन कराने वाले विद्यार्थियों में इनमें 21,725 लड़के और 18,531 लड़कियां रहीं। इनमें 24823 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे हैं। 40 छात्रों का परिणाम विभिन्न ▶▶| शेष पेज 7 पर

संपत्ति विवाद, आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

सो रहे माता-पिता और भतीजा भतीजी को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के गांव भवतरा में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। घर के अंदर बिस्तर पर चारों की खून से सनी लाश मिली। शुरूआती जांच में पुलिस को अहम सुराग मिले और पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ लिया। वारदात को मृत बुजुर्ग दंपति के ही बेटे ने अपने पुत्र के साथ मिलकर अंजाम दिया था। संपत्ति विवाद पर घर के अंदर घुसकर कुल्हाड़ी से वार कर चारों की हत्या की गई।

शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम भवतरा में 70 वर्षीय मेदिनी कश्यप अपनी पत्नी कांति बाई और पोता- पोती के साथ रहता था। पुराने मकान के पीछे ही वह इन दिनों नए मकान का निर्माण कार्य करा रहा था। बुधवार की रात मेदिनी उसकी पत्नी कांति, पोता पीतांबर 17 वर्ष और पोती मोगरा 20 वर्ष खाना खाने के बाद सो गए। गुरुवार 14 मई की सुबह मिस्त्री जब काम करने पहुंचे तो परिवार का कोई सदस्य नहीं उठा था। सामने का दरवाजा ▶▶| शेष पेज 7 पर

आरोपी सोनसाय

आरोपी गोलू

खुद ही गया था रिपोर्ट दर्ज कराने

माता-पिता और भतीजा भतीजी की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी सोनसाय कश्यप गुरुवार 21 मई की सुबह अपने घर पर ही था,गांव वालों ने उसे इस घटना की सूचना दी की रात में किसी ने उसके माता-पिता और भतीजा भतीजी की हत्या कर दी है, इस पर वह अपने माता-पिता के घर पहुंचा और गांव के सरपंच से मोटरसाइकिल मांग कर घटना की रिपोर्ट लिखाने गया। वहां उसने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई, इधर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच पड़ताल की तो संदेह के आधार पर सोनसाय को ही हिरासत में लिया गया। इस दौरान पूछताछ करने पर उसने अपने बेटे के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली।

केंद्र से सुको ने किया सख्त सवाल

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- 'क्या लोकतंत्र की चिंता नहीं?'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सख्त सवाल किया। कोर्ट ने कहा कि जब सरकार सीबीआई डायरेक्टर को चुनती है तो उसके पैनल में सीजेआई होते हैं, लेकिन देश के सबसे बड़े चुनाव अधिकारियों को चुनने के समय नहीं होते। रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस दीपांकर दत्ता ने सुनवाई के दौरान कहा, 'मैं सोच रहा था। सीबीआई डायरेक्टर के लिए सीजेआई होते हैं। हम कह सकते हैं कि यह कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए है। या आप इसे कानून के राज तक भी बढ़ा सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए नहीं? निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए नहीं?'

'स्वतंत्र सदस्य क्यों न हो?'

जज ने कहा कि हम यह नहीं कह रहे कि सीजेआई को उस पैनल में होना चाहिए, लेकिन वहां किसी स्वतंत्र सदस्य को क्यों नहीं होना चाहिए? सरकार से ही वह सदस्य क्यों होना चाहिए। इस बात को साफ करते हैं। आज प्रधानमंत्री एक सदस्य चुनते हैं और नेता विपक्ष किसी दूसरे शख्स को चुनते हैं। तो क्या तीसरा सदस्य नेता विपक्ष का पक्ष लेगा?

ऐसे फैसले असली में 2:1 से पास हो जाएंगे

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि वह कोई अंदाजा नहीं लगाना चाहते। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि यह पूरी तरह से प्रैक्टिकली न हो, मैं इस पर दोबारा अंदाजा नहीं लगाना चाहता।' इस पर जस्टिस दत्ता ने जवाब दिया कि तब तो या एग्जीक्यूटिव ही है, जो सबकुछ कंट्रोल कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे फैसले असली में 2:1 से पास हो जाएंगे, क्योंकि कैबिनेट मंत्री प्रधानमंत्री के स्टैंड से अलग राय नहीं रखेगा।

शुद्ध चुनाव, आयोग की है जिम्मेदारी

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अगुवाई वाली पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि लोकतंत्र को बनाए रखने और शुद्ध चुनाव सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है, ऐसे में उसकी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह कार्यपालिका के नियंत्रण में क्यों दिखाई देती है? जस्टिस दत्ता ने टिप्पणी करते हुए कहा, "सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश मौजूद रहते हैं।

पुलिस की मौजदूगी में लूटी जा रही हैं दुकानें वकील बनकर कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंची ममता

चुनाव बाद हिंसा को लेकर की पैरवी, लगाए आरोप

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को टीएमसी के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी और उनके बेटे शिरशन्या बंदोपाध्याय (जो स्वयं भी वकील हैं) के साथ वकीलों का गाउन पहनकर कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंचीं। इस दौरान टीएमसी नेता और वकील बैसवानोर चटर्जी भी उनके साथ थे। ममता तृणमूल कांग्रेस द्वारा दायर चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामले में पैरवी करने पहुंचीं। उन्होंने विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में हुई हिंसा से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं। बनर्जी ने राज्य प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने दुकानें और घर तोड़े जा रहे हैं।

यह लगाया आरोप

ममता बनर्जी ने कोर्ट को दस मृतकों की लिस्ट सौंपी और दावा किया कि इनमें से छह हिंदू हैं। ममता ने आरोप लगाया कि पुलिस की मौजूदगी में घरों और ऑफिसों को लूटा जा रहा था, लेकिन इन मामलों में एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। उन्होंने एक 92 वर्षीय अनुसूचित जाति की विधवा और उसके परिवार को घर से बाहर निकाले जाने का मुद्दा भी उठाया।

बच्चों-महिलाओं पर हमले का दावा

पहली बार हाईकोर्ट में अपीयर हुईं ममता बनर्जी ने कोर्ट में तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों तक को नहीं बख्शा गया है। उन्होंने अत्यंत भावुक होते हुए बताया कि उनके अपने परिवार की 12 साल की बच्चियों को बलात्कार की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने अदालत से गुहार लगाई कि बंगाल के लोगों को तत्काल सुरक्षा प्रदान की जाए, क्योंकि अपराधी कानून अपने हाथ में ले रहे हैं।

खबर संक्षेप

अखिलेश के भाई प्रतीक को ससुर ने दी मुखाग्नि

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक गुरुवार दोपहर पंचतत्व में विलीन हो गए। लखनऊ में पत्नी अपर्णा के पिता यानी प्रतीक के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने चिता को मुखाग्नि दी। अखिलेश ने भाई की चिता पर लकड़ी रखी और अंतिम प्रणाम किया। प्रतीक की दोनों बेटियां प्रथमा और पद्मजा भी श्मशान घाट पर मौजूद रहीं। दोनों ने पिता की चिता पर लकड़ी रखी। प्रतीक की छोटी बेटी पद्मजा अपने ताऊ अखिलेश के पास थी। अखिलेश ने उससे बात की और चॉकलेट खिलाई। अंतिम संस्कार कराने वाले पंडित ध्रुव कुमार तिवारी ने कहा था- अगर अखिलेश यादव या उनके बेटे से मुखाग्नि दिलाई जाए तो ज्यादा अच्छा होगा।

बंगाल : स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने राज्य के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में सुबह की असेंबली में 'वन्दे मातरम' को अनिवार्य कर दिया है। सभी स्टूटेंट्स को इसमें शामिल होना पड़ेगा। वहीं, सरकार गोहत्या से जुड़े 1950 के कानून और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में कहा गया है कि बिना 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के किसी भी मवेशी-भैंस की हत्या पूरी तरह से प्रतिबंध है। इसके अलावा सार्वजनिक बूचड़खानों पर भी रोक लगा दी गई है।

भाजपा ने उठाए सवाल, कहा- कहीं विदेशी स्रोत तो नहीं

कमाई 11 करोड़ और खर्च 60 करोड़, कौन उठाता है राहुल के विदेशी दौरों का खर्च?

भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर तीखा हमला करते हुए सवाल खड़े किए हैं। भाजपा का आरोप है कि राहुल गांधी 22 साल में 54 बार विदेश यात्रा पर गए हैं, जिन पर 60 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए गए हैं। यह खर्च उनकी घोषित आय से ज्यादा बताया जा रहा है। भाजपा ने सवाल उठाया है कि राहुल की इन यात्राओं की फंडिंग किसने की? इधर, कांग्रेस ने भी प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 साल में 76 देशों के 96 दौरों की लिस्ट जारी की है। कांग्रेस ने X पोस्ट में लिखा - 'जनता की गाढ़ी कमाई, मौज-मस्ती पर उड़ाई।'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा नेता संबित पात्रा ने राजधानी दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गुरुवार को इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने राहुल गांधी के चुनावी हलफनामे (फॉर्म-26) का हवाला देते हुए बताया कि विगत 10 असेसमेंट ईयर में उनकी कुल घोषित आय 11 करोड़ रुपये रही है। इसके विपरीत उनके विदेश दौरों का खर्च 60 करोड़ रुपये बैठता है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अपनी कमाई से कई गुना अधिक पैसा विदेश यात्राओं पर खर्च कर रहे हैं। पात्रा ने पूछा कि यदि आय सीमित है तो इस भारी-भरकम खर्च की फंडिंग कौन कर रहा है और क्या इसमें किसी विदेशी स्रोत का हाथ है। बीजेपी नेता पात्रा ने गुरुवार को प्रेस कान्फ्रेंस लेकर इस मामले में जानकारी दी। पात्रा के अनुसार, राहुल गांधी ने साल 2004 से 2026 तक कुल 54 व्यक्तिगत विदेश यात्राएं की हैं, जिनमें अमेरिका, इटली, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, वियतनाम, कम्बोडिया, सिंगापुर, बहरीन, मालदीव, कतर और यूएई शामिल हैं। इसके अलावा, वह 3 मई को बिना जानकारी के मस्कट, ओमान भी गए थे, जिसकी फुटेज सोशल मीडिया पर मौजूद है।

इधर, कांग्रेस ने पलटवार करते हुए मोदी के 76 देशों के 96 दौरों की लिस्ट जारी की

22 साल में 54 बार गए हैं विदेश यात्रा पर राहुल

60 करोड़ हुए खर्च

पात्रा ने दावा किया कि राहुल की इन यात्राओं पर करीब 60 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इन यात्राओं में सरकारी या संसदीय समितियों के दौरों को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि राहुल की अधिकांश यात्राएं ऑन रिकॉर्ड हैं, जिनके पब्लिक डेटा, होस्ट डिटेल्स, प्रेस इटिनरी, संसदीय रिकॉर्ड और मीडिया रिपोर्ट्स मौजूद हैं। फिर भी इन यात्राओं की फंडिंग पूरी तरह से सीक्रेट है।

आर्थिक पतन से ध्यान भटकाने के लिए उठाया यह मुद्दा : कांग्रेस

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए 'आर्थिक पतन' से जुड़े मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साध रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'यह सब ध्यान भटकाने की कोशिश है। असली मुद्दा आर्थिक पतन का है, जो देश को घेर रहा है। असली मुद्दे विदेश नीति में असफलताएं हैं। ये ही असली मुद्दे हैं।' रमेश ने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी 'समझौता करने वाले प्रधानमंत्री' हैं और वह घरेलू व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। 'विश्वगुरु' होने के उनके दावे पूरी तरह विफल हो गए हैं। वह दिन-ब-दिन चीन के सामने घुटने टेक रहे हैं। इसलिए यहां से ध्यान हटाने के लिए यह सब किया जा रहा है। राहुल गांधी की अतीत की विदेश यात्राओं के बारे में बात करने के बजाय, पात्रा को मंत्री पद पर दावा करने के लिए बेहतर विषय ढूंढने चाहिए।' कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि देश नौकरियों, किसानों, मणिपुर और चीन पर जवाब चाहता है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'भाजपा को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने के बजाय बेरोजगारी, महंगाई, गिरती खपत, विदेश नीति में विफलताओं और कमजोर अर्थव्यवस्था पर सवालों का जवाब देना चाहिए।'

कांग्रेस ने 10 दिन बाद किया नाम का ऐलान

सतीशन होंगे केरल के अगले मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केरल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के करीब 10 दिन बाद 14 मई को आखिरकार कांग्रेस ने केरल सीएम के नाम का ऐलान कर दिया। वीडी सतीशन केरल के नए मुख्यमंत्री होंगे। कांग्रेस पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक, पर्यवेक्षक अजय माकन और केरल की प्रभारी महासचिव दीपा दास मुंशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके नाम की घोषणा की। इससे पहले केरल के मुख्यमंत्री के नाम पर मंथन को लेकर दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की एक हाई-लेवल बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक के बाद कांग्रेस ने मीडिया से बातचीत करते हुए वीडी सतीशन के नाम का ऐलान किया।

रेस में थे ये तीन नाम

140 सदस्यीय केरल विधानसभा में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 102 सीटों पर जीतकर बहुमत हासिल किया। केरल के मुख्यमंत्री पद की रेस में वीडी सतीशन के अलावा रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल का नाम भी मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल था। हालांकि, अंतिम दौर की बातचीत के बाद वीडी सतीशन के नाम पर मुहर लगी। 140 सदस्यीय केरल विधानसभा में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 102 सीटों पर जीतकर बहुमत हासिल किया है।

वीडी सतीशन का सियासी सफर

सतीशन ने छात्र राजनीति से अपना राजनीतिक सफर शुरू किया। वह परवूर विधानसभा से विधायक बने हैं। इस सीट से वह 2001 से लगातर छठी बार चुनाव जीते हैं। 2021 में कांग्रेस ने उन्हें केरल विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाया था। वह केरलम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनकी गिनती केरल में कांग्रेस के सबसे मुखर और मजबूत विपक्षी चेहरों में होती है। उनको पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण का करीबी समर्थक माना जाता है।

आरोपी ड्राइवर और कंडक्टर गिरफ्तार, बिहार की है बस

दिल्ली में फिर निर्भया कांड चलती बस में महिला से गैंगरेप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली में एक निजी बस के अंदर महिला के साथ कथित गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक यह घटना 12 मई की है। महिला की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। इस मामले में बस के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे हैं। शिकायत मिलने के बाद महिला का मेडिकल कराया गया। मेडिकल प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। इसके बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और फिर गिरफ्तार कर लिया गया।

- बस की फॉरेंसिक जांच करवाई जा रही

बम स्कॉड ने बाहर लाकर किया डिफ्यूज

पुणे में अस्पताल के अंदर मिला बम, 7 घंटे का लगा था टाइमर

एजेंसी ▶▶| पुणे

पुणे के हडपसर इलाके में एक प्राइवेट हॉस्पिटल के अंदर कम तीव्रता वाला विस्फोटक मिला। पुलिस के मुताबिक, यह बम जैसी ही डिवाइस थी जिसे अस्पताल के वॉशरूम में रखा गया था। डिवाइस में कुछ तार थे जो टाइमर से जुड़े थे। टाइमर को 7 घंटे के लिए सेट किया गया था। बम स्कॉड की एक टीम तुरंत मौके पर भेजी गई। विस्फोटक को बाहर मैदान में लाकर डिफ्यूज किया गया। पुणे पुलिस की एक टीम, क्राइम ब्रांच और एंटी टेररिस्ट स्कॉड (एटीएस) ने जांच शुरू कर दी है। आतंकवाद सहित सभी एंगल से जांच की जा रही है।

डिवाइस के अंदर तारों से जुड़े डंडे थे

अस्पताल के एक डॉक्टर विलास गायकवाड़ ने बताया कि शाम करीब 7:30 बजे अस्पताल की दूसरी मंजिल पर बने वॉशरूम में एक डिब्बे के अंदर बम जैसी वस्तु रखी थी। डॉक्टर ने बताया कि उस डिवाइस के अंदर तारों से जुड़े कुछ डंडे थे, जो एक टाइमर से जुड़े हुए थे। पुणे के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा, बम स्कॉड ने तय प्रोटोकॉल के तहत डिवाइस को वहां से हटाया और उसे ग्लाइडिंग सेंटर के एक खुले मैदान में ले गए। बम को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया।

आतंकी हमले की संभावना भी शामिल

एनसीपी विधायक चेतन विट्ठल तुपे ने बताया- अस्पताल के अंदर एक बम लगाया गया था। आरोपी की तलाश जारी है। इसमें आतंकवादी हमले की संभावना भी शामिल है, हालांकि जांच पूरी होने तक इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती। डॉक्टरों सहित अस्पताल के पूरे स्टाफ से पूछताछ की जा रही है।

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

चुनौतीपूर्ण हैं हालात, ब्रिक्स पर टिकी दुनिया की नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक हालात, आर्थिक चुनौतियों और बदलती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के बीच ब्रिक्स की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। बैठक में अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा कि दुनिया इस समय काफी अनिश्चित और जटिल दौर से गुजर रही है, जहां लगातार संघर्ष, आर्थिक अस्थिरता, व्यापार और तकनीक से जुड़ी चुनौतियां वैश्विक परिदृश्य को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में उभरते बाजारों और विकासशील देशों की उम्मीदें ब्रिक्स से बढ़ी हैं और संगठन से वैश्विक स्थिरता में रचनात्मक और संतुलनकारी भूमिका निभाने की अपेक्षा की जा रही है। विदेश मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच यह बैठक सिर्फ औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचार साझा करने और साझा रणनीति विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और कूटनीतिक संवाद पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। बैठक में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची, दक्षिण अफ्रीकी विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला और ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा शामिल हैं।

- दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और कूटनीतिक संवाद जरूरी

भारत की अध्यक्षता में 80 ब्रिक्स बैठक

जयशंकर ने बताया कि भारत की अध्यक्षता में अब तक 80 से अधिक ब्रिक्स बैठकों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें सभी सदस्य देशों ने सक्रिय भागीदारी की है। इन बैठकों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने और संवाद को आगे बढ़ाने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स को अधिक समावेशी और सहयोगात्मक मंच बनाने के लिए साझेदार देशों के साथ लगातार संपर्क और संवाद बनाए हुए है।

नए सदस्य देशों का आना अहम

जयशंकर ने ब्रिक्स के संस्थागत विकास और नए सदस्य देशों के एकीकरण को भी अहम बताया। जयशंकर ने कहा कि संगठन के विस्तार के साथ उसके मौजूदा ढांचे और तंत्र को अपडेट करने पर चर्चा आगे बढ़ाई गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिक्स की सुचारु प्रगति के लिए जरूरी है कि नए सदस्य देश संगठन की साझा सहमति, प्राथमिकताओं और मूल सिद्धांतों को पूरी तरह समझें और उनका समर्थन करें।

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

वैक्सीनेशन में टॉप टेन स्टेट

राज्य	लक्ष्य	वैक्सीनेशन प्रतिशत
मध्यप्रदेश	7.51 लाख	100.95
गुजरात	5.40 लाख	99.88
मिजोरम	11 हजार	74.64
बिहार	13.65 लाख	50.93
आंध्रप्रदेश	3.78 लाख	50.28
जम्मू कश्मीर	1.34 लाख	42.29
कर्नाटक	5.03 लाख	39.29
लद्दाख	2 हजार	32.39
केरल	2.49 लाख	31.44
हिमाचल प्रदेश	54 हजार	26.96

इस तरह के तर्क भी

वैक्सीनेशन की संख्या संतोषजनक नहीं होने को लेकर विभागीय अधिकारियों द्वारा अन्य तरह के तर्क भी दिए जा रहे हैं। उनका मानना है जब इस अभियान की शुरुआत की गई तय हितग्राही परीक्षाओं में व्यस्त थे। इसके बाद तेज गर्मी की वजह से केवल वैक्सीनेशन के लिए बच्चे अस्पताल पहुंचने में हिचक रहे हैं। योजना बनाई गई है कि स्कूल खुलने के बाद इस बीमारी से बचाव के लिए जागरुकता लाने शिक्षकों की मदद ली जो कक्षा में छात्राओं को इस बारे में जानकारी देंगे।

सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण में छत्तीसगढ़ पिछड़ा देश में 26वां स्थान, टॉप पर मध्यप्रदेश, बंगाल शून्य

2.62 लाख को लगाने का लक्ष्य अब तक चार फीसदी यानी 12 हजार को लग पाया टीका

विकास शर्मा ▶▶ रायपुर

खास खबर

बांझपन, शारीरिक कमजोरी और दूसरी बड़ी बीमारी होने की अफवाह गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के निशुल्क टीकाकरण अभियान पर भारी पड़ रहा है। 16 मार्च से राज्य में शुरू हुए इस टीकाकरण के मामले में छत्तीसगढ़ देश में 26वें स्थान पर है। राज्य में 14 से 15 साल के बीच की 2.62 लाख किशोरियों को टीका लगाने का लक्ष्य है, मगर अब तक महज चार प्रतिशत यानी 12 हजार को यह टीका लग पाया है। किशोरियों को टीका लगाने चलाए जा रहे इस अभियान में मध्यप्रदेश सौ फीसदी वैक्सीनेशन के साथ अव्वल है। वहीं पश्चिम बंगाल सूची में सबसे अंतिम है, क्योंकि यहां आंक्रणा शून्य है। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, लेकिन यह उन कैंसरों में शामिल है, जिन्हें ▶▶ शेष पेज 7 पर

सीएचसी और पीएचसी में सुविधा

इस वैक्सीनेशन का पर्याप्त स्टॉक अभी स्वास्थ्य विभाग के पास मौजूद है। राज्य में एम्स के साथ तमाम शासकीय मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ सुविधा वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में वैक्सीनेशन किया जा रहा है। टीका लगाने के लिए प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है जिसमें वैक्सीनेशन के बाद हितग्राही की बाईं उंगली में अमिट स्याही से निशान लगाने और आधे घंटे अब्जर्वेशन का नियम है। अधिकारियों का कहना है कि अब तक किसी मामले में साइड इफेक्ट की शिकायत नहीं मिली है।

किसी तरह का जोखिम नहीं

एचपीवी वैक्सीन को लेकर जो चर्चा है वह निरर्थक है, इसमें किसी तरह का जोखिम नहीं है। वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है, इससे किसी तरह के साड इफेक्ट की जानकारी सामने नहीं आई है। टीकाकरण की संख्या बढ़ाने आने वाले दिनों में विस्तृत योजना बनाई जाएगी।
- डा. वीआर भगत, राज्य टीकाकरण

एचपीसीएल के पंपों पर ज्यादा असर, बीपीसीएल और आईओसीएल के कुछ पंप ड्राई

रायपुर के 35 और बिलासपुर के 13 पंप सूखे, जहां पेट्रोल मिल रहा, वहां भीड़

इधर, सरकार का दावा- प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, अफवाहों से बचें

राज्यभर में पेट्रोल-डीजल का संकट गहराया हुआ है। लगातार दूसरे दिन रायपुर, बिलासपुर समेत कई शहरों के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की कतारें दिखीं या पंप बंद होने की सूचना नजर आई। सरकारी आंकड़े ही बता रहे हैं कि रायपुर शहर में 35 पंप सूखे रहे। बिलासपुर में भी 13 पंपों में ईंधन नहीं था। इधर, खाद्य सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले का दावा है कि संकट नहीं है। पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टाक है और सप्लाई सामान्य की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

रायपुर शहर में कुल 326 पेट्रोल-डीजल पंप हैं, जिनमें से 35 पंप अस्थायी रूप से ड्राई आउट हैं। इसी प्रकार बिलासपुर शहर में कुल 156 पेट्रोल/डीजल पंप हैं, जिनमें से 13 पंप ड्राई आउट हैं। खाद्य सचिव ने कहा, इन सभी ड्राई आउट पंपों को यथाशीघ्र स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए ऑयल कंपनियों के डिपो से लगातार आपूर्ति की जा रही है। विगत दो दिनों में कुछ पेट्रोल-डीजल पंपों के ड्राई आउट होने के कारण अफवाह एवं घबराहट की स्थिति बनी, जिससे आम लोगों द्वारा पेट्रोल एवं डीजल की खपत में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई। मांग में अचानक हुई इस वृद्धि के कारण कुछ स्थानों पर कृत्रिम अभाव की स्थिति निर्मित हुई। ▶▶ शेष पेज 7 पर

आपूर्ति में लग रहा वक्त

बताया जाता है कि वैश्विक संकट के बाद पिछले दो माह से तेल कंपनियों के द्वारा पेट्रोल-डीजल के लिए एडवांस पेंमेंट जमा करने के दो-तीन दिन बाद आपूर्ति की जाती है। कई पंपों द्वारा मांग के अनुरूप समय पर आर्डर न किए जाने के कारण पंपों में तेल खत्म हो रहा है। सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक ही डिपो से तेल की आपूर्ति की जा रही है। जो मांग पूरी नहीं कर पाते, पंपों के ड्राई होने पर लोग जहां मिल रहा है वहां भीड़ लगा देते हैं, इससे उनकी खपत बढ़ने से उनका भी स्टॉक खत्म हो जाता है। कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर शहर के अंदर ईंधन के टैंकर को 24 घण्टे आवाजाही करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी पेट्रोल पंप में ईंधन की कमी न हो और स्टॉक रहे। साथ ही पेट्रोल पंप अधिकतम समय तक खोला जाए, ताकि आम जनता को पेट्रोल-डीजल लेने में सुविधा हो।

प्रतिदिन पेट्रोल-डीजल की इतनी खपत

खाद्य सचिव ने जानकारी दी कि प्रदेश में वर्तमान में कुल 2516 पेट्रोल-डीजल पंप संचालित हैं। पेट्रोल का 45,474 किलोलीटर तथा डीजल का 84,654 किलोलीटर स्टॉक उपलब्ध है। वहीं पेट्रोल की दैनिक आवश्यकता 3,635 किलोलीटर तथा डीजल की दैनिक आवश्यकता 5,873 किलोलीटर है। प्रदेश के विभिन्न ऑयल डिपो में 6,551 किलोलीटर पेट्रोल तथा 4,760 किलोलीटर डीजल प्राप्त हुआ है।

ऑयल डिपो से नियमित आपूर्ति

खाद्य सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश के ऑयल डिपो को नियमित रूप से आवश्यकतानुसार पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति हो रही है तथा वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

अफवाहों पर ध्यान न दें: धगट

प्रदेश एवं जिला पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिल धगट ने अपील की है कि आम जनता परेशान न हो, अफवाहों पर ध्यान न दे। पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक है, जितनी आवश्यकता है, उतना ही पेट्रोल-डीजल की खरीदी करें और सहयोग करें।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच राहत के साथ आफत

एलपीजी ला रहे दो टैंकर ने पार किया होर्मुज, हमले में डूबी भारतीय नौका

- अब तक कुल 13 भारतीय जहाजों ने पार किया होर्मुज
- ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाली नौका पर हमला
- 14 भारतीय चालक दल को तटरक्षक टीम ने बचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए एलपीजी लेकर आ रहे दो टैंकर ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है, जबकि इसी क्षेत्र के पास हुए हमले में एक भारतीय नौका डूब गई। गुजरात के 'हाजी अली' नाम की नौका ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रही थी, तभी उससे कोई ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार टकरा गया। हादसे के बाद नौका में आग लग गई, हालांकि ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि 'सिमी' नामक एलपीजी टैंकर 13 मई को जलडमरूमध्य पार कर गया, जबकि 'एनवी सनशाइन' टैंकर ने गुरुवार को सुरक्षित रूप से इस मार्ग को पार किया। अमेरिका-इजराइल के हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह समुद्री मार्ग प्रभावी रूप से बाधित था, लेकिन अब तक कुल 13 भारतीय पोत इस मार्ग से निकल चुके हैं। हालांकि, भारत के ध्वज वाली मशीनी पाल नौका 'हाजी अली' बुधवार तड़के ओमान के जलक्षेत्र में हमले का शिकार हो गई। इस हमले में लकड़ी के इस पोत में आग लग गई और बाद में यह डूब गई। यह नौका सोमालिया से संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह की तरफ जा रही थी।

14 क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू

गुजरात के द्वारका निवासी और मालिक सुलतान अहमद अंसार ने बताया कि एमएसवी हाजी अली नौका बेरबेरा पोर्ट से शारजाह जा रही थी। सुबह करीब 3:30 बजे ओमान के समुद्री तट के पास हादसा हो गया। क्रू मेंबर्स ने बताया कि नौका से किसी विस्फोटक जैसी चीज के टकराने की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद आग लग गई। हालात बिगड़ने पर सभी 14 क्रू मेंबर्स ने लाइफ बोट की मदद से जहाज छोड़ा।

पहले भी हुई थी फायरिंग

इससे पहले, 7 मई को होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा गुजरात के द्वारका का एक और मालवाहक जहाज एमएसवी एएल फैज नूरे सुलेमानी-I भी अमेरिका और ईरान नेवी के बीच फायरिंग का शिकार हुआ था।

भारत ने कहा- हमला अस्वीकार्य

ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुए हमले के संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, बुधवार को ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुआ हमला अस्वीकार्य है। हम इस बात की निंदा करते हैं कि वाणिज्यिक जहाजों और आम नागरिकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। जहाज पर सवार सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और हम उन्हें बचाने के लिए ओमान के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हैं।

खबर संक्षेप

लाल किला विस्फोट मामले में चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। एनआईए ने लाल किला इलाके में कार बम विस्फोट मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ 7,500 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। पिछले वर्ष 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस उच्च तीव्रता के विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुई थी।

आंधी-बारिश से तबाही, 24 घंटे में 111 की गई जान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेज तूफान और भारी बारिश के कारण पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गये और मकानों को नुकसान पहुंचा तथा कम से कम 111 लोगों की मौत हो गई और 72 लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुई जानमाल की हानि का संज्ञान लिया तथा अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने का निर्देश दिया।

आरकॉम धोखाधड़ी मामले में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में कई ठिकानों पर दबिश दी। सीबीआई ने मुंबई, गुरुग्राम और बेंगलुरु स्थित सात परिसरों पर छापेमारी की। तलाशी की कार्रवाई वर्ष 2015 से 2017 के दौरान कंपनी में कार्यरत रहे तत्कालीन सीईओ, सीएफओ और निदेशकों के आवासीय परिसरों पर की गई।

16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर

देश के 36 करोड़ 73 लाख वोटरों तक पहुंचेगी टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर में मतदाता सूचियों को अद्यतन और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे चरण की घोषणा कर दी है। आयोग के मुताबिक यह अभियान 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा, जिसके तहत करीब 36.73 करोड़ मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन किया जाएगा। आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 30 मई से चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची के एसआईआर के तीसरे दौर की शुरुआत की घोषणा की।

ओडिशा से शुरू, त्रिपुरा से समापन

ओडिशा, सिक्किम, मिजोरम और मणिपुर में छह सितंबर को सूची जारी की जाएगी और आखिरी दौर में त्रिपुरा में 23 दिसंबर को प्रकाशित करने का कार्यक्रम है। दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र और झारखंड के साथ सात अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी। बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, गोवा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। असम में 'विशेष पुनरीक्षण' किया गया था।

शाह से मिले साय, बस्तर विकास मॉडल पर मंथन

नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर में तेजी से बदल रहे हालात और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में विशेष रूप से बस्तर में चल रहे 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' और नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गृह मंत्री अमित शाह को बताया कि जिन इलाकों में कभी एंबुलेंस पहुंचना भी मुश्किल माना जाता था, वहां अब डॉक्टर, दवाइयां और

स्वास्थ्य टीमें नियमित रूप से पहुंच रही हैं। दूरस्थ गांवों में पैदल जाकर लोगों की जांच की जा रही है और गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मात्र एक महीने में 21.86 लाख से ज्यादा लोगों की स्वास्थ्य जांच हो चुकी है ▶▶ शेष पेज 7 पर

शाह ने की सराहना

गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर में हो रहे विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर यह सुनिश्चित कर रही हैं कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उल्लेखनीय है कि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 18 और 19 मई को बस्तर प्रवास भी संभावित है।

नीट पेपर लीक मामला

सात आरोपी दबोचे गए, 7 दिन की रिमांड पर पांच आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सीबीआई ने नीट पेपर लीक मामले की जांच तेज करते हुए पिछले 24 घंटे में 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही अब तक इस हाई-प्रोफाइल मामले में कुल 7 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर जांच जारी है तथा कई अन्य संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला 12 मई को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में नीट परीक्षा के कथित पेपर लीक का आरोप लगाया गया था।

प्रधान के आवास पर उच्चस्तरीय बैठक

नये सिरे से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)- स्नातक आयोजित करने की तैयारियों की समीक्षा के लिए बृहस्पतिवार देर शाम यहां केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। उन्होंने बताया कि बैठक में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के संचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। यह बैठक एनटीए द्वारा परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं के आरोपों के बाद तीन मई की परीक्षा को रद्द करने की घोषणा किये जाने के बाद हुई है।

48 घंटे बाद शव बरामद

रील बनाने नदी में युवक ने लगाई छलांग, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले में रील बनाने के दौरान एक युवक की जान जाने का मामला सामने आया है। तीन दिनों पहले युवक अहिरन नदी में छलांग लगाई थी, जिसके बाद वह लापता हो गया था। लगातार खोजबीन के बाद बुधवार की देर रात युवक का शव नदी से बाहर आ गया। शव को बाहर निकालकर मामले में वैधानिक कार्यवाही कर परिजनों को सौंप दिया गया ▶▶ शेष पेज 7 पर

दो दिनों तक चला सर्च ऑपरेशन

हादसे के बाद घबराए दोस्तों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस और गोताखोरों की टीम ने मंगलवार से ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बुधवार को रेस्क्यू रोकना पड़ा, लेकिन कुछ ही देर बाद निखिल का शव पानी की सतह पर आ गया।

बीजिंग में अमेरिका और चीन के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक

जिनपिंग ने ट्रंप को पढ़ाया 'ग्लोबल लीडरशिप' का पाठ, बोले- हम दुश्मन नहीं, पार्टनर बनें

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन की राजधानी बीजिंग में अमेरिका और चीन के बीच हुई हाई-स्टेक्स समिट में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने टकराव नहीं, बल्कि साझेदारी का संदेश देने की कोशिश की। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई मुलाकात ऐसे वक्त में हुई, जब दोनों देशों के रिश्ते पिछले कई वर्षों से ट्रेड वॉर, टेक्नोलॉजी बैन, ताइवान और वैश्विक प्रभाव की लड़ाई को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। बैठक की शुरुआत में शी जिनपिंग ने बेहद संतुलित और कूटनीतिक अंदाज में दुनिया के सामने बड़ा संदेश रखा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस

समय एक नए मोड़ पर खड़ी है और ऐसे समय में चीन और अमेरिका की जिम्मेदारी पहले से ज्यादा बढ़ जाती है। जिनपिंग ने ट्रंप की तरफ देखते हुए कहा, क्या हम मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और दुनिया को ज्यादा स्थिरता दे सकते हैं?

ट्रंप ने की शी की सराहना

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बैठक के दौरान जिनपिंग की खुलकर तारीफ की। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को शानदार बताते हुए कहा कि जिनपिंग एक महान नेता हैं। ट्रंप ने कहा, आपका दोस्त होना मेरे लिए सम्मान की बात है। चीन और अमेरिका के रिश्ते पहले से बेहतर होने जा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि जब भी दोनों देशों के बीच कोई समस्या आई, उन्होंने और जिनपिंग ने सीधे बातचीत कर उसे जल्दी सुलझाया। उन्होंने चीन की उपलब्धियों और नेतृत्व क्षमता की भी सराहना की।

कोर्ट ने पूछा- प्रमोटी या डायरेक्ट रिक्रूमेंट

जींस और टी-शर्ट में पहुंचे अफसर पर हाईकोर्ट खफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने भिलाई नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट के नाराजगी का कारण उनके ड्रेसकोड को लेकर था। नाराज कोर्ट ने पूछा कि आपको ये पता नहीं है हाईकोर्ट में किस तरह आना चाहिए। यही आपका ड्रेसकोड है जैसा मन किया वैसे चले आए। नाराज कोर्ट ने डिप्टी कमिश्नर की जमकर क्लास ली। भिलाई नगर निगम से संबंधित ▶▶ शेष पेज 7 पर

जमकर ली क्लास

कोर्ट ने जमकर क्लास ली। कोर्ट ने पूछा सीएमओ हैं या डिप्टी कमिश्नर अफसर ने जवाब दिया डिप्टी कमिश्नर। फिर पूछा- प्रमोटी हैं या डायरेक्ट रिक्रूटमेंट से सिलेक्शन हुआ है।

फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस बनेंगे जनसुविधा केंद्र, नेतानार से केंद्रीय गृहमंत्री शाह करेंगे शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर को नक्सलमुक्त करने के लिए संभाग के धुर नक्सल प्रभावित इलाकों में 400 से अधिक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस बनाए गए थे। नक्सलियों के खिलाफ रणनीति तैयार कर ऑपरेशन को अंजाम दिया जाता था। अब इन्हीं सुरक्षा कैम्पों को जनसुविधा केन्द्रों में तब्दील किया जाएगा। इसकी शुरूआत केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा नेतानार स्थित सीआरपीएफ कैम्प से की जाएगी जिसके लिए तैयारी लगभग पूर्ण हो चुकी है।

गौरतलब है कि चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद का दंश झेल रहे बस्तर को नक्सलमुक्त करने के लिए अंदरूनी नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा कैम्पों खोले गए थे। बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद नक्सल मोर्चे पर तैनात अर्धसैनिक बलों के बस्तर से वापस लौटने का सिलसिला जल्द ही शुरू होने वाला है। इसके बाद इन कैम्पों को स्थानीय ग्रामीणों के लिए जन सुविधा केंद्र बनाने की घोषणा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की थी। इसकी शुरूआत 18 मई को 2 दिवसीय बस्तर दौरे पर पहुंच रहे गृहमंत्री अमित शाह नेतानार सीआरपीएफ कैंप से करेंगे। प्रवास के दौरान गृहमंत्री बस्तर का पहला जनसुविधा केंद्र घोषित कर इसका उद्घाटन करेंगे। इससे पूर्व नेतानार के इस इलाके में नक्सलियों ने कई बड़ी वारदातों को भी अंजाम दिया था, जिसके बाद यहां सीआरपीएफ कैंप स्थापित किया गया था। नक्सल गतिविधि कम होने के साथ ही यह इलाका नक्सल मुक्त हो चुका है। ऐसे में अब इस कैंप को बस्तर का पहला जन सुविधा केंद्र बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार बस्तर रेंज के संवेदनशील और दुरुस्त इलाकों में स्थापित इन कैंपों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और जिला पुलिस बल के जवान तैनात है।

बस्तर संभाग अब पूर्ण रूप से नक्सल मुक्त होने की घोषणा के बाद इन सुरक्षा कैम्पों को स्थानीय ग्रामीणों के रोजगार और सुविधा के अनुसार जन सुविधा केंद्र में तब्दील करने की योजना है। इसी कड़ी में नेतानार का सीआरपीएफ कैंप बस्तर संभाग का पहला जन सुविधा केंद्र बनने जा रहा है।

बस्तर संभाग में 400 से अधिक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस

जनसुविधा केंद्र का उद्घाटन और नामकरण

31 मार्च 2026 के बाद बस्तर संभाग के अंदरूनी इलाकों में नक्सल गतिविधि पूरी तरह से समाप्त हो चुकी हैं। सुरक्षा की दृष्टिकोण से नक्सल इलाकों में सुरक्षा कैंप खोले गए थे। उनमें से कुछ कैंपों को अब उस क्षेत्र की जनता के लिए मूलभूत सुविधा से लाभान्वित करने के उद्देश्य से डिजिटल सेवा केंद्र, स्किल डेवलपमेंट ट्रेंनिंग सेंटर, फॉरेस्ट फूड प्रोसेसिंग यूनिट के रूप में स्थापित किए जाने की योजना बनाई गई है। नेतानार सीआरपीएफ कैंप बस्तर का पहला जनसुविधा केंद्र होगा, जिसका केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह के बस्तर प्रवास के दौरान उद्घाटन और नामकरण करेंगे।

-सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी, बस्तर

खबर संक्षेप

30 लाख का धान घोटाला प्रबंधक और आपरेटर पर एफआईआर दर्ज

राजनांदगांव। जिले के डोंगरगढ़ ब्लॉक अंतर्गत मोहारा सेवा सहकारी समिति में धान के अवैध उठाव और फर्जी शॉर्टेज के मामले में जिला कलेक्टर के निर्देश पर अब समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर ऑपरेटर सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस मामले में करीब 30 लाख 86 हजार रुपए मूल्य के 995 क्विंटल धान को रिकॉर्ड में सूखत बताकर गायब करने की कथित साजिश का ग्रामीणों ने भंडाफोड़ कर दिया था। मामले के सामने आते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया और कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर समिति प्रबंधक संतोष वर्मा, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेदप्रकाश साहू सहित अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ धारा 420, 318-4 और 316-5 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि जिले के करीब दो दर्जन उपार्जन केंद्रो में भी धान गायब होने की लगातार शिकायतें सामने आ रही है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने तत्काल संज्ञान लेते संबंधित समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर ऑपरेटर और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के आदेश के बाद मोहारा चौकी में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

बारदाना गोदाम में लगी भीषण आग, 9 घंटे में पाया गया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सूरजपुर

एसडीएम ने दिए जांच के निर्देश

शहर के पर्री स्थिति राइस मिल के बारदाना गोदाम में गुरुवार को आग लग गई। गोदाम में लगी आग देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और लाखों रूपए के बारदाने गोदाम में जलकर खाक हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम द्वारा आग बुझाने का काम शुरू किया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। लेकिन एक ही व्यक्ति के गोदाम में पांच महीने के भीतर दूसरी बार लगी आग ने सवालों को जन्म दे दिया है। इस मामले में एसडीएम ने जांच के निर्देश दे दिए है।

बताया जा रहा है कि नगर के पर्री में संदीप एग्रो के नाम से राइस मिल संचालित है। राइस मिल परिसर में कंपनी का बारदाना गोदाम भी है। संदीप एग्रो का एक बारदाना गोदाम पिछले दो साल से बंद पड़ा हुआ था और इसमें बड़ी संख्या में बारदाना और अन्य सामान पड़े हुए थे। इस बीच गुरुवार की सुबह अचानक ही गोदाम में आग लग गई। गोदाम से निकलता धुआं देखकर स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद डायल 112 की टीम ने सुबह 7.30 बजे दमकल विभाग को इसकी सूचना दी जिसके बाद दमकल की टीम आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची। बारदाना व अन्य वेस्ट सामग्री होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया था। दमकल की तीन वाहनों की मदद से आग बुझाने का काम शुरू हुआ। इस दौरान दमकल टीम को गोदाम की दीवार को भी जेसीबी के माध्यम से तोड़ना पड़ा। लगभग 9 घंटे से अधिक समय तक चली मशक्कत के बाद दोपहर 3 बजे आग पर काबू पाया गया। तब तक गोदाम में रखे बारदाना जलकर खाक हो गए थे।

लाखों का बारदाना जलकर खाक

पांच महीने में दूसरी बार लगी आग

बताया जा रहा है कि संदीप एग्री एजेंसी के बारदाना गोदाम में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। इसके पहले परिसर में मौजूद एक अन्य बड़े गोदाम में 12 जनवरी को आग लगी थी जिसमें लाखों रूपए के बारदाना जलकर खाक हो गए थे। पिछली बार लगी आग के कारणों का पता नहीं सका और इस बार फिर से गोदाम में आग लग गई। इस बार भी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। बार बार हो रही घटना को लेकर नगर में तरह तरह की चर्चाएं है और कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे है। वहीं इस मामले में एसडीएम ने जांच के निर्देश दिए है।

एसिड अटैक से नाबालिग के साथ दो झुलसे, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

किसी बात को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद व मारपीट के बाद एसिड अटैक कर दिया गया। इस घटना में एक नाबालिग सहित बीचबचाव करने पहुंचा युवक झुलस गया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार की रात्रि गणेश चौक के खोड़िया तालाब जाने वाले मार्ग में दो पक्षों के बीच जमकर वाद-विवाद और मारपीट हुई। 10 से 12 संख्या में पहुंचे युवकों ने घर में घुसकर भी मारपीट की, जिसमें दो लोग घायल हो गए। युवक मारपीट करने के बाद बाहर निकल सड़क पर जमघट लगाकर गाली-गलौज कर रहे थे। इस दौरान मारपीट में घायल एक व्यक्ति बाटल में तरल पदार्थ लेकर घर से बाहर निकला और सामने खड़े युवकों पर फेंक दिया जिसकी चपेट में विनय गौली पिता शत्रुघन उम्र 17 वर्ष व बीच-बचाव करने पहुंचे धुमाल पार्टी के संचालक पड़ोसी लक्की बावने पिता लच्छू उम्र 29 वर्ष गणेश चौक निवासी आ गए। शरीर में जलन शुरू होने के बाद पता चला कि बाटल से उन पर एसिड फेंका गया है। सूचना पर सीएसपी कोतवाली टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद विनय की गंभीर हालत को देखते हुए उसे इलाज के लिए हायर सेंटर रायपुर रिफर किया गया।

- पहले 10 से अधिक लोगों ने घर में घुसकर की थी मारपीट

मोबाइल में बातचीत करने पर उपजा झगड़ा

जानकारी मिली है कि गणेश चौक निवासी युवक के मोबाइल से दूसरे युवक ने किसी महिला से बातचीत की थी। इसका पता चलते ही उक्त महिला का पति कुछ लड़कों को लेकर मोबाइलधारक युवक के घर पहुंचा था। उसके बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इस मामले में कोतवाली पुलिस गंभीर धाराओं के तहत एसिड अटैक करने वाले के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

ट्राला से गिरा किसान, हार्वेस्टर में दबने से मौत

धमतरी। हार्वेस्टर में दब जाने से रींवागहन के एक किसान की मौत हो गई। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम रींवागहन निवासी लालाराम साहू उम्र 50 वर्ष खेती-किसानी का काम करता था। लालाराम घर के ट्रैक्टर से हार्वेस्टर को ट्राला में लोड किया। पुत्र सत्यवान ट्रैक्टर को चलाते हुए जा रहा था। पिता लालाराम हार्वेस्टर के साथ ट्राला में बैठा हुआ था। चढ़ाई में ट्रैक्टर नहीं चढ़ पाया और पीछे जाने लगा जिससे ट्राला में बैठा लालाराम गिर गया। अधेड़ हार्वेस्टर से दब गया जिससे उसकी मौत हो गई।

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराइट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
नकली माल से सावधान
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

जनगणना कर्मचारी से दुर्व्यवहार पर होटल संचालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

जनगणना कार्य में लगे प्रगणक के साथ दुर्व्यवहार और गाली गलौच का मामला सामने आया है। धमधा थाना पुलिस ने धारा 296, 221 बीएनएस और जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी होटल संचालक को संतोष पटेल को गिरफ्तार कर लिया है।

- धमधा थाना पुलिस ने की कार्रवाई

जानकारी के अनुसार प्राथमिक शाला तमेरपारा धमधा मे सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ प्रार्थी अशोक कुमार देवांगन उम्र 37 वर्ष ने पुलिस को शिकायत में बताया कि जनगणना वर्ष 2026-27 मे प्रगण एचएलबी क्रमांक 9 वार्ड 7 मे मेरी ड्यूटी नगर पंचायत धमधा से लगी है। 12 मई को शाम करीब 5.10 बजे जनगणना ड्यूटी के दौरान पटेल होटल धमधा के मालिक संतोष पटेल द्वारा जनगणना संबधित जानाकारी देने से मना करते हुए गाली गलौच व दुर्व्यवहार कर शासकीय कार्य मे बांधा पहुचाया। भवन संख्या 470 पर पहुंचा तब वहां के होटल के मालिक संतोष पटेल के द्वारा दुर्व्यवहार और गाली गलौच करते हुये जनगणना संबधित जानकारी देने से मना करते हुए सबके सामने गाली देते हुए कहा कि हॉटल से निकल जनगणना कार्य नहीं करवाना है। यह कहते हुए होटल से बाहर निकाल दिया।

ओबीसीएल लिमिटेड को राष्ट्रीय राजमार्ग अतिक्रमण मामले में मिली अंतरिम राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

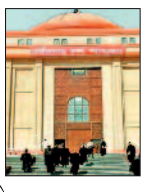

हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े कथित अतिक्रमण मामले में ओबीसीएल लिमिटेड पूर्व में ओडिशा बंगाल कैरियर प्राइवेट लिमिटेड को अंतरिम राहत प्रदान की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि संबंधित भूमि का विधिवत सीमांकन किए बिना किसी भी प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। कंपनी की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र रायपुर स्थित लगभग 18,723 वर्गफुट भूमि कंपनी को वर्ष 2009 में वैधानिक रूप से आवंटित की गई थी तथा वर्ष 2020 में 99 वर्षो की लीज डीड निष्पादित की गई। इसके बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से 2 मई 2026 को कथित अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से न्यायालय में यह पक्ष रखा गया कि बिना किसी अधिकृत सीमांकन के अतिक्रमण का आरोप लगाया गया है जो विधिसम्मत नहीं है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से न्यायालय को अवगत कराया गया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर दिए गए निर्देशों के अनुपालन में कार्रवाई की जा रही है। जस्टिस अमितेन्द्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई के बाद निर्देश दिया कि संबंधित भूमि का सीमांकन विधि अनुसार तथा संबंधित पक्षों की उपस्थिति में किया जाए।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल
(महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार लिवर व किडनी रोग
पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन थाइरॉयड सर्जरी
हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) ब्रैस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

दक्षिका हेल्थ केयर & डायबिटिक सेंटर
(डायबिटिक, थायरॉइड, ब्लड प्रेशर, ओबेसिटी, वैक्सीनेशन, हार्ट केयर)
ADULT VACCINATION CENTER
जहाँ Diabetes, Thyroid, Hypertension (Blood Pressure) का मिलता है Expert Care"
डॉ. दीपक जायसवाल MBBS, MD (General Medicine) PGDIC, CCEBDM (Diabetes), FICP Senior Consultant Physician & Diabetologist
डॉ. नेहा रानी गुप्ता BDS, MDSDental Specialist (दंत सुविधा उपलब्ध)
▪Better Experience ▪Fully Dedication ▪Accurate
पता : शॉप नं. 14 एवं 15, ग्राउंड फ्लोर, EDGE COMPLEX मोवा रायपुर : 9202222391, 8871865551, 7723068129

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवींनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहांसे • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

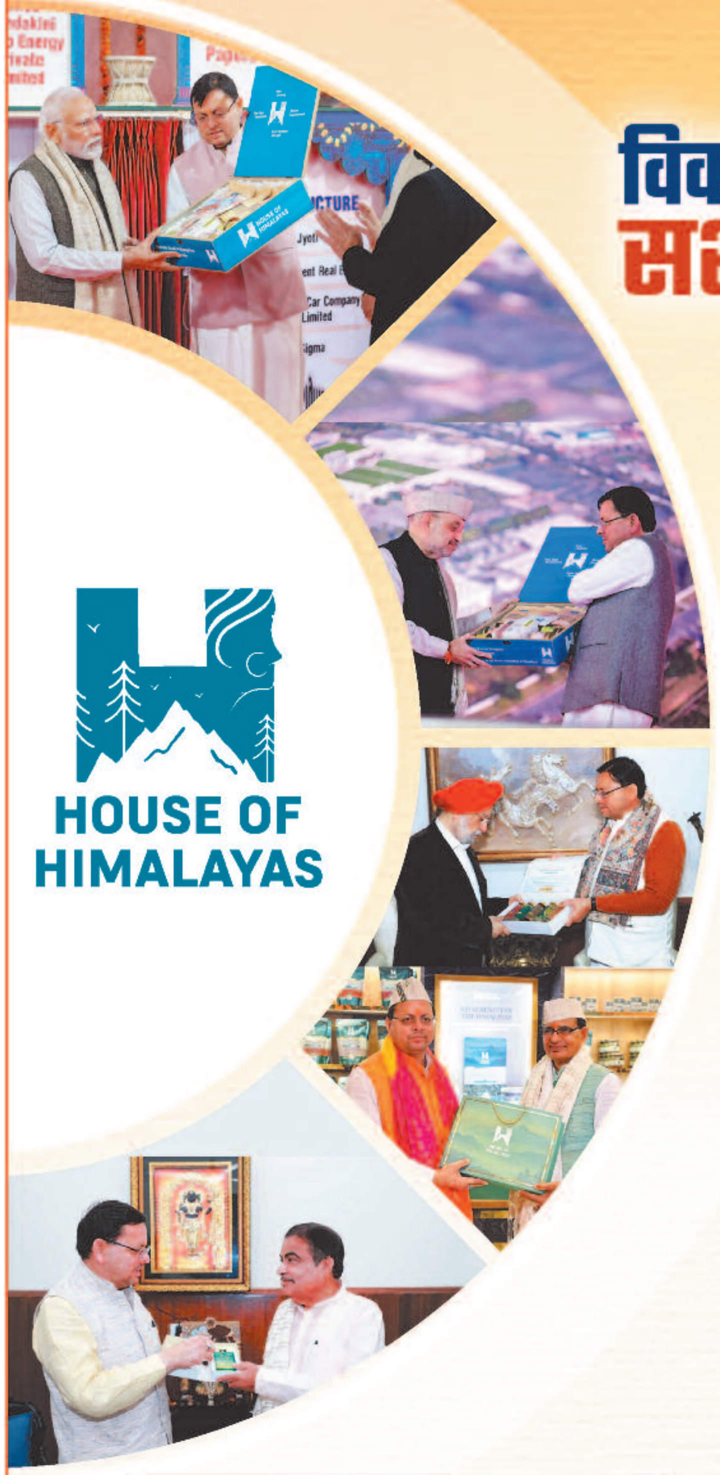

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

हमें स्वदेशी को अपना स्वाभिमान बनाना है। इसे अपनाना केवल सामान खरीदने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे गर्व के साथ बढ़ावा देना हर नागरिक का कर्तव्य है। इससे स्थानीय उद्योग सशक्त होंगे, रोजगार बढ़ेंगे और देश की आर्थिक तरक्की में मदद मिलेगी। त्योहारों के अवसर पर देश के प्रत्येक नागरिक स्वदेशी सामान खरीदें। यह छोटा कदम देश की बड़ी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और इसे अपनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

HOUSE OF HIMALAYAS

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद
अब दुनिया की पहली पसंद

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

बेहतर गुणवत्ता : हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

ODTP ONE DISTRICT TWO PRODUCTS UTTARAKHAND

एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5% स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरूआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रुपांकन बनाते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

चिंतन

मतदाता सूची शुद्ध है ये दिखना भी जरूरी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत निष्पक्ष और भरोसेमंद चुनाव होते हैं। चुनाव तभी विश्वसनीय माने जाते हैं, जब मतदाता सूची पूरी तरह पारदर्शी, सटीक और संदेह से परे हो। यही वजह है कि चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास को मजबूत करने का अभियान है। अब जब आयोग ने 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में तीसरे चरण की घोषणा कर दी है, तो यह जरूरी हो जाता है कि मतदाता सूची न केवल शुद्ध हो, बल्कि जनता को यह स्पष्ट रूप से दिखे भी कि प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी है। एसआईआर का तीसरा चरण 1 जुलाई से शुरू होगा। पिछले एसआईआर में मतदाता सूची को लेकर कई विवाद सामने आए। कर्नाटक में हजारों वोटर आईडी में मकान नंबर "0", "00", "77777" या "9999" दर्ज पाए गए। बिहार में भी करीब 2.92 लाख मतदाताओं के पते इसी तरह दर्ज होने का मामला सामने आया। विपक्ष ने इसे फर्जी मतदाताओं और चुनावी धांधली से जोड़कर सवाल उठाए। चुनाव आयोग ने सफाई दी कि बेघर, अनधिकृत कॉलोनियों या बिना नंबर वाले मकानों में रहने वाले लोगों को मतदाता सूची से बाहर न करने के लिए ऐसे "नोशनल नंबर" दिए जाते हैं। यह तर्क मानवीय और समावेशी जरूर है, लेकिन सवाल यह है कि यदि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता से नहीं होगी तो संदेह की गुंजाइश बनी रहेगी। यदि मतदाता सूची में एक ही पते पर दर्जनों नाम दिखाई दें या हजारों घरों का नंबर "0" हो, तो आम मतदाता के मन में शंका पैदा होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि चुनाव आयोग को अब तकनीकी और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर सुधार की जरूरत है। आयोग द्वारा मकान नंबर की अनिवार्यता खत्म करने या नए फॉर्मेट पर विचार करना एक सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन इसके साथ मजबूत ग्राउंड वेरिफिकेशन और जवाबदेही भी जरूरी होगी। तीसरे चरण में 3.94 लाख बीएलओ और 3.42 लाख बीएलए को लगाया गया है, जो घर-घर जाकर लगभग 36.73 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। बीएलओ द्वारा की गई एंट्री का डिजिटल ऑडिट, जीपीएस आधारित सत्यापन और राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। एसआईआर में पिछली जो गलतियां सामने आई, उन्हें भी इस बार ठीक करना होगा। वहीं, सुप्रीम कोर्ट द्वारा उठाए गए सवालों को भी प्रक्रिया में शामिल किया जाए। बीएलओ और अन्य कर्मचारियों को भी सुरक्षा देना प्राथमिकता होना चाहिए ताकि वे निष्पक्षता से काम कर सकें। इसके अलावा गर्मी का मौसम भी चुनौती बढ़ा सकता है। विपक्ष के आरोपों, सुप्रीम कोर्ट के सवालों और चुनाव आयोग के जवाबों के बीच राजनीतिक टकराव भी तेज हुआ है। इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ-हानि के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। मतदाता सूची किसी एक दल की नहीं, पूरे लोकतंत्र की नींव है। हालांकि पिछली बार पश्चिम बंगाल को छोड़ दें तो बाकी राज्यों में कोई ज्यादा दिक्कत नहीं है। अगले साल मणिपुर, उत्तराखंड, पंजाब, यूपी और गुजरात में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। अंततः, एसआईआर केवल मतदाता सूची सुधारने की कवायद नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जनता के विश्वास की परीक्षा भी है। चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र मतदाता वंचित न रहे और कोई भी फर्जी नाम सूची में न बचे। मतदाता सूची शुद्ध होना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी यह दिखना भी है कि प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद है। यही लोकतंत्र की असली मजबूती होगी।

मुद्दा
प्रमोद भार्गव

ईरान-अमेरिका युद्ध में तेल की बर्बादी

अमेरिका-ईरान के बीच जंग के मैदान बने समुद्र में तेल खेल का औजार बन गया है। अमेरिकी नाकाबंदी के चलते एक महीने के भीतर ईरान के 58 तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार नहीं कर पाए। इस कारण प्रतिदिन 30 लाख बैरल से ज्यादा कच्चा तेल समुद्र में बहा रहा है। हर दिन नष्ट किए जा रहे इस तेल की कीमत 2800 करोड़ रुपये है। ईरान को ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि उसकी तीन करोड़ बैरल तेल भंडारण की क्षमता पूरी हो चुकी है। मध्य एशिया में जल रहा यह तेल हिंद महासागर के तापमान को अप्रत्याशित रूप में बढ़ाएगा। इसका सीधा प्रभाव मौसम चक्र पर पड़ेगा। परिणाम स्वरूप अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, धूल भरे अंधड़ की घटनाएं कालांतर में देखने को मिल सकती हैं।

अमेरिका-ईरान के बीच जंग के मैदान बने समुद्र में तेल खेल का औजार बन गया है। अमेरिकी नाकाबंदी के चलते एक महीने के भीतर ईरान के 58 तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार नहीं कर पाए। इस कारण प्रतिदिन 30 लाख बैरल से ज्यादा कच्चा तेल समुद्र में बहा रहा है। हर दिन नष्ट किए जा रहे इस तेल की कीमत 2800 करोड़ रुपये है। ईरान को ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि उसकी तीन करोड़ बैरल तेल भंडारण की क्षमता पूरी हो चुकी है। ईरान के पास 3500 ऐसे तेल के कुएं हैं, जिनसे निरंतर तेल का उत्पादन जरूरी है। यदि तेल निकालना बंद कर दिया गया तो इन कुओं से तेल का उत्पादन हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। ऐसा इसलिए हो जाता है, क्योंकि ड्रिलिंग बंद कर देने से कुएं के भीतर डाली गई पाइपलाइनों में पानी-गैस भर जाती है।

इन्हीं पाइपों से कच्चा तेल रिस-रिसकर आता है। तेल की चट्टानों के छेदों में वैक्स की परत जम जाने से तेल रिसना बंद हो जाता है। यह मोम जैसा प्राकृतिक या रासायनिक ठोस पदार्थ होता है। ईरान कच्चे तेल का 90 प्रतिशत निर्यात खार्ग द्वीप से करता है। यहीं ईरान के तेलों के भंडार गृह हैं। तेल की यह बर्बादी पश्चिम एशिया के देशों के लिए ऊर्जा का संकट तो बन ही रही है, समुद्री पर्यावरण भी तेजी से बिगड़ रहा है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता से अपील करनी पड़ी है कि इस संकट के दौरान पेट्रोल, डीजल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग कम से कम करें। यूरोपियन स्पेस एजेंसी के सेंटीनल सैटेलाइट डेटा और अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार खरास की खाड़ी एवं होर्मुज स्ट्रेट के आसपास समुद्री पानी की सतह पर तेल की परतें देखी गई हैं। ये परतें कुवैत के लावन द्वीप, केशम द्वीप और खार्ग द्वीप के समुद्र में बड़े-बड़े धब्बों के आकार में देखी गई हैं। इनमें से एक धब्बा करीब 120 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। विशेषज्ञों ने रडार डेटा की मदद से इसका विश्लेषण करते हुए कहा है कि सतह पर तैरता तेल लहरों को शांत कर देता है, जिससे रडार से ली गई तस्वीरों में काले और चिकने धब्बे दिखाई देते हैं। इस कारण यह आशंका बनी है कि ईरान समुद्र में तेल बर्बाद कर रहा है। यदि यह तेल लगातार छोड़ा जाता रहा तो इससे समुद्री जीवन और पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है। फारस की खाड़ी के समुद्री क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मछुआरे, कोरल रीफ और अन्य समुद्री जीव रहते हैं, जिन पर लाखों लोगों की आजीविका निर्भर है। यह तेल मछलियों के लिए जहर का काम कर सकता है। समुद्री पक्षियों को नुकसान पहुंचाता है और संवेदनशील समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर देता है। ऐसे में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और अनेक समुद्री जीव बेमौत मर जाते हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग समुद्री पर्यावरण के लिए भारी संकट के रूप में पेश आ रही है। यह संकट धरती से लेकर आसमान तक कहर ढा रहा है। होर्मुज के संकरे मार्ग पर तेल की इस बर्बादी से पहले पेट्रोलियम पदार्थों से भरे करीब 20 जहाज नष्ट कर दिए गए गए थे। एक अनुमान के अनुसार इन टैंकरों में तीन लाख मीट्रिक टन तरल एलपीजी भरी हुई थी। एक बड़े गैस टैंकर में लगभग 45 हजार मीट्रिक टन एलपीजी होती है और एक बड़े गैस टैंकर से करीब 31 से 32 लाख घरेलू गैस सिलेंडर भरे

जा सकते हैं। पेट्रोलियम पदार्थ एक साथ मिट्टी, पानी और हवा को दूषित करते हुए मानव जीवन के लिए वरदान की बजाय अभिशाप साबित होने लग जाते हैं। तेल के रिसाव, तेल टैंकों के टूटने व धोने से भी समुद्र का पर्यावरणीय पारिस्थितिकी-तंत्र (इकोसिस्टम) प्रभावित हो रहा है। कुछ साल पहले जापान में टोकियों के तट पर 317 किमी की पट्टी पर तेल के फैलाव से जापान के तटवर्ती शहरों में हाहाकार मच गया था। रूस में बेलाय नदी के किनारे बिछी तेल पाइप लाइन से 150 मीट्रिक टन के रिसाव ने यूराल पर्वत पर बसे ग्रामवासियों को पेय जल का संकट खड़ा कर दिया था। सैनजुआन जहाज के कोरल चट्टानों से टकरा जाने के कारण अटलांटिक तट पर करीब तीस लाख लीटर तेल का रिसाव होने से समुद्री जीव प्रभावित हुए थे। मुंबई हाई से लगभग 1600 मीट्रिक टन तेल का रिसाव हुआ। इसी तरह बंगाल की खाड़ी में क्षतिग्रस्त तेल से फैले टैंकर ने निकोबार द्वीप समूह में तबाही मचा दी थी। जिससे यहां रहने वाली जनजातियों और समुद्री जीवों को भारी हानि हुई थी। लाइबेरिया के एक टैंकर से 85000 मीट्रिक टन रिसे तेल ने स्कॉटलैण्ड में पक्षी-समूहों को बड़ी तादात में हानि पहुंचाई दी थी।

सबसे भयंकर तेल का फैलाव यूएसए के अलास्का में हुआ था। यह रिसाव प्रिंस विलियम साउण्ड टैंकर से हुआ था। इस तेल के फैलाव का असर छह माह तक रहा। इस अवधि के दौरान इस क्षेत्र में 35000 पक्षी, 10000 ओस्टर शेलफिस और 15 व्हेल मछली मर गईं थीं। बावजूद इस घटना का असर इराक युद्ध में सद्दाम हुसैन द्वारा समुद्र में छोड़े तेल से कम था। यह तेल इसलिए छोड़ा गया था कि कहीं यह अमेरिका के हाथ न लग जाए। अमेरिका द्वारा इराक के तेल टैंकरों पर की गई बमबारी से भी लाखों टन तेल समुद्री सतह पर फैला था। एक अनुमान के मुताबिक इस कच्चे तेल की मात्रा 110 लाख बैरल थी। इस तेल के बहाव ने फारस की खाड़ी में घुसकर जीव जगत के लिए भारी हानि पहुंचाई थी। इस प्रदूषण का असर मिट्टी, पानी और हवा तीनों पर पड़ा था। जानकारों का मानना है कि इराक युद्ध का पर्यावरण पर पड़ा दुष्प्रभाव हिरोशिमा-नागासाकी पर हुए परमाणु हमले, भोपाल गैस त्रासदी और चेरनोबिल दुर्घटना से भी ज्यादा था। इस कारण इराक का एक क्षेत्र जहरीले रेगिस्तान में तब्दील हो गया और वहां महामारी का प्रकोप भी अर्से तक रहा। समुद्री सतह पर ये तरल द्रव्य बड़ी मात्रा में फैलते हैं तो इससे जल की सतह पर एक मोटी परत बन जाती है,सूर्य की रोशनी और ऑक्सीजन को नीचे जाने में बाधा बन जाती है। इससे जल के भीतर स्वाभाविक रूप में जीवन व्यतीत कर रहे जीव दम घुटने से मर जाते हैं। जो जीव किसी कारण से बचे भी रहते हैं,उनकी प्रजनन क्षमता बुरी तरह प्रभावित हो जाती है। तेल के कुओं और भंडार गृहों में आग लगने से तीव्र एवं जहरीली रोशनी निकलती है। यह रोशनी मधुमक्खियों जैसे परा-गणकों को प्रभावित कर उनके जीवन चक्र को बाधित कर देती है। समुद्र में जल रहा तेल पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन तेजी से बिगाड़ने का काम कर रहा है। इससे भविष्य में वैश्विक जलवायु आपातकाल की स्थिति निर्मित हो रही है। ऊर्जा असंतुलन बढ़ता रहा तो वायुमंडल का तापमान गरम होगा, जो एक साथ पृथ्वी,वायु और पानी की नमी को सोखने का काम करेगा। यह हिमनदों के बड़ी मात्रा में पिघलने का कारण बनने के साथ भारी बारिश का सबब बनेगा। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बड़ी संख्या में देखने में आएंगी। मध्य एशिया में जल रहा यह तेल हिंद महासागर के तापमान को अप्रत्याशित रूप में बढ़ाएगा। इसका सीधा प्रभाव मौसम चक्र पर पड़ेगा। परिणाम स्वरूप अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, धूल भरे अंधड़ की घटनाएं कालांतर में देखने को मिल सकती हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

सारा संसार

जम्मू कश्मीर राज्य में त्रिकुटा पहाड़ियों में समुद्रतल से 15 किमी की ऊंचाई पर स्थित माता वैष्णोदेवी मंदिर भारत के प्रसिद्ध चमत्कारी मंदिर में से एक है, जो हिंदू धर्म के लोगों के लिए आध्यात्मिकता और श्रद्धा से भरपूर है। इतनी कठिनाई पर स्थित होने के बावजूद भी यहां हर साल लाखो की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और फरियादे लेकर आते है। वैष्णो देवी एक धार्मिक ट्रेकिंग डेस्टिनेशन है।

ज्ञान का अभिषेक

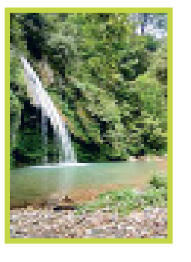

संकलित
दर्शन

अखिल ब्रह्मांड ईश्वर का स्वरूप है। श्रावण मास में बरस रही जलधारा ही ऐसी प्रतीत होती है मानो प्रकृति इस धरा का अभिषेक कर रही है। प्रकृति के इसी कृत्य का अनुकरण हम मानव भी करते हैं। श्रावण मास में हम भी शिवलिंग पर जल चढ़ा कर अपने आपको ईश्वर के उसी कृत्य के साथ जोड़ लेते हैं। ईश्वर अथवा प्रकृति के गुणों को अपनाना सदाचार है। श्रावण मास हमें यह अवसर देता है। जल जीवन है और यह धरती को पुनर्जीवित करता है। वर्षा से प्रकृति पनपती है। तपती हुई धरती पर जब वर्षा होती है तो उसे शीतलता का आभास होता है। वनस्पतियां उगने लगती हैं। पेड़ों पर नए पत्ते लगने लगते हैं। जैसे श्रावण में लोगों को गर्मी से राहत मिलती है, वैसे ही ज्ञान के श्रवण से मन को पीड़ा और बेचैनी से राहत मिलती है। श्रावण में लोग एकत्रित होकर ज्ञान-श्रवण करते हैं। दिव्य कथाएं सुनते हैं। ईश्वर का गुणगान करते हैं, जिससे उन्हें संतोष प्राप्त होता है। जब मन पर ज्ञान का अभिषेक होता है, तो मन शांत और शीतल हो जाता है। श्रावण को सबसे पवित्र महीना माना जाता है, क्योंकि यह अनेक धार्मिक उत्सवों और पर्वों को अपने साथ लाता है। हिंदू कैलेंडर में श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है। शिव परिवर्तन के लिए उत्तरदायी ऊर्जा हैं। शिव जीवन के मार्ग की बाधाओं को दूर करने वाले हैं। वह पुरातन को विनष्ट कर नूतन के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। शिव कल्याणकारी हैं। शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं।

आइसक्रीम की एक डिश

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक छोटा सा लड़का एक होटल में गया। कुछ ही देर में वहां वेटर आया और उसने पूछा आपको क्या चाहिए सर? छोटे बच्चे ने उल्टा पुछा! वैनिला आइसक्रीम कितने रुपए का है ? उस वेटर वाले ने जवाब दिया 50 रुपए का । यह सुन कर उस छोटे लड़के ने अपने जेब में हाँथ डाल कर कुछ निकाला और हिसाब किया । उसने दूबारा पूछा कि संतरा फ्लेवर आइसक्रीम कितने का है। वेटर ने दूबारा जवाब दिया और कहा 35 रुपए का सर। यह सुनने के बाद उस लड़के ने कहा! मेरे लिए एक संतरा फ्लेवर आइसक्रीम ले आईये। कुछ ही देर में वेटर आइसक्रीम की प्लेट और साथ में बिल लेकर आया और उस बच्चे के टेबल पर रखकर चले गया। उस लड़के ने उस आइसक्रीम को खाने के बाद पैसे दिए और वह चले गया। जब वह वेटर वापस आया तो वह दंग रहे गया यह देखकर कि उस लड़के नें खाए हुए आइसक्रीम प्लेट के बगल में आइस-क्रीम के 35 रुपए के साथ उसके लिए 15 रुपए का टिप छोड़ गया था। उस लड़के पास 50 रुपए होने पर भी उसने उस वेटर के टिप के बारे में पहले सोचा न की अपने आइसक्रीम के बारे में । उसी प्रकार हमें अपने फायदे के बारे में सोचने से पहले दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए। हमारा ध्यान कभी दूसरो के भलाई की और नहीं जाता। हम पहले अपनी भलाई में ही लगे रहते हैं।

संदेश
डॉ. कविता सिंधु खरीटा

पीएम का आह्वान आत्मनिर्भर भारत की ओर जागरूक कदम

आज का समय केवल विकास की दौड़ का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रहित को समझने का समय है। वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया "राष्ट्रहित का आह्वान" केवल एक राजनीतिक संदेश नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए जिम्मेदारी का संदेश है। यह आह्वान हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों से नहीं होता, बल्कि आम नागरिकों की छोटी-छोटी आदतों और निर्णयों से भी होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार "वोकल फॉर लोकल", "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" जैसे अभियानों के माध्यम से देशवासियों को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और विदेशी निर्भरता कम करने का संदेश दिया है। उनका मानना है कि जब भारत का नागरिक अपने ही देश में बने उत्पादों पर विश्वास करेगा, तभी भारत आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेगा। यह केवल व्यापार का विषय नहीं, बल्कि देश के करोड़ों किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और युवाओं के भविष्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। भारत जैसे विशाल देश में यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में थोड़ी जागरूकता दिखाए, तो इसका प्रभाव पूरे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यदि हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो उससे छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और देश का पैसा देश में ही रहता है। इसके विपरीत विदेशी वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भरता देश की आर्थिक शक्ति को कमजोर करती है। प्रधानमंत्री का यह आह्वान केवल आर्थिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत आवश्यक है। भारतीय संस्कृति सदैव आत्मसम्मान, श्रम और स्वदेशी भावना को महत्व देती रही है। महात्मा गांधी ने भी स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से यही संदेश दिया था कि आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है। आज वही भावना आधुनिक रूप में फिर से देश के सामने प्रस्तुत की जा रही है। हालांकि केवल सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं होते। नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें यह विचार करना होगा कि क्या हम अपने निर्णयों से देशहित को प्राथमिकता दे रहे हैं? क्या हम पर्यावरण, स्थानीय रोजगार और भारतीय उद्योगों के प्रति संवेदनशील हैं? यदि प्रत्येक नागरिक इन प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करे, तो भारत को विश्व शक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता। आज आवश्यकता केवल नारों की नहीं, बल्कि व्यवहारिक परिवर्तन की है। राष्ट्रहित का अर्थ केवल सीमा पर देश की रक्षा करना नहीं, बल्कि अपने दैनिक जीवन में ऐसे निर्णय लेना भी है जो देश को मजबूत बनाएं। स्वदेशी अपनाना, स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देना, संसाधनों का संयमित उपयोग करना और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करना ,यही सच्चा राष्ट्रधर्म है। अंततः प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रहित आह्वान हमें यह सिखाता है कि देश का भविष्य केवल नीतियों से नहीं, बल्कि नागरिकों की सोच और सहभागिता से तय होता है। यदि भारत का हर नागरिक राष्ट्रहित को अपने व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना सीख जाए, तो आत्मनिर्भर, समृद्ध और शक्तिशाली भारत का सपना अवश्य साकार होगा।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

बच्चों की पहली शिक्षक होती है मां

मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन की सबसे गहरी अनुभूति है। संसार में बच्चे की पहली पहचान, पहला स्पर्श, पहला भरोसा और पहली शिक्षा मां से ही शुरू होती है। किसी भी समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता इस बात से आंकी जा सकती है कि वहां मातृत्व को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है। आधुनिक समय में भले ही शिक्षा के बड़े-बड़े संस्थान, डिजिटल तकनीक और करियर की दौड़ ने जीवन की दिशा बदल दी हो, लेकिन आज भी यह सत्य उतना ही मजबूत है कि बच्चे की पहली शिक्षक उसकी मां ही होती है। बच्चा जब जन्म लेता है, तब वह इस दुनिया की भाषा नहीं जानता।

-मनोज शुक्ला, जगदलपुर

करंट अफेयर

भारत ने आतंकी शेरा के प्रत्यर्पण पर पुर्तगाल का जताया आभार

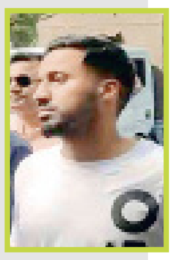

लिस्बन। भारत ने मादक पदार्थ से संबद्ध वांछित आतंकवादी इकबाल सिंह उर्फ शेरा के पुर्तगाल से प्रत्यर्पण में समर्थन और सहयोग के लिए वहां की सरकार और उसकी एजेंसियों का आभार व्यक्त किया है। बुधवार को, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पुर्तगाल से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण के बाद सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुर्तगाल से दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही एनआईए के एक दल ने उसे हिरासत में ले लिया। वह 2020 में फरार हो गया था और पुर्तगाल चला गया था। लिस्बन स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, /"लिस्बन में भारत का दूतावास इकबाल सिंह के भारत प्रत्यर्पण में समर्थन और सहयोग के लिए पुर्तगाली अधिकारियों को धन्यवाद देता है।/" दूतावास द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पुर्तगाल से इकबाल सिंह उर्फ शेरा को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण के बाद भारत लाया गया है। सिंह पर मादक पदार्थ तस्करी और आतंकवाद के लिए वित्तपोषण करने सहित कई गंभीर अपराधों के आरोप हैं। अब भारत में उस पर मुकदमा चलाया जाएगा। बयान में कहा गया, /"भारत सरकार इकबाल सिंह के सफल प्रत्यर्पण में सहयोग और समर्थन के लिए पुर्तगाल सरकार और उसकी एजेंसियों को धन्यवाद देती है।

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है : यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ – और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है। कैफीन को हटाने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है : रासायनिक सॉल्वैंट्स, तरल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), या विशेष फिल्टर वाला सादा पानी। इन सभी प्रसंस्करण विधियों में आवश्यक अतिरिक्त कदमों के कारण डिकैफ़ कॉफ़ी अक्सर अधिक महंगी होती है। अधिकांश डिकैफ़ कॉफ़ी विलायक-आधारित तरीकों का उपयोग करके बनाई जाती है क्योंकि यह सबसे सस्ती प्रक्रिया है। यह विधि दो और प्रकारों में विभाजित है : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष विधि में कॉफ़ी बीन्स को भाप में पकाना और फिर उन्हें बार-बार एक रासायनिक विलायक (आमतौर पर मेथिलीन क्लोराइड या एथिल एसीटेट) में भिगोना शामिल है जो कैफीन से बंध जाता है और इसे बीन्स से निकालता है।

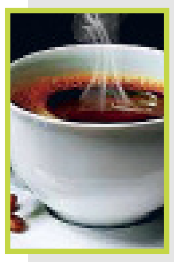

ट्रेंड

राहुल की विदेश यात्रा

2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी की 54 विदेश यात्राओं पर लगभग 60 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि घोषित आय 11 करोड़ रुपये है। यदि यह खर्च विदेशी स्रोतों से हुआ है, तो एफसीआरए की अनुमति कहां है? यदि यह निजी स्रोतों से हुआ है, तो इसका उल्लेख कर रिटर्न में क्यों नहीं है?
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

आरक्षित वन घोषित

दिल्ली के सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित कर दिया है। यह निर्णय जैव विविधता के संरक्षण, पर्यावरणीय लचीलेपन में सुधार और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने में सहायक होगा।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

अनावश्यक खर्चों से परहेज

मैं पिछले तीन वर्षों से इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग कर रहा हूं, जिसमें डीजल या पेट्रोल का उपयोग नहीं होता है। हमने हमेशा अनावश्यक खर्चों से परहेज किया है, और यही कारण है कि हमारा राज्य आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है।
-सुखविंदर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

जनता के पास अवसर

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने तीन साल पहले जनता को झूठे वादे देकर सरकार बनाई थी, लेकिन आज तक वे वादे पूरे नहीं हुए हैं। इन चुनावों में जनता के पास सबक सिखाने का सुनहरा अवसर है।
-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

रामायण की रिलीज से पहले रणबीर ने अयोध्या में खरीदी जमीन

मुंबई। रणबीर कपूर अब फिल्म रामायण में नजर आने वाले हैं। फिल्म में रणबीर, भगवान राम का किरदार निभाने वाले हैं। अब इस फिल्म की रिलीज के बीच एक्टर को लेकर एक ऐसी खबर सामने आई है जो काफी चर्चा में है। रणबीर ने अयोध्या में द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के एक प्रीमियम रियल एस्टेट प्रोजेक्ट 'द सरयू' में जमीन खरीदी है। इस डील की कीमत लगभग 3.31 करोड़ है। डेवलपर ने बताया कि यह जमीन 2,134 वर्ग फीट की है और यह शहर लग्जरी ब्रांडेड प्लॉटेड डेवलपमेंट की बढ़ती मांग को दिखाता है। यह पूरा प्रोजेक्ट सरयू नदी के किनारे स्थित 75 एकड़ का प्रोजेक्ट है। इसे The Sarayu by HoABL नाम दिया गया है।

लाइफ Style

तारा काले चश्मे ने जड़ दिए चार चांद

कान फिल्म फेस्टिवल 2026 में तारा सुतारिया ने पहले लुक से सबका ध्यान खींचा था। अब उन्होंने एक और खूबसूरत लुक के साथ वापसी की है। इस बार उन्होंने भारी-भरकम गाउन की जगह सरल और एलिगेंट स्टाइल चुना, जिसमें वह बेहद हसीन दिख रही हैं।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

तारा ने यह ब्लैक ड्रेस लुक 'रेड सी वुमन इन सिनेमा' के कार्यक्रम के लिए लिया है। रोमानियाई डिजाइनर रिया कोस्टा की इस ड्रेस को तान्या घावरी ने स्टाइल किया है। तारा ने ब्लैक ड्रेस में डलीला नाम का ऑफ-शोल्डर कॉर्सेट टॉप पहना है, जो शरीर पर अच्छे से फिट बैठता है। इसके साथ मैचिंग काली मिडी स्कर्ट है, जिसमें हल्की प्लेट्स और पीछे छोटी सी स्लिट बनी है। तारा का यह पूरा लुक क्लासिक काले रंग का है, जो न ज्यादा भड़कीला है और न ही पुराना लगता है। जो बहुत महंगा और स्टाइलिश दिखता है। कान जैसे बड़े फेस्टिवल में जहां भारी गाउंस हर तरफ दिखते हैं, तारा का यह एलिगेंट और ताजा लुक अलग और खास है। एक्सेसरीज की बात करें तो तारा ने विंटेज शनेल इयररिंग्स के साथ सेंट लॉरेंट के काले सनग्लासेस पहने हैं। इसके साथ तारा ने जिमी चू हील्स से अपने लुक को और भी इनहेंस किया है। तारा सुतारिया ने ज्यादा गहने नहीं पहने। हल्का मेकअप, तरोताजा चेहरा और सुंदर बालों के साथ उन्होंने अपने पूरे लुक को परफेक्ट बनाया है। तारा ने इस लुक से साबित कर दिया कि रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरने के लिए भारी गाउन की जरूरत नहीं है।

हॉलीवुड मसाला

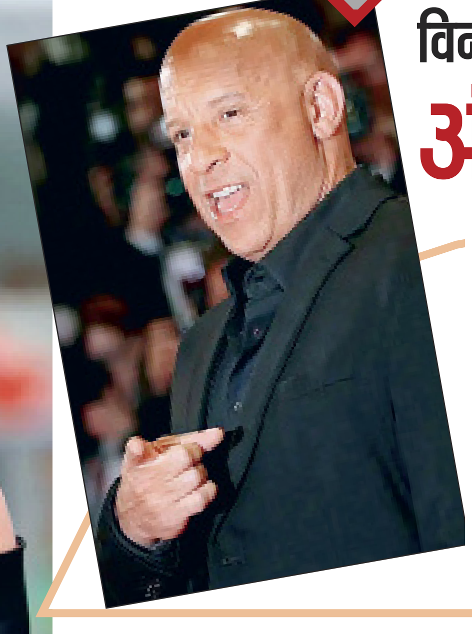

विन का मस्ती भरा अंदाज

पेरिस। द फास्ट एंड द फ्यूरियस की स्टार कास्ट कान फेस्टिवल में अपनी फिल्म का प्रमोशन करने पहुंची थी। फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले रेड कारपेट पर स्टार कास्ट का मस्ती भरा अंदाज भी दिखा। विन डीजल ने तो महफिल ही लूट ली। फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले इनका मस्ती भरा अंदाज भी देखने को मिला। विन डीजल फिल्म 'द फास्ट एंड द फ्यूरियस' के लीड एक्टर हैं। इस फ्रैंचाइज फिल्म का वह अहम हिस्सा हैं। कान फिल्म फेस्टिवल में वह सबसे ज्यादा मस्ती करते दिखे।

फीफा विश्व कप में शकीरा-मैडोना और बीटीएस करेंगे परफॉर्म

लॉस एंजिल्स। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में दर्शकों को खेल के साथ-साथ फुल एंटरटेनमेंट भी मिलने वाला है। क्योंकि, फाइनल में एक नहीं बल्कि कई इंटरनेशनल स्टार्स की परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी। टूर्नामेंट के पहले हाफटाइम शो में मैडोना, शकीरा और बीटीएस के कलाकार परफॉर्म करते नजर आएंगे। इन कलाकारों के नाम आज घोषित कर दिए गए हैं। ग्लोबल सिटिजन ने इस बारे में घोषणा करते हुए बताया कि मैडोना, शकीरा और बीटीएस के आर्टिस्ट 19 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में होने वाले विश्व कप फाइनल में परफॉर्म करेंगे। बिलबोर्ड के अनुसार, हाफटाइम शो लगभग 11 मिनट का होगा। यह घोषणा एक मजेदार सोशल मीडिया वीडियो के जरिए की गई, जिसमें कोल्डप्ले के क्रिस मार्टिन के साथ एल्मो, कुकी मॉन्स्टर, करमिट और मिस पिग्गी जैसे पॉपुलर किरदार नजर आए।

वीडियो में बीटीएस भी फेसटाइम कॉल के जरिए दिखाई दिए। बिलबोर्ड के अनुसार, फीफा विश्व कप के इतिहास में यह एक खास पल होगा, क्योंकि यह पहली बार होगा जब फाइनल मैच में सुपर बाउल की तरह हाफटाइम शो होगा। इससे पहले पिछले हफ्ते फीफा ने 2026 विश्व कप की ओपनिगं सेरेमनी के लिए कलाकारों की घोषणा भी की थी।

कैलोरी के लिए अनुपम को मिला बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड

मुंबई। अनुपम खेर ने कनाडाई-भारतीय फिल्म 'कैलोरी' में बेहतरीन अभिनय किया है। फिल्म में शानदार काम के लिए अनुपम को यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल 2026 की ओर से बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का फ्लेम अवॉर्ड मिला है। इस फिल्म की डायरेक्टर ईशा मरजारा हैं। फिल्म को फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड भी मिला है। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी शेयर करते हुए लिखा कि 'कैलोरी' में उनका यह रोल उनके करियर की सबसे ज्यादा इमोशनल और मुश्किल परफॉर्मेंस में से एक था। उन्होंने बताया कि यह किरदार असल जिंदगी की कहानियों से प्रेरित था, इसलिए यह उनके लिए बहुत चुनौती भरा और थकाने वाला अनुभव रहा। अनुपम खेर ने आगे लिखा, 'दशकों तक इंडस्ट्री में काम करने के बाद विदेशी फिल्म के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर तारीफ मिलना बहुत अच्छा लगता है।' इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी, खासकर डायरेक्टर ईशा मरजारा और प्रोड्यूसर जो ब्लास को।

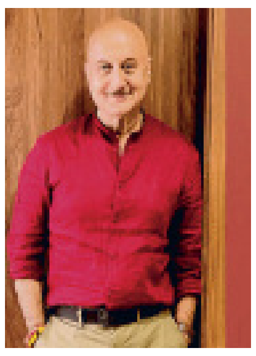

साथ ही फेस्टिवल की जूरी को भी धन्यवाद कहा। अनुपम को यह सम्मान मिसने की खुशी में कई फिल्मी हस्तियों ने उन्हें बधाई दी है। नीना गुप्ता ने कमेंट में लिखा, 'बधाई हो', अशोक पंडित ने लिखा, 'तहे दिल से बधाई हो खेर साहब।' अनुपम खेर 15 और 16 मई को मुंबई के टाटा थिएटर में अपने नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' के साथ स्टेज पर वापसी करने वाले हैं। यह नाटक गजेंद्र अहिरे ने लिखा और निर्देशित किया है। इसमें अनु मलिक का संगीत और कौसर मुनीर के बोल हैं।

किंग से लीक हुआ अभिषेक का धांसू लुक

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म किंग अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। फिल्म से शाहरुख खान का लुक पिछले साल मेकर्स ने जारी किया था। इसके बाद बीते दिनों शूटिंग के दौरान के फोटो-वीडियो सामने आए थे, जहां शाहरुख के साथ दीपिका नजर आई थीं। अब फिल्म से अभिषेक बच्चन का लुक ऑनलाइन लीक हो गया है। अब ये लुक सोशल मीडिया पर वायरल है। फिल्म को लेकर सामने आई रहीं चर्चाओं के मुताबिक, अभिषेक किंग में विलेन के रूप में नजर आएंगे। ऑनलाइन लीक हुए लुक में भी उनका खतरनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। वायरल हो रही फोटो में अभिषेक बच्चन एक गाड़ी के ऊपर खड़े नजर आ रहे हैं।

राकेश ने कहा, अब मेरा चालान मत काटना

मुंबई। धुरंधर और धुरंधर 2 के बाद से ही राकेश बेदी इंटरनेट पर सबके फेवरेट बने घूम रहे हैं। हालांकि, इस वक्त वो सिर्फ अपनी एक्टिंग के लिए नहीं बल्कि एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं।

दिग्गज एक्टर का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर छाया है, जिसमें उन्हें ट्रैफिक पुलिस के कुछ अधिकारियों ने पहचान लिया है और वे फिल्म 'धुरंधर' में उनके किरदार से याद कर रहे थे। हमेशा की तरह अपने जाने-पहचाने अंदाज में बेदी ने जरा भी हिचकिचाए बिना तुरंत अपने स्वाभाविक मजाकिया अंदाज में कहा, 'अब चालान मत काट देना।' यूट्यूब शो 'द बॉम्बे जर्नी' के नए एपिसोड के एक क्लिप में राकेश बेदी नज़र आ रहे हैं।

छोटे पर्दे पर काम नहीं करना चाहते थे सचिन, 'तू तू, मैं मैं' सीरियल ने बदली सोच

नई दिल्ली। हिंदी और मराठी फिल्मों में पिछले कई दशक से सक्रिय अभिनेता सचिन पिलगांवकर

ने यूं तो टीवी में प्रतिशोध, तू तोता मैं मैना समेत कई धारावाहिकों में काम किया है। साथ ही कई धारावाहिकों का निर्देशन भी किया है। हालांकि, एक समय था, जब वह टीवी को निचले स्तर का काम समझते थे। उनका सोच बदला धारावाहिक तू तू,मैं मैं की सफलता के बाद। इस बारे में सचिन कहते हैं- मेरे एक दोस्त हैं, श्रेय गुलेरी। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम हमारे लिए धारावाहिक बनाओ। उस समय मैं टीवी माध्यम को थोड़ा निचले स्तर का देखता था, जो कि गलत था। मैंने उनसे कहा कि नहीं यार, टीवी में काम नहीं करना है। मैं फिल्मों में काम करने वाला आदमी हूं, वहीं रहने दो। उन्होंने छह महीने मेरा पीछा नहीं छोड़ा। उनके बार-बार कहने पर मैंने उनके साथ मीटिंग की। तब उन्होंने बताया कि वह बड़े स्तर पर फतांसी धारावाहिक बनाना चाहते हैं।

56 सालों से रूठे सजन को मना रहा लता का गाना, आज भी कल्ट है आशा का सॉन्ग

नई दिल्ली। आशा पारेख हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक मानी जाती हैं। अपने सुनहरे एक्टिंग कॅरियर में उन्होंने कई शानदार मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। उनकी इन फिल्मों के कई गाने ऐसे हैं, जो आज के दौर में भी चर्चित रहते हैं। ऐसे ही एक गीत के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, जिसे 56 साल पहले लता मंगेशकर ने अपनी मधुर आवाज में गाया था। अभिनेत्री आशा पारेख के जिस गाने के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, वह 1970 में आई फिल्म आन मिलो सजना से नाता रखता है। इस मूवी में राजेश खन्ना

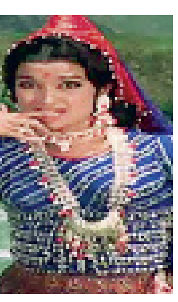

और विनोद खन्ना जैसे कलाकारों ने भी अहम भूमिका को निभाया था। आन मिलो सजना उस दौर की सबसे सफल मूवीज में शुमार हुई थी। जिसका एक बड़ा कारण मूवी का तेरे कारण मेरे साजन रोमांटिक गाना बना था। तेरे कारण मेरे साजन... गीत को सुरों की कोकिला लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी और आज रिलीज के 56 साल बाद भी उनका ये सॉन्ग कल्ट माना जाता है। श्रोता इसे सुनना पसंद करते हैं और इस वजह ये हर किसी का फेवरेट भी माना जाता है। राजेश खन्ना और आशा पारेख पर फिल्माया गया ये खूबसूरत गीत असल में रूठे सजन को मनाने के लिए असरदार माना जाता है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job 3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता - 12 वी/ग्रेजुएट संपर्क करे:-रामा मेडिटेक ,गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर -15/A, रायपुर 6269933233. (आरो-205)

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसर कॉल / मेसेज 7999847673 समय 12 से 5 तक (आरो न.-276)

कुक/बावर्ची

आवश्यकता है- रायपुर वीआईपी रोड, राम मंदिर के पास, परिवार हेतु सुबह से शाम तक महिला कुक / बावर्ची की आवश्यकता है। अनुभवी महिला को उचित वेतन दिया जाएगा। संपर्क:- 7000989337. (RO-019)

हरिभूमि

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- Hari group हेतु सिक्योरिटी गार्ड - 40, सुपरवाइजर - 05, फील्ड आफिसर (अनुभव 05 वर्ष) - 03, लेडीज गार्ड - 10, हाउसकीपींग बाई - 10, गनमैन 05, वेतनमान - 13000 से 20000/- स्थान - कृष्णा प्लाजा अश्वनी नगर सुन्दरनगर रायपुर मोब - 9039437556, 9171511755. (RO-A)

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019. (आरो-015)

चौकीदार

आवश्यकता है- बहानाकाड़ी मंदिर हसौद पोल फैक्ट्री में चौकीदार कि आवश्यकता है, जो फैक्ट्री मे रह कर कार्य कर सके मो. 88271-50000. (आरो-174)

फील्ड वर्क

आवश्यकता है- एलआईसी में 12वीं पास लड़कों की आवश्यकता ऑफिस वर्क और फील्ड वर्क के लिए लड़कों की जरूरत है। आकर्षक सैलरी + इंसेंटिव। फ्री ट्रेनिंग दी जाएगी। करियर बनाने का सुनहरा मौका। इच्छुक उम्मीदवार तुरंत संपर्क करें:- 7470392352. (RO-179)

अकाउंटेंट

आवश्यकता है- अकाउंटेंट की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें:-जय मा शारदा ट्रेडर्स मो. न.-9300230997, 7000700366. (आरो न.-4151)

पैकिंग स्टाफ/हेल्पर

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग, चॉकलेट पैकिंग, कार्टून पैकिंग हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है। रूम बिजली की सुविधा फ्री, पता- बंजारी मंदिर के पास, रावांभाटा, रायपुर, मो. 7828735534. (RO-478)

आवश्यकता है- मेडिकल कंपनी हेतु पैकिंग स्टाफ चाहिए, जिसे सीएफए ऑपरेशन (पैकिंग, डिस्पैचिंग) का कार्यानुभव हो, वेतन - योग्यतानुसार (5 अंको मे) बायोडाटा bmpl.raipur@gmail.com पर मेल करें/ संपर्क करें - बजरंग मेडिकल प्रा.लि. अरोरा धर्मकांटा के पीछे, फ्रूट मार्केट के पास, देवपुरी, रायपुर.मोबाइल - 9826163637. (RO-16574)

क्लिनिक/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- क्लिनिक/ ऑफिस में कार्यकरने हेतु ,8वीं/10वीं पढ़े लिखे ,लड़की/ लड़के की तत्काल आवश्यकता है। स्थायी निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार मिलने का समय- शाम 5बजे से रात्रि 8बजे तक। मो.-9617789223, 9303948500 पता- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राईट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.) (आरो न.-4150)

सेल्समैन

आवश्यकता है- पैथालाजी सामग्री की मार्केटिंग हेतु सेल्समेन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- फाफाडीह चौक के पास, मोती सागर होटल के पीछे रायपुर 8269090186, 9893470141. (RO-40844)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ड्राइवर

आवश्यकता है- कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करे, लक्ष्मी सेल्स न्यू टिंबर मार्केट फाफाडीह रायपुर 9827161397. (RO-8107)

आवश्यकता है- एक अनुभवी ड्राइवर (इंट्रा, अशोक लेलैंड) एवं हमाली कार्य हेतु हमाल चाहिए स्थान बिलासपुर, रहने की व्यवस्था। वेतन योग्यता अनुसार। आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सम्पर्क करें- 7869196364, 6268970045. (RO-40857)

वार्डन/ड्राइवर

आवश्यकता है- जैन हॉस्टल में शाकाहारी एंव नशामुक्त व्यक्ति की, वार्डन - 01, ई-रिक्शा ड्राइवर-01, महिला सफाई कर्मी-02, खाना बनाने हेतु महिला-01 संपर्क करें:-9425206595, 8959906595. (RO-7397)

शॉप वर्क

आवश्यकता है- ऑटो एसेसरीज होलसेल शॉप में कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क श्री राम ऑटो एम.जी रोड रायपुर (छ.ग.) मोबाइल- 9300627327. (RO-176)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- भिलाई- ऑफिस एवं सर्वे कार्य वेतन 8000 से 10000 तक। अनुभवी व्यक्ती ही संपर्क करें मो - 6268279954. (आरो न.-10465)

टीचर/कुक

आवश्यकता है- झूलाघर में एक टीचर एव घर के लिए कुक की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार स्थान शांति किराया भंडार कालीबाड़ी रायपुर संपर्क 9827140065, 9827140068. (RO-178)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क:- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा, रायपुर (आरो-173)

सर्विस

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955. (आरो-63172)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - छत्तीसगढ़िया ज्योतिष विचार दिखइया बईगा सब्बो समस्या के समाधान काली माई की शक्ति ले पूजा-पाठ लड़ाई- झंझट जुन्ना बीमारी बैरी ले छुटकारा बिहाव मा देरी, लइका होय मा देरी, पढ़ई मा मन नई लागय ता एक बेर जरूर मिलव मो.- 8461886239. (आरो-169)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - महालक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9039310732 , 8280401638. (RO-4345)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लाट उपलब्ध है- फायदे का सौदा आरंग नगर पालिका मे नेशनल हाईवे ओमकार हॉस्पिटल से लगा हुआ 70 का फ्रंट समोसा आकर का NH 53 मे कमर्शियल डायवर्सन प्लाट बहुत हि कम रेट मे उपलब्ध अर्जेंट सेल करना है संपर्क करें:- 9165586666, 9584444523. (RO-218)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध मे किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकै व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध मे किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध मे उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

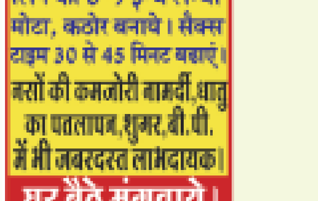

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी बामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

समर वैकेशन को ऐसे बनाओ
ज्वॉयफुल-मेमोरेबल

बच्चो, तुम्हारे स्कूल में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई होंगी या शुरू होने वाली होंगी। इन लंबी छुट्टियों में कई बार तुम बोर फील करते होगे। लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। हम तुम्हें समर वैकेशन के दौरान बोरियत दूर करने के कई मजेदार आइडियाज दे रहे हैं। इससे तुम्हारी समर वैकेशन ज्वॉयफुल ही नहीं मेमोरेबल भी हो जाएगी।

एंज्वॉयमेंट
शिखर चंद जैन

बच्चो, गर्मी की छुट्टियों यानी समर वैकेशन का नाम सुनते ही तुम्हारा मन खुश हो जाता है न! लेकिन इन दिनों तेज धूप की वजह से घर में कैद होने पर बोरियत भी होने लगती है। हम तुम्हें कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिनसे तुम्हारी इस बार की समर वैकेशन न केवल मजेदार, बल्कि यादगार भी बन जाएगी।

बनाओ मिनी वाटर पार्क

टेरेस या छत पर एक रबर टब को पानी से भरकर उसमें छपाक-छपाक खेलो। ठंडे पानी को एक-दूसरे पर फेंकने में मजा आएगा। यह गर्मी भगाने का मजेदार तरीका है। इस खेल में तुम्हारे भाई-बहन या आस-पड़ोस के दोस्त भी शामिल हो सकते हैं। पैरेंट्स की मदद से किसी प्लंबर को बुलाकर, रबर टब और वाटर पाइप लगाने की व्यवस्था करनी होगी। लेकिन ध्यान रखना है कि खुली धूप में यह वाटर गेम नहीं खेलना, इससे तबियत बिगड़ सकती है। *

डेवलप करो गार्डनिंग हॉबी

इन छुट्टियों में घर के छोटे से बगीचे या बालकनी के गमलों में नए पौधे लगाओ। पौधों को पानी देना और उनकी देखभाल करना बहुत सुकून देता है। छोटे गमलों में पुदीना, धनिया या फूलों के बीज लगाओ। उन्हें रोज पानी दो और बढ़ता हुआ देखो। यह नेचर के लिए तो अच्छा है ही। ये हॉबी तुम्हें जिम्मेदारी सिखाएगी और नेचर के करीब लाएगी। *

पक्षियों का रखो ध्यान

गर्मी तो सभी को लगती है। गर्मी के इस मौसम में बेजुबान पक्षियों को तुम थोड़ी राहत दे सकते हो। अपनी बालकनी, खिड़की या छत पर मिट्टी के बर्तनों में पानी और अनाज के दाने रखो। जब तुम उन्हें पानी पीते, दाना चुगते और चहचहाते देखोगे तो तुम्हें बहुत खुशी मिलेगी। *

एंज्वॉय करो बुक्स रीडिंग

दिन के समय जब तेज धूप हो तो घर से बाहर खेलने नहीं जा सकते। तब अपने गार्डन में या स्टडी रूम में अच्छी कहानियां, जासूसी बाल उपन्यास या ज्ञानवर्धक किताबें पढ़ सकते हो। ग्रुप रीडिंग करोगे तो और मजा आएगा। यह बोरियत मिटाने और ज्ञान बढ़ाने का बेहतरीन तरीका है। इससे तुम्हारी इमेजिनेशन पॉवर भी बढ़ेगी। *

दोपहर में इनडोर कैंपिंग का मजा

बाहर धूप में खेलने नहीं जा सकते तो क्या हुआ? अपने कमरे में चादर और कुशन का इस्तेमाल करके एक टेंट या कैंप जैसा शेप बनाओ। पंखे या एसी के नीचे इस टेंट के अंदर अपने भाई-बहन या घर आए दोस्तों के साथ बैठकर किताबें पढ़ो, कहानियां सुनो-सुनाओ या बोर्ड गेम्स खेलो। यह तुम्हें घर के अंदर ही कैंपिंग का अनुभव देगा। *

बनो स्मार्ट लिटिल शेफ

इन छुट्टियों में तुम कुछ मजेदार, आसानी से बनने वाली अपनी कोई फेवरेट डिश बनाना सीख सकते हो। कोशिश करो कि डिश को पकाना न पड़े यानी 'नो-फ्लेम कुकिंग' वाली डिश ट्राई करो। इससे तुमको कुकिंग में गर्मी नहीं लगेगी। फ्रूट चाट, सैंडविच या ठंडी लस्सी बनाना आसानी से सीख सकते हो। इसके अलावा तुम कुल्फी, नीबू-पानी, स्मूदी या चॉकलेट-बिस्किट शेक भी बना सकते हो। अपने बनाए स्वादिष्ट डिशेज खुद भी टेस्ट करो, साथ ही अपने पैरेंट्स, भाई-बहन और फ्रेंड्स को खिलाकर तारीफ पाओ। *

डॉली चिड़िया ने एक दिन सोसाइटी की सभी चिड़ियों की मीटिंग बुलाई। इस मीटिंग में सोना चिड़िया ने जो बात रखी, वह सभी चिड़ियों के मान-सम्मान से जुड़ी थी। यह बात कितनी सही थी, इसमें सभी चिड़ियों ने कितनी सहमति प्रकट की? बच्चों को जरूर जानना-समझना चाहिए।

मान-सम्मान

एआई इमेज

कहानी
विमला रस्तोगी

एक दिन डॉली चिड़िया ने सोसाइटी की सभी चिड़ियों की एक मीटिंग बुलाई। वह सोसाइटी की चिड़ियों की मंत्री है। सोसाइटी के पार्क के एक पेड़ पर मीटिंग रखी गई। समय रखा गया एकदम सुबह का, सूर्य उगते ही, क्योंकि इस समय पूरी सोसाइटी में शांति रहती है। नियत समय सब चिड़ियां आ गईं- सोना, मोना, बिंदु चिड़ियों ने सबको एक डाल पर बिठाया, जो रह गईं, वे पेड़ की आस-पास की डालों पर बैठ गईं। मोना चिड़िया बोली, 'देखो कितनी सुंदर लग रही हैं सभी चिड़ियां एक साथ बैठी हुईं।' बिंदु चिड़िया बोली, 'इस तरह एकसाथ बैठे हुए हमारी एकता दिखाई देती है। एकता में बहुत ताकत होती है।'

मंत्री डॉली चिड़िया ने बताया, 'मीटिंग सभी को यह बताने के लिए बुलाई गई है कि तुम सब अपने घोंसलों को साफ-सुथरा रखो। घोंसलों में साफ-सफाई करते रहना बहुत जरूरी है। यह बात हमें अपने बच्चों को भी समझानी चाहिए।'

'जी, हमने अपने घोंसले साफ कर रखे हैं, साथ ही मजबूत बनाए हैं ताकि जरा सी तेज हवा में उड़ ना जाएं।' सबने एक स्वर में कहा।

'बहुत अच्छी बात है।' डॉली चिड़िया बोली।

'मुझे एक बात कहनी है।' सोना चिड़िया आहिस्ता से बोली।

'कहो-कहो..।' डॉली चिड़िया ने कहा।

सोना चिड़िया बोली, 'हमें उसी घर की छत पर दाना खाने जाना चाहिए, जो हमें मन से, प्यार से दाना डाले, साफ पानी पिलाए...।'

'मतलब..?' छोटी चुन्नी चिड़िया ने पूछा।

सोना ने अपनी पूरी बात समझाई, 'मतलब यह कि कुछ समय पहले एक मकान की छत पर उसका मालिक आता, दाना हाथ में लेकर, मन ही मन कुछ बोलता। मैं सामने पेड़ पर बैठी होती, लगता जैसे हमें बुला रहा है। वह साफ बर्तन में हमारे पीने के लिए पानी रखता। बहुत प्यार से दाना जमीन पर फैलाता, फिर चला जाता। फिर मैं उसकी छत पर अपनी सहेलियों और बच्चों के साथ जाती। दाना चुगती, पानी पीती और अपने घोंसले में आ जाती थी।' 'अच्छा!' मंत्री डॉली चिड़िया गौर से सोना की बात सुन रही थी।

सोना चिड़िया ने आगे बताया, 'कुछ समय बाद मालिक की जगह उसका बेटा आने लगा। वह बुरा-सा मुंह बनाकर जल्दी से दाना फेंकता, पानी का बर्तन गंदा रखता, धोता नहीं। सो हमने वहां जाना छोड़ दिया। मेरे कहने का मतलब यह है, जिस घर में हमारे लिए प्यार, आदर और साफ-सफाई से दाना रखा जाए, बुलाया जाए, हमें वहीं जाना चाहिए। आखिर हम चिड़ियों का भी तो मान-सम्मान है।' 'बड़ी पते की बात कही सोना चिड़िया तुमने।' मंत्री डॉली ने सोना की बात पर सहमति जताई। मीटिंग समाप्त होने की घोषणा करते हुए मंत्री चिड़िया बोली, 'आज की मीटिंग यहीं समाप्त होती है। नोट कर लो डायरी में, मान-सम्मान केवल इंसान का नहीं, हम पक्षियों का भी है।'

सभी चिड़ियों ने सिर हिलाकर सहमति प्रकट की और अपने घोंसलों की ओर उड़ गईं। *

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

मधुमक्खी

चूस-चूस रस फूल-फूल से,
शहद बनाती है मधुमक्खी।
अपनी मस्ती में उड़ जाती,
भुन-भुन गाती है मधुमक्खी।
मीठा-मीठा शहद संजोकर,
छत्ता भरती है मधुमक्खी।
मेहनत का फल मीठा होता,
मेहनत करती है मधुमक्खी।

छेड़छाड़ जो कभी न करता,
उसे न कुछ कहती मधुमक्खी।
लेकिन कहीं चोट पहुंची तब,
कभी न चुप रहती मधुमक्खी।
साथ सभी के काम करें हम,
हमको सिखलाती मधुमक्खी।
शक्ति एकता में होती है,
सबको दिखलाती मधुमक्खी।

बूझो तो जानें

1
ऊपर से दिखता यह हरा है,
अंदर से होता लाल-लाल।
काले-काले बीज भी इसके,
खाते हैं सब बाल-गोपाल।

2
विटामिन इसमें भरपूर,
फाइबर भी है प्रचुर।
शिमला और कश्मीर का,
चेहरे पर बरसे नूर।

3
तोता कुतरता चाव से,
दिखता पीला और हरा,
बड़नगर का प्रसिद्ध फल,
बूझो इसका नाम जरा।

-नलिन खोईवाल

उत्तर: 1. तरबूज, 2. सेब, 3. अमरूद

जीके क्विज-205

1. पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
2. हाल ही में किस ऐतिहासिक मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव मनाया गया?
3. हाल में हिमंता बिस्व सरमा किस राज्य के मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए?
4. हाल में तैयार हुआ गंगा एक्सप्रेस वे किस राज्य में स्थित है?
5. दिल्ली के लाल किले का निर्माण किसने करवाया था?
6. तमिलनाडु के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
7. साधारण नमक में क्लोराइड के अलावा दूसरा कौन-सा तत्व होता है?
8. कनाडा की राजधानी कहां है?
9. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
10. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-205 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-204 का उत्तर : 1 विराट कोहली, 2. राजनाथ सिंह, 3. चांदी, 4. रुडयार्ड किपलिंग, 5. 24 अक्टूबर 1945, 6. महात्मा गांधी, 7. कंबोडिया, 8. सी. राजगोपालाचारी, 9. कोलकाता, 10. कैल्शियम

जीके क्विज-204 का सही उत्तर देने वाले : पूरब-बिलासपुर, जिया शिया-रायगढ़, हिमांक-दुर्ग, कबीर-हिसार, रोहित-महेंद्रगढ़, आर्यन- दिल्ली, कनिष्क-रायपुर, हर्षिता-कांकेर, सुमन-बलौदा बाजार, दिव्यम-महासमुंद, संचित-भोपाल

कहानी
शिव दयाल

मैना किशमिश खाए, वह भी दादी की कटोरी से चुपके से निकालकर, है ना मजेदार और चौंकने वाली बात! लेकिन मैना यह कारस्तानी करती, मजे से दादी की किशकिश गप्प कर जाती। दादी को जब यह बात पता चली तो उन्होंने जो किया, मैना के मजे हो गए!

मैना खाती किशमिश

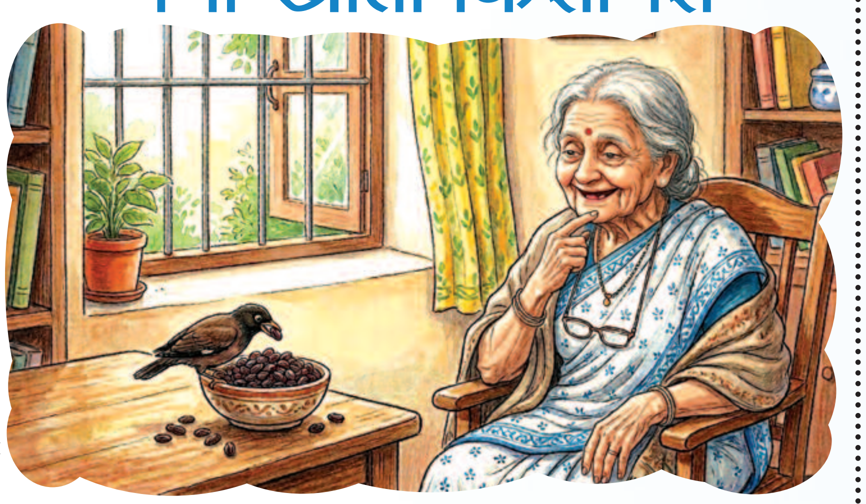

एआई इमेज

चमचम मैना थी थोड़ी चटोरी। हमेशा कुछ नया खाने का उसका जी करता था। बागानों-मैदानों से लेकर कूड़ेदानों तक को छान मारती। अपनी चोंच और पंजों से कुरेद-कुरेदकर कुछ नया जायका ढूंढ़ती फिरती चमचम। कुछ मनपसंद मिलते ही 'चेंओं-चेंओं' करती अपनी सहेलियों को दिखा-दिखाकर, चिढ़ा-चिढ़ाकर, ललचा-ललचाकर निवाले निगलने लगती। और फिर लेती दम से ज्यादा लंबी डकार। सहेलियां कहतीं, 'यह देखो, आज फिर इसकी दावत हो गई!'

चमचम इठलाकर फुर्र-से उड़ जाती।

एक दिन बिजली के तार पर बैठी सुस्ता रही थी चमचम। सामने के मकान की खिड़की थी खुली। चमचम ने सोचा, 'ये जूठन फेंकने वाले लोग आखिर खाते क्या होंगे? चलो देखते हैं आज।'

चमचम मैना चुपके से जा बैठी खिड़की पर। कुर्सी पर बैठी थीं दादी। बिना दांत वाले पोपले मुंह में न जाने क्या चबा रही थीं दादी। आड़ी-तिरछी रेखाओं वाला उनका पूरा चेहरा हिल रहा था जैसे। चबाने में मगन दादी रह-रहकर आंखें बंद कर लेतीं। सामने मेज पर रखी थी कटोरी। कटोरी में थी किशमिश। दादी ने दो-चार दाने उठाए और अपने पोपले मुंह में रख लिया। उसकी लंबी ठुड्डी जोर-जोर से लगी हिलने। यह देखकर चमचम को हंसी आ गई। तभी चमचम को कटोरी नजर आई। किशमिश से भरी कटोरी। चटोरी चमचम के मुंह में पानी भर आया, 'ओह, दादी की यह खुराक होगी मजेदार! चलो चखते हैं।' एक बार उसने देखा दादी को। वह थीं किशमिश चबाने में मगन, रह-रहकर पलकें झपका लेतीं। चमचम से और न रहा गया। पंजों के बल चलकर आखिर कटोरी में चोंच मार ही दी चटोरी ने। दो-चार दाने गटक लिए और दो-चार चोंच में दबाए और झटपट उड़ गई।

चमचम ने पहली बार इतनी मीठी चीज खाई थी, 'वाह! ऐसा अनोखा स्वाद! इसे चबाओ तो, ओह, सचमुच आंखें बंद हो जाती हैं।'

चमचम ने एक और उड़ान भरी और दादी की कटोरी से चोंच भर किशमिश फिर ले आई। आवाज देकर सखियों को भी बुला लिया। कहा, 'तुम्हें एक ऐसी चीज खिलाती हूं कि तुम जीवन भर याद रखोगी।' सखियों ने किशमिश के दाने चखे तो चमचम का लोहा मान लिया। उन्होंने उससे पूछा, 'री चटोरी, तूने यह खजाना पाया कहां से?'

चमचम ने सखियों को दादी की कटोरी वाली बात बताई। सखियों को डर हुआ, 'तो क्या तू अच्छी चीजें खाने के लिए लोगों के घरों में घुसेगी?'

चमचम चटोरी आसमान की ओर चोंच उठाकर बोली, 'ऐसी चीजों के लिए तो थोड़ा-बहुत खतरा मोल लेना ही पड़ता है बहनों।'

इधर दादी की कटोरी से किशमिश घटती चली जा रही थी। उन्हें बड़ा अचरज हुआ, सोचा, 'क्या इस उम्र में मैं इतनी पेटू हो गई हूं?' फिर उन्होंने कटोरी पर नजर रखनी शुरू कर दी। चटोरी चमचम को तो किशमिश की लत पड़ चुकी थी। बिना किशमिश चखे दिन खाली-खाली लगता। एक दिन चोंच भर-भर कर किशमिश गटकते दादी ने उसे देखा तो हैरान रह गईं, 'तो यह है जो रोज मेरी कटोरी की किशमिश चट कर जाती है! ठहर, अभी चखाती हूं मजा!'

दादी चमचम को हुलका कर उड़ाने को हुईं कि सहसा उन्हें हंसी आ गई। चमचम आराम से बैठी ऐसे खा रही थी, जैसे अपने ही घर में हो। दादी अपनी लंबी ठुड्डी पर पतली तर्जनी रखे मुस्कुराती उसे किशमिश चुगते देखती रहीं। मन ही मन दादी बोलीं, 'यह तो सचमुच बड़ी चटोरी मालूम पड़ती है, लेकिन कैसी प्यारी दिखती है! चलो, मैं जो अकेली बैठी किशमिश चबाती रहती हूं, उससे तो अच्छा है, यह भी मेरा साथ देती रहे। एक से दो भले।'

चटोरी चमचम जब अगली बार दादी की खिड़की में घुसी तो ऐन खिड़की पर एक कटोरी देखी और देखे किशमिश के चार दाने! *

तुम्हारे लिए नई किताब / शिव मोहन यादव

शांतिदूत गुटर-गूं की कहानी

बच्चो, तुम्हारे लिए एक नई किताब आई है 'शांतिदूत गुटर गूं।' वैसे तो यह एक पिक्चर बुक है, लेकिन तुम इसे एक नन्हा बाल उपन्यास भी कह सकते हो। डॉ. विमला भंडारी द्वारा लिखे गए इस बाल उपन्यास में तुम एक सफेद कबूतर की जुबानी उसकी कहानी जानोगे। यह किताब कबूतरों की कई जानी-अनजानी बातें सामने लाती है, इस पक्षी के बारे में जानकारी देती है। इसकी कहानी दो बच्चों अनु और बसु की बातचीत से शुरू होती है। वे एक कबूतर को याद करते हैं। कैसे वह 'गुम्म गूं गुटर गूं' करता था, कैसे गर्दन और आंखों की पुतलियां मटकाता था और कैसे आकर उनके कंधों पर बैठ जाता था! कहानी आगे बढ़ती है, एक श्वेत कबूतर उनका दोस्त बन जाता है। वह कबूतरों की विशेषताएं अनु और बसु को खुद बताता है। वह जानकारी देता है- एक देश की राजधानी का सुल्तान अपनी डाक सेवाएं कबूतरों से ही संपन्न कराता था, तो एक देश में डाकिए का समस्त कार्य कबूतर ही करते थे। कबूतरों के बारे में ऐसी कितनी ही जानकारी इस किताब में तुम्हें मिल जाएगी। 'शांतिदूत' के रूप में कबूतर की गाथा द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात आरंभ होती है। लाखों लोगों ने शांति के लिए सार्वजनिक संगठन गठित किए। प्रसिद्ध चित्रकार पाब्लो पिकासो द्वारा बनाए गए जैतून की शाखा लिए श्वेत कबूतर के चित्र को शांति का प्रतीक माना गया। कबूतर एक ऐसा पक्षी है, जिसके माध्यम से शांति संदेश भेजकर कई युद्धों को रोका गया। किताब की लेखिका अपने बाल पाठकों से आग्रहपूर्वक कहती हैं, 'अब तुम्हारा दायित्व है कि युद्ध नहीं, प्रेम चाहिए! यदि संभव हो तो जैतून की शाखा ले आना और युद्ध के स्थान पर शांति का प्रसार करना!' रंगीन चित्रों से सजी, सरल-आत्मीय भाषा एवं रोचक-प्रवाहमय शैली में लिखी गई यह पुस्तक बच्चो तुम्हें खूब पसंद आएगी। *

किताब: शांतिदूत गुटर गूं (पिक्चर बुक),
लेखिका: डॉ. विमला भंडारी, **मूल्य:** 175 रुपए,
प्रकाशक: इंडिया नेटबुक्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा

अंतर बताओ

बच्चो, यहां टेडी बियर से खेलती हुई एक लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम तीन मिनट में इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

उत्तर: 1. टेडी बियर की नाक का रंग अलग है। 2. [illegible] 3. [illegible] 4. [illegible] 5. [illegible]

रास्ता खोजो

बच्चो, चित्र में दिख रहे चीकू खरगोश के सामने तीन रास्ते हैं, जो उसे किताब, फुटबॉल और गाजर तक ले जाएंगे। लेकिन चीकू को भूख लगी है। इसलिए गाजर तक पहुंचने का रास्ता बताकर उसकी भूख मिटाने में मदद करो।

जैकेट के शेष

यह है वीडियो में ...

और प्रश्नपत्र दिए गए। कार में बैठकर उनके द्वारा बगैर किसी पर्यवेक्षक के निरीक्षण के प्रश्नपत्र हल किए जा रहे हैं। वायरल वीडियो अंग्रेजी व गणित विषय के पर्चे के बताए जा रहे हैं।

दिव्यांग परीक्षार्थियों के .....

कक्ष में ही आवंटित किया जाता है, ताकि चढ़ने-उतरने में उन्हें कोई परेशानी ना हो। दिव्यांग परीक्षार्थियों को भी पर्यवेक्षक की निगरानी में ही पर्चे हल करने होते हैं। उन्हें कार में बैठाकर परीक्षा हल करने की अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है। नियमतः ये परीक्षा के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

जांच हो चुकी ....

कार में ही पर्चे हल करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि चलने-फिरने में असक्षम होने के कारण उसे कार में ही बैठने दिया गया। दिव्यांग होने के कारण उसे लेखक की सुविधा प्रदान की गई थी। डीईओ का कहना है कि छात्रा के 100 फीसदी दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र चिकित्सक द्वारा जारी किया गया था। कुल चार परीक्षार्थी थे, जिन्हें लेखक दिया गया था।

दसवीं में 58% ....

ओपन बोर्ड की परीक्षाओं में भी लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों की तुलना में बेहतर रहा है। हाईस्कूल में उत्तीर्ण होने वाली लड़कियों का प्रतिशत 59.82% है, जबकि लड़कों की संख्या 57.43% ही रही है। इसी तरह से बारहवीं कक्षा में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 72.17% और लड़कों का 70.01% रहा। परिणाम घोषित किए जाने के दौरान ओपन बोर्ड अध्यक्ष रेणु पिल्ले सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। परिणाम राज्य ओपन बोर्ड की वेबसाइट में जाकर देखे जा सकते हैं।

10वीं : 33693 आवेदन, 18578 ही हो सके उत्तीर्ण : बारहवीं कक्षा की तुलना में दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम कमजोर रहे हैं। हायर सेकंडरी की तुलना में हाईस्कूल परीक्षा में आवेदन भी कम प्राप्त हुए थे। दसवीं ओपन में शामिल होने 33693 आवेदन ही मिले थे। इनमें से विभिन्न कारणों से 177 आवेदन निरस्त किए गए। 31852 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 18578 परीक्षा उत्तीर्ण कर सके। 39 विद्यार्थियों के नतीजे विभिन्न कारणों से रोके गए हैं। प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या 5874, द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या 7700 तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या 4947 रही है। हालांकि दसवीं कक्षा में प्रथम श्रेणी में आने वाले विद्यार्थियों में लड़कों की संख्या अधिक है। प्रथम श्रेणी में 3404 लड़के तथा 2470 लड़कियां हैं।

12वीं : 40256 ...

कारणों से रोका गया है। 3682 छात्र आरटीडी योजना के अंतर्गत शामिल हुए हैं। प्रथम श्रेणी में 9594 द्वितीय श्रेणी में 10368 तथा तृतीय श्रेणी में 4738 छात्र उत्तीर्ण हुए। ना केवल पूर्ण नतीजों में बल्कि प्रथम श्रेणी हासिल करने में भी लड़कियां, लड़कों से आगे रही हैं।

सो रहे माता-पिता .....

भी बंद था। काफी देर तक आवाज लगाने पर भी कोई बाहर नहीं आया। पीछे से जाकर झांकने पर बिस्तर में चारों की लाश पड़ी थी। घटना की सूचना पर शिवरीनारायण पुलिस मौके पर पहुंची। डॉग स्वायड और एफ एस एल की टीम भी कुछ देर में पहुंच कर जांच में जुट गई। एसपी निवेदिता पाल और ए एस पी उमेश कश्यप नए भी मौका मुआयना किया। डॉग स्वायड की टीम ने जब जांच की तो स्नेपर डॉग घटना स्थल से बाड़ी के रास्ते मेदिनी के मंझले बेटे सोन साय के घर जा पहुंचा। इधर पुलिस द्वारा गांव में की गई पूछताछ में भी सोन साय के खिलाफ कई बातें सामने आई। इस आधार पर पुलिस ने सोन साय को पकड़ा। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने हत्या करना स्वीकार किया। सोन साय ने अपने बेटे गोलू के साथ मिलकर पारिवारिक जमीन के विवाद पर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है।

भाई की हत्या के मामले में हुई थी सजा : मेदनी साहू के पास लगभग 7 एकड़ जमीन है, और उसके तीन बेटे थे। बड़े बेटे सोना राम की मौत काफी पहले ही हो चुकी है। सोन साय मंझला बेटा है। वहीं पूनऊ राम सबसे छोटा बेटा था। सोन साय ने 2009 में अपने छोटे भाई पूनऊ राम की हत्या कर दी थी। मामले में वह आजीवन कारावास की सजा काट चुका है और करीब 2 साल पहले जेल से रिहा होकर आया था। वह गांव में ही अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अलग घर में रहता था।

कुछ दिन पहले हुई थी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई : मृतक मेदनी कश्यप अपने बेटा पूनऊ के बेटा और सोना राम की बेटी को अपने पास रख कर पालन पोषण कर रहा था। सोन साय अपने अंदर पारिवारिक द्वेष रखता था और खानदान को समाप्त करने की बात कहता था। अक्सर मेदिनी के घर जाकर हंगामा भी करता था। कुछ दिन पूर्व ही मेदिनी ने सोन साय के खिलाफ थाने में शिकायत की थी, जिस पर उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हुई थी। इस बात को लेकर उसकी नाराजगी और भी बढ़ गई थी।

पेज एक के शेष

सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण ...

टीकाकरण और समय पर जांच से काफी हद तक रोका जा सकता है। केंद्र सरकार द्वारा इसे ध्यान में रखते हुए देशभर में किशोरियों को यह वैक्सीन निशुल्क लगाने की घोषणा की है। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की देखरेख में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में निशुल्क एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत 16 मार्च की गई है। यहां 14 साल से ज्यादा एवं 15 साल से कम आयु वाली किशोरियों को हितग्राही माना गया है। केवल जन्मतिथि आधारित पहचान पत्र के आधार पर टीकाकरण की सुविधा दी जा रही है। दो माह बीतने के बाद भी राज्य में इस अभियान को सफलता मिलती नहीं दिख रही है। राज्य में इस 2 लाख 62 हजार किशोरियों को यह टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें से अब तक केवल 12 हजार 300 लोगों को टीका लगाया जा सका है।इसकी बड़ी वजह वैक्सीन को लेकर फैली अफवाह है परिजनों के मन में इस बात का भ्रम है कि वैक्सीन लगाने से बांझपन की समस्या आ सकती है। इसके अलावा शरीर में अन्य तरह के विकार और गंभीर बीमारी हो सकता है। इसके डर से निचले स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में भी टीका लगाने की सुविधा होने के बाद भी लोग वैक्सीनेशन के लिए नहीं पहुंच रहे हैं।

रायपुर के 35 और बिलासपुर के ...

कमर्शियल डीजल महंगा, सामान्य पंपों पर बढ़ा दबाव: यह भी जानकारी मिली है कि कमर्शियल पंपों में डीजल की कीमतें बढने के बाद भारी वाहन संचालक सामान्य पेट्रोल पंपों से कम दाम में डीजल भरवा रहे हैं। इससे सामान्य पंपों पर दबाव कई गुना बढ़ गया है। वहीं, कुछ पंप संचालक भी रेट बढ़ाकर कमर्शियल वाहनों को तेल दे रहे, जिससे समस्याएं बढ़ी हैं। इसे रोकने के लिए कोटा सिस्टम किया जा रहा है।

शाह से मिले साय, बस्तर विकास ..

और उनके डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार कर लिए गए हैं। हजारों मरीजों को समय पर उपचार और उच्च अस्पतालों में रेफर किया गया है। बस्तर में अब पुराने सुरक्षा शिविर केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रह गए हैं। इन्हें धीरे-धीरे "जन सुविधा केंद्र" के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां गांव के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जरूरी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल रही हैं। इन केंद्रों के जरिए दूरस्थ और नक्सल प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को पहली बार कई बुनियादी सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। ग्रामीण अब इलाज, बैंक खाते, दस्तावेज और सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए दूर-दूर तक भटकने को मजबूर नहीं हैं। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान जो गत 13 अप्रैल को सुकमा से शुरू हुआ, इस अभियान में 36 लाख लोगों को लक्षित किया गया है। इसके अलावा बस्तर मुन्ने (अग्रणी बस्तर) अभियान के जरिए 31 महत्वपूर्ण योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है। जगदलपुर में नया सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शुरू हो गया है, जहां अब बस्तर के लोग महंगे इलाज के लिए रायपुर या बिलासपुर नहीं जाना पड़ेगा। डायल-112 की नेक्स्ट जेन सेवा का विस्तार और पुराने सुरक्षा शिविरों को "जन सुविधा केंद्र" में बदलने की योजना भी बस्तर के स्थायी विकास की दिशा में अहम कदम हैं। उन्होंने बताया कि जो इलाके कभी नक्सल प्रभाव के कारण मुख्यधारा से कटे हुए थे, वहां आज सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। हाल ही में सुकमा के एक अत्यंत दुर्गम गांव से गंभीर मरीज को सैकड़ों किलोमीटर दूर अस्पताल पहुंचाकर उपचार दिलाना इस बदलाव का बड़ा उदाहरण बना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गृह मंत्री अमित शाह को बस्तर के लिए तैयार विकास रोडमैप की भी जानकारी दी। इसमें सड़क, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रखा गया है।

रील बनाने नदी में ...

है। घटना कुसमुंडा थाना क्षेत्र की अहिरन नदी की है, जहां निवासरत निर्मल सिंह ठाकुर का पुत्र निखिल सिंह 12 मई को अपने दोस्तों के साथ नहाने के लिए विकासनगर स्थित अहिरन नदी गया हुआ था। जहां रील बनाने के लिए उसने मोबाइल पर वीडियो भी बनवाया था और उपर से जंप लगाया था। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद से पुलिस और गोताखोरों की टीम ने लगातार दो दिनों तक सर्च ऑपरेशन चलाया। 48 घंटे तक शव की तलाश करने के बाद बुधवार देर शाम रेस्क्यू अभियान बंद कर दिया गया। देर रात को तभी अचानक निखिल का शव नदी के पानी के ऊपर आ गया, जिसे बरामद किया गया। जिसके बाद गुरुवार को मामले में पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मृतक निखिल सिंह एसईसीएल कुसमुंडा में कार्यरत एक डंपर ऑपरेटर का पुत्र था। युवक की असमय मौत के बाद से उसके परिजनों में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

जींस और टी-शर्ट में ...

मामला चल रहा था, जैसे ही मामला लगा कोर्ट को जानकारी दी गई निगम कमिश्नर जरूरी कारणों के चलते नहीं आ पाए हैं, उनकी जगह डिप्टी कमिश्नर उपस्थित हैं। इस पर कोर्ट ने पूछा लगातार सूचना देने के बाद भी तय समय पर कोर्ट में उपस्थित क्यों नहीं हुए, केस आपके कारण रूका हुआ है। आपके पास समय नहीं है तय समय पर जब केस लगा था क्यों नहीं आ पाए कारण तो बता सकते हैं या बताना जरूरी नहीं समझते। नाराज कोर्ट ने पूछा आप कौन है, अधिकारी ने बताया वे भिलाई नगर निगम में डिप्टी कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं। कोर्ट ने देखा फिर पूछा आपको हाईकोर्ट में कैसे आना है किस ड्रेसकोड में आना है पता नहीं है, क्या यही आपका ड्रेसकोड है जैसा मन पड़ा वैसे ही चले आए।

राशिफल

मेष — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं असंतोष के भाव रहेंगे।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के विवादों से बचने का प्रयास करें।

तुला — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक — घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु — पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर — परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ — परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन — वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

हादसे में 3 लोगों की मौत, 25 अन्य घायल

देवास की पटाखा फैक्ट्री में धमाका शवों के टुकड़े 25 फीट दूर गिरे

घायलों को अस्पताल ले जाते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

शहर से 20 किमी दूर एबी रोड स्थित टोंककलां ग्रामीण क्षेत्र में पटाखा फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हुआ, धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दीं। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गईं। गुरुवार सुबह 11 बजे लगभग हुए हादसे में 25 लोग घायल हुए। जिन्हें जिला नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को इंदौर के चौईथराम अस्पताल में रेफर किया गया। वहीं सामान्य घायलों को जिला अस्पताल देवास और अमलतास अस्पताल में भर्ती किया गया। अधिकांश मजदूर उत्तर प्रदेश और बिहार के रहने वाले हैं। विस्फोट की तीव्रता इतनी थी कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे।

> फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय हिरासत में, रासुका की कार्रवाई की गई

सीएम ने जताया दुख, आर्थिक मदद का किया ऐलान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस हादसे में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। घायलों का निःशुल्क इलाज करने के लिए निर्देश दिए हैं। सीएम ने एक्स पर कहा कि मैंने जिले के प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, गृह सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

तीन चर्च नेताओं की हत्या पर कांग्रेस का तीखा हमला

'मोदी सरकार की उदासीनता के चलते सुलग रहा मणिपुर'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मणिपुर में तीन वर्षों से जारी हिंसा के बीच कांग्रेस पार्टी ने कांगपोकपी जिले में बुधवार को आदिवासी समुदाय से संबंध रखने वाले चर्च के तीन नेताओं की हत्या की कड़ी निंदा की है।

नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए मणिपुर से कांग्रेस सांसद प्रो. ए. बिमोल अकोइजाम ने राज्य और केंद्र की सरकार पर अपनी ज़िम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने एवं लोगों के जान-माल की रक्षा करने में असफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते कार्रवाई की गई होती, तो इस हिंसा को बहुत पहले ही रोका जा सकता था। ज्ञात रहे कि कांगपोकपी जिले में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने घात लगाकर हमला किया था, जिसमें चर्च के तीन नेताओं की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। इसके बाद शाम को नोनी जिले में हुई गोलीबारी में एक और व्यक्ति की जान चली गई।

खास बातें

- सांसद अकोइजाम बोले- मणिपुर हिंसा को तत्काल समाप्त किया जाए, हिंसा की जांच के लिए गठित आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक हो

कार्यालय उप संचालक कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)
Email-ddakawardha.cg@gov.in

क्र./तक 4/NMEO-OS/2026-27/915 कबीरधाम,दिनांक- 14/05/2026

// रूचि की अभिव्यक्ति //

उप संचालक कृषि, जिला- कबीरधाम में नेशनल मिशन ऑन इडिबल ऑयल-ऑयलसीड (NMEO-OS) अंतर्गत प्रमाणित बीज वितरण, स्वायल हेल्थ कार्ड योजना अंतर्गत मृदा परीक्षण, कृषक प्रशिक्षण, कृषक खेतपाठशाला का आयोजन, कृषि मैपर में कृषकों का पंजीयन का कार्य करने मूल्य श्रृंखला सहयोगी (VCP) का गठन किये जाने हेतु उपरोक्त कार्यों से संबंधित संस्था/ एफ.पी.ओ./ सहकारी समितियों से दिनांक 30.05.2026 अपरान्ह 5.00 बजे तक निर्धारित प्रपत्र में केवल स्पीड पोस्ट/ रजिस्टर्ड डाक से **"रूचि की अभिव्यक्ति"** आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत जानकारी कार्यालय उप संचालक कृषि, जिला- कबीरधाम के सूचना पटल पर या www.kawardha.gov.in पर देखी जा सकती है।

उप संचालक कृषि
जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-HQ-WAT-28-2026, दिनांक 08.05.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियंता / ईस्टेट / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ मण्डल अभियंता / कार्य / मुक्तापुरम / वाल्टियर सेक्शन के वाल्टियर मार्शलिंग यार्ड / विशाखापट्टणम में 44 बिस्तरों वाले रनिंग रूम भवन का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : 4,92,68,177.34, EMD : ₹ 9,85,400.00, कार्य पूरा होने की अवधि: 08 (आठ) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 02.06.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने को कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-154/R/26-27

कार्यालय नगर पालिका परिषद बागबाहरा, जिला - महासमुन्द, छ.ग.
दूरभाष क्रं. 07707-242178 ई. मेलः npbgbr5@gmail.com

क्र./140 / न.पा. / लो.नि.वि. /2026-27 **// ई-निविदा आमंत्रण सूचना //** बागबाहरा दिनांक 13/05/2026

नगर पालिका परिषद बागबाहरा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में वार्ड क्र. 01 से 15 वार्डों में अध्यक्ष निधि, पार्षद निधि, एल्डरमेन निधि, विधायक निधि एवं सांसद निधि, डी.एम.एफ. मद एवं अन्य निधि (प्रत्येक कार्य लागत राशि रुपये 5.00 लाख तक) से निर्माण कार्य कराया जाना है, उपरोक्त कार्य CG PWD Road and Building SOR 2015 & 2026, CG PHE SOR 2020 & CG ELECTRICAL SOR 2020 & 2026 से किया जाना है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	सिस्टम टेंडर क्रं.	कार्य विवरण	अनु. लागत (रू.लाख में)	अमानत राशि	ठेकेदार की श्रेणी	समय सीमा	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू. में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	फिजीकल दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि
1	190907	वार्ड क्र. 01 से 05 वार्डों में अध्यक्ष निधि, पार्षद निधि, एल्डरमेन निधि, विधायक निधि एवं सांसद निधि डी.एम.एफ. मद एवं अन्य निधि से निर्माण कार्य।	20.00	15000/-	सक्षम श्रेणी	12 माह	1500/-	01/06/2026 17:30 PM तक	02/06/2026 को दोपहर 16:30 PM तक
2	190908	वार्ड क्र. 06 से 10 वार्डों में अध्यक्ष निधि, पार्षद निधि, एल्डरमेन निधि, विधायक निधि एवं सांसद निधि डी.एम.एफ. मद एवं अन्य निधि से निर्माण कार्य।	20.00	15000/-	सक्षम श्रेणी	12 माह	1500/-		
3	190911	वार्ड क्र. 11 से 15 वार्डों में अध्यक्ष निधि, पार्षद निधि, एल्डरमेन निधि, विधायक निधि एवं सांसद निधि डी.एम.एफ. मद एवं अन्य निधि से निर्माण कार्य।	20.00	15000/-	सक्षम श्रेणी	12 माह	1500/-		

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in And https://cguad.gov.in से दिनांक 15.05.2026 को 10.00 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बागबाहरा

कार्यालय नगरपालिका परिषद गरियाबंद जिला - गरियाबंद (छ.ग.)
दूरभाष 07706-241349 फैक्स नं. 07706-241349, Email-nagarpalikagariaband@gmail.com

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक/123/न.पा./लो.नि.शा./2026-27 गरियाबंद, दिनांक 12/05/2026

नगर पालिका परिषद गरियाबंद द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्रं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	190631 (3rd call)	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Palika Parishad, Gariaband under SBM 2.0	325.96	25-05-2026 05.00 P.M.

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

एक कदम स्वच्छता की ओर

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, गरियाबंद
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार बालोद, जिला- बालोद (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र./202605240700009/ अ-19 (3)/ वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कार्यपालन अभियंता (संचारण /संधारण), संभाग छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड बालोद के पत्र क्रमांक/010-35/स्था./435 बालोद, दिनांक 29.04.2026 के अनुसार के.व्ही. उपकेन्द्र निर्माण हेतु ग्राम ओरमा प.ह.नं. 08 तहसील बालोद स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 471 / 1 रकवा 4.93 हे. में से. क्षेत्रफल 1.20 हे. भूमि आबंटन किए जाने बाबत पत्र प्राप्त हुआ है।

इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो दिनांक 22/05/2026 तक प्रस्तुत किया जा सकता है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 07.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी।

मुहर
तहसीलदार
बालोद जिला- बालोद (छ.ग.)
S- 47823/1

DEPARTMENT OF PLANT PATHOLOGY
College of Agriculture, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur (C.G) 492012

No.HOD/Pl.Path./COA/Adv. Contr. /2026-27/73 Dated 11.05.2026

Walk-In-Interview

Applications are invited from eligible candidates to appear for a Walk-In-Interview for the post of Guest /Part time Scientist in the discipline of Plant Pathology (01) post, under contractual basis. The candidates shall apply in the prescribed format and submit their applications through registered post/by hand to Professor & Head, Department of Plant Pathology, College of Agriculture, IGKV, Krishak Nagar Raipur (C.G.) 492012. Details can be seen on the university website www.igkv.ac.in.

1. Last date of submission of application : 20/05/2026 (up to 05.00PM)
2. Date of interview & document verification: 25/05/2026 (11.00 AM onwards)
3. Venue of the interview : Directorate of Research Services, IGKV, Krishak Nagar, Raipur (C.G.)

Professor & Head
Department of Plant Pathology,
CoA, IGKV, Raipur (C.G.)
S-47818/1

आम सूचना

आम-जनों को सूचित किया जाता है कि विशाल सोन (उप पुलिस अधीक्षक), छ.ग. पुलिस (वर्तमान में जिला-दंतेवाडा पदस्थ) द्वारा अपने पद एवं अधिकारों का दुरूपयोग कर अपने परिचित व्यक्तियों का सहयोग लेकर हमारी कम्पनी सिम्पलेक्स कास्टिंग्स एवं अन्य कम्पनी की चल एवं अचल संपत्ति को हडपने के नियत से कम्पनी के एम.डी. श्रीमती संगीता केतन शाह को ब्लैकमेल किया जा रहा है।

आम जन को यह भी सूचित करना अनिवार्य है कि विशाल सोन वर्ष 2013-14 में दुर्ग जिले के अंतर्गत थाने में थाना प्रभारी के पद पर पदस्थ थें और जिस कारण उसकी जान-पहचान मुझसे और मेरे माध्यम से मेरे कम्पनी के अधिकारियों से परिचय हुआ था। क्योंकि विशाल सोन की नियत मुझे ज्ञात नही था कि वह मेरी कम्पनी की संपत्ति को हड़पने के लिए नजदीकियां बना रहा हैं और हमारे कम्पनी के क्षेत्र के अधिनिस्त पुलिस अधिकारी होने के कारण आना-जाना बढ़ गया और उसी बीच उसने मुझे कहा कि मेरी पहचान बहुत वरिष्ठ नेताओं से व्यक्तिगत रूप से जान पहचान है। मै आपको वैशाली नगर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा का टिकट दिला दूंगा और विशाल सोन ने मुझे अपने फोन में वरिष्ठ नेताओं के साथ अपना फोटो दिखाया और उन दोनों के बीच हुए कॉल रिकार्ड भी सुनाया। कई बार टिकट दिलाने के नाम से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मिलने के नाम पर मुझसे पैसे लिया और विशाल सोन ने मेरा भरोसा जितने के लिए चुनाव के दौरान अपनी ड्यूटी से फर्जी मेडीकल लीव लगाकर छुट्टी लिया था और विशाल सोन ने अपने पद में होने के बाद भी चुनाव का संचालन किया गया और रैली में मेरे साथ चुनाव का प्रचार-प्रसार में भी शामिल रहा जो उनका उक्त कृत्य शासन को छलने एवं विधि विरुद्ध कार्य है। उसने अपने कार्य की गोपनियता को बताते हुए कम्पनी की वाहनों एवं कार्यालयों का उपयोग करता था और कम्पनी में आने-जाने के कारण उसे कंपनी के कई अदरूनी विवादों की जानकारी हो गयी थी, उसी का फायदा उठाते हुए अपने पद और पहचान का उपयोग कर मुझसे कहा कि आपके कंपनी के सभी विवादों का निराकरण करा दूंगा और तब विशाल सोन के द्वारा अपने घनिष्ठ लोगों के साथ मिलकर मेरी कम्पनी के चल-अचल संपत्तियों को हड़पने के लिए जमीन कारोबारी, सिविल ठेकेदार, पुलिस अधिकारियों एवं अन्य अपने परिचित लोगों साथ मिलकर धोखाधड़ी करने की साजिश करना प्रारंभ किया। इसी साजिश के तहत् मेरी कम्पनी की चल-अचल संपत्तियों को विवाद में डाल दिया। विशाल सोन के द्वारा मेरी कम्पनी की पुलगांव स्थित भूमि, कोहका जुनवानी स्थित भूमि, कमर्शियल काम्पलेक्स, कम्पनी वाहन एवं अन्य कम्पनी इन सभी चल-अचल संपत्तियों को धोखाधड़ी पूर्वक अपने कब्जे में करने के लिए विवादित किया है। विशाल सोन की कृत्य एवं शाजिस की जानकारी मुझे होने पर मेरे द्वारा दिनांक 06/02/2026 को संपूर्ण तथ्य विस्तार से उक्त शिकायत में बताते हुये माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष शिकायत प्रस्तुत किया था, किंतु उक्त शिकायत आवेदन में किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई है क्योंकि विशाल सोन की जान पहचान बड़े-बड़े अधिकारियों, नेताओं एवं मंत्री से है और विशाल सोन के द्वारा यह कहा जा रहा है कि मेरे एक इशारे पर वह तुम्हारी कम्पनी को बंद करवा देगें और तुम लोग को रोड़ में ला देगें और कहता कि जैसा मै कह रहा हूं वैसा करों नही तो तुम लोग मेरा कुछ नही बिगाड़ सकते हो। इसलिए मुझे ब्लैकमेल किया जा रहा है जिससे मै शारीरिक एवं मानसिक परेशानीयों से गुजर रही हूं और उनके उक्त कृत्य से मै अपने परिवार, घर के लोगों से अलग हो रही हूं क्योंकि उसका मानसिकता यही है कि वह मुझे अपने परिवार से अलग कर सके और मेरी कम्पनी की अच-अचल संपत्तियों को हड़प सकें।

द्वारा, संगीता केतन शाह
(मैनेजिंग डायरेक्टर) सिम्पलेक्स कास्टिंग्स लिमिटेड

शब्द पहेली - 6226

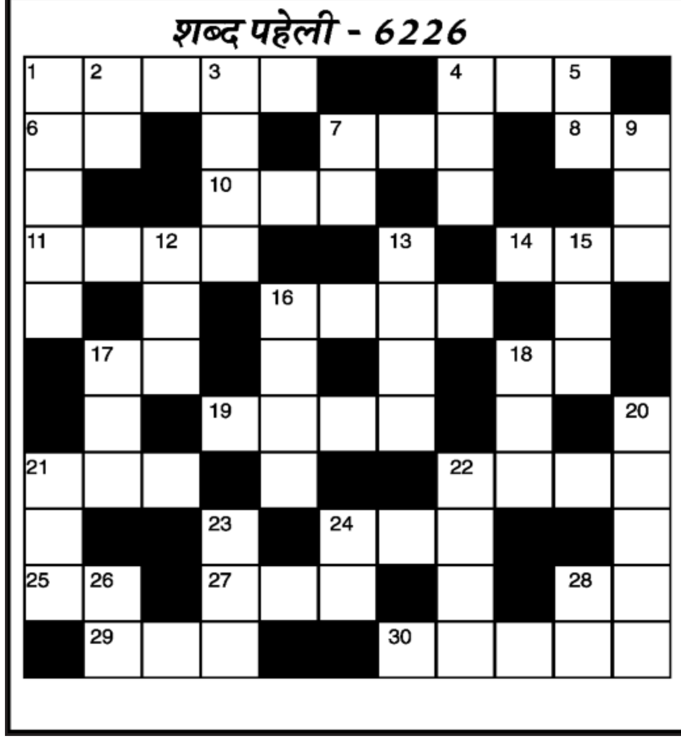

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-6225 का हल

सूडोकु नवताल- 6236

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6235 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

मित्तल एयरटेल की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने की तैयारी में

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने कहा है कि वह अगले दशक में भारती एयरटेल लिमिटेड की कमान नई पीढ़ी को सौंपने की योजना बना रहे हैं। साथ ही उनकी इच्छा प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में फिर से 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हासिल करने की भी है। मित्तल और सिंगटेल समूह के स्वामित्व वाली भारती टेलीकॉम के पास वर्तमान में एयरटेल में 40.47 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रवर्तक कंपनियां भारती टेलीकॉम, मित्तल परिवार की होल्डिंग कंपनी इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट, सिंगटेल ग्रुप की कंपनी पास्टेल और अन्य मिलकर एयरटेल में 48.87 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं।

मित्तल की इच्छा भारती टेलीकॉम में 50 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने की

भारती एयरटेल को नियंत्रक शेयरधारिता हासिल करनी चाहिए

भारती एयरटेल की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा के दौरान मित्तल ने कहा, '' मुझे पता है कि एकदम सटीक भविष्यवाणी करना मुश्किल है लेकिन मेरी इच्छा है कि अगले दशक में जब मैं शेयरधारकों के रूप में अगली पीढ़ी को बागडोर सौंपने के मुकाम तक जाऊं तब तक भारती टेलीकॉम को 51 प्रतिशत या 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक की नियंत्रक शेयरधारिता हासिल कर लेनी चाहिए।''

एयरटेल में हिस्सेदारी बढ़ाने बड़ी पूंजी की जरूरत

मित्तल ने कहा कि एयरटेल में भारती टेलीकॉम की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़ाने के लिए बड़ी पूंजी की आवश्यकता होगी, जो मौजूदा शेयर मूल्य एवं बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग एक लाख करोड़ रुपये के निवेश के बराबर है। मित्तल ने कहा कि मूल विचार यह है कि नियंत्रण एवं प्रवर्तक शेयरधारिता एक ही कंपनी के माध्यम से होनी चाहिए।

सिंगटेल की हिस्सेदारी घटाने की प्रक्रिया जारी

मित्तल ने कहा कि सिंगटेल की हिस्सेदारी घटाने की प्रक्रिया जारी है और नई संरचना के बाद हिस्सेदारी अंतर कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले तीन से चार वर्ष में 3.6 प्रतिशत की शेष हिस्सेदारी हासिल करने की योजना एयरटेल के प्रदर्शन, शेयर की पुनर्खरीद और लाभांश जैसे कारकों पर निर्भर करेगी।

मित्तल का कार्यकाल पांच साल के लिए और बढ़ा

मित्तल का वर्तमान कार्यकाल 30 सितंबर को समाप्त होना था लेकिन इसे 30 सितंबर, 2031 तक पांच वर्ष के लिए फिर से बढ़ा गया है। एयरटेल ने जनवरी-मार्च तिमाही में 33.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,325 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि वार्षिक राजस्व पहली बार दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।

खबर संक्षेप

जेएसडब्ल्यू स्टील का लाभ 19,243 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। इस्पात कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19,243 करोड़ रहा है जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 1,501 करोड़ था। कंपनी के मुनाफे में यह बढ़ोतरी 17,888 करोड़ रुपये के असाधारण लाभ का नतीजा है। कंपनी ने विजयनगर संयंत्र के क्षमता विस्तार पर 26,000 करोड़ निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

अपोलो टायर्स का मुनाफा तीन गुना होकर 631 करोड़

नई दिल्ली। अपोलो टायर्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ तीन गुना से अधिक होकर 630.97 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष-2024-25 की समान तिमाही में 184.62 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ अर्जित किया था। अपोलो टायर्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय बढ़कर 7,335.67 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 6,423.59 करोड़ थी।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.73 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और कमजोर होकर रिकॉर्ड निचले स्तर 95.73 (अस्थायी) पर रहा। मजबूत अमेरिकी डॉलर और ऊंची ऊर्जा कीमतों के कारण बढ़ती मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। मुद्रास्फीति की चिंताओं और वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती के कारण रुपये में कमजोर रुख बना रह सकता है।

आईआरएफसी का लाभ लगभग स्थिर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 1,684 करोड़ रुपये पर लगभग स्थिर रहा। रेल मंत्रालय के तहत आने वाली इस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,682 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। आईआरएफसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की चौथी तिमाही में उसकी कुल आय नौ प्रतिशत बढ़कर 7,329 करोड़ हो गई।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का मुनाफा 31 प्रतिशत घटा

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 31.29 प्रतिशत घटकर 5,878 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान (जनवरी-मार्च) तिमाही में 8,556 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय सात प्रतिशत बढ़कर 1.05 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की इसी तिमाही में 98,377 करोड़ रुपये थी।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा 9 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में नौ प्रतिशत बढ़कर 1,497 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 1,368 करोड़ रुपये था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय हालांकि घटकर 7,195 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 7,283 करोड़ रुपये थी। वहीं ब्याज आय भी 7,117 करोड़ रुपये से घटकर 7,009 करोड़ रुपये रह गई।

ईंधन, बिजली एवं कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि

थोक मुद्रास्फीति में जबर्दस्त उछाल, अप्रैल में 42 माह के उच्चस्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंची

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट से ईंधन, बिजली एवं कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 42 महीने के उच्चतम स्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च में 3.88 प्रतिशत थी।

थोक मूल्य सूचकांक मार्च में 3.88 प्रतिशत थी

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म बार्कलेज के अनुसार, थोक मुद्रास्फीति में क्रमिक वृद्धि इस श्रृंखला में अब तक की सबसे अधिक रही है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि ने मुख्य मुद्रास्फीति दर में उछाल आया। धातुओं, रसायनों और वस्त्रों की विनिर्माण लागत में वृद्धि के कारण मुख्य थोक मुद्रास्फीति सालाना आधार पर पांच प्रतिशत तक बढ़ गई।

क्रमिक वृद्धि इस श्रृंखला में अब तक की सबसे अधिक रही

कच्चे तेल की कीमतों ने ईंधन आयात को महंगा बना दिया

पश्चिम एशिया युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध ने भारत में कच्चे पेट्रोलियम के आयात को बाधित कर दिया है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि ने ईंधन आयात को महंगा बना दिया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, '' अप्रैल, 2026 में मुद्रास्फीति खनिज तेल, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, मूल धातु, अन्य विनिर्माण और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण अधिक रही।''

खाद्य पदार्थों में मुद्रास्फीति दर 1.98 प्रतिशत रही

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों में मुद्रास्फीति दर अप्रैल में 1.98 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 1.90 प्रतिशत थी। गैर-खाद्य पदार्थों में मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 12.18 प्रतिशत हो गई जो पिछले महीने 11.5 प्रतिशत थी।

पेट्रोल में महंगाई पर 32.40 प्रतिशत रही

ईंधन और बिजली श्रेणी में, एलपीजी में मुद्रास्फीति दर अप्रैल में 10.92 प्रतिशत रही। पेट्रोल में महंगाई दर 32.40 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने 2.50 प्रतिशत थी। डीजल में महंगाई दर अप्रैल में 25.19 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 3.26 प्रतिशत थी। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद सरकार ने अब तक पेट्रोल और घरेलू एलपीजी की कीमतों को स्थिर रखा है ताकि उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी के असर से बचाया जा सके।

लॉजिस्टिक लागत का असर अब महंगाई में दिखने लगा

बजाज ब्रोकिंग के बुनियादी विश्लेषक शाश्वत सिंह ने कहा कि बढ़ती लॉजिस्टिक लागत, माल ढुलाई और जिंस कीमतों का असर अब धीरे-धीरे थोक महंगाई में दिखाई देने लगा है। इसका असर आगे उपभोक्ता मुद्रास्फीति पर भी पड़ सकता है।

पेट्रोल, डीजल दोनों हो सकते हैं पांच रुपए लीटर महंगे

बार्कलेज के अनुसार, मई में पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतों में जल्द पांच रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जा सकती है, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें अब भी ऊंची बनी हुई हैं। साथ ही ऐसा लगता है कि मौद्रिक नीति समिति आपूर्ति झटके से बढ़ी महंगाई को नजरअंदाज करेगी और 2026 के बाकी समय में नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं करेगी।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रही तेजी, सेंसेक्स 790 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

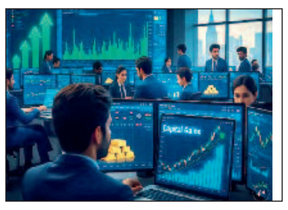

स्थानीय शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और सेंसेक्स करीब 790 अंक चढ़कर बंद हुआ। दूरसंचार, दवा और निजी बैंकिंग शेयरों में खरीदारी आने से बाजार को मजबूती मिली।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 789.74 अंक की बढ़त के साथ 75,398.72 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, दूरसंचार और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी लौटने से यह एक समय 1,000 अंक से अधिक चढ़कर 75,681.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया था। वहीं निफ्टी भी 277 अंक यानी 1.18 प्रतिशत चढ़कर 23,689.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल में सर्वाधिक पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी का वार्षिक राजस्व पहली बार दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचने के बाद निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी। इसके साथ इटर्नल में 3.32 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक में 2.67 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, आईटीसी और एसबीआई में भी बढ़त रही। दूसरी तरफ इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयरों में गिरावट रही। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद बाजार ने दिन के निचले स्तर से मजबूत वापसी की।''

नायर ने कहा कि सरकार द्वारा रुपये की कमजोरी को संभालने के संभावित कदमों, जैसे विदेशी निवेशकों के लिए बॉन्ड कर राहत और पूंजी बहिर्गमन रोकने के उपायों की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

कच्चा तेल बढ़कर 106.48 डॉलर प्रति बैरल

एशिया के अन्य बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग का हैंगसेंग स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा। अमेरिकी बाजार भी बुधवार को अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब एक प्रतिशत बढ़कर 106.48 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बिजनेस साइट

सहेली ज्वेलर्स के 'फेस्टिवल ऑफ एक्सचेंज' का शुभारंभ, ग्राहकों को मिलेंगे आकर्षक ऑफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित डिज़ाइनर ज्वेलरी शोरूम सहेली ज्वेलर्स ने अपने ग्राहकों के लिए बहुप्रतीक्षित 'सहेली फेस्टिवल ऑफ एक्सचेंज' की शुरुआत 14 मई 2026 से कर दी है। इस विशेष फेस्टिवल के तहत ग्राहक अपने पुराने आभूषणों को नए शुद्ध एचयूआईडी 22 कैरेट एवं 18 कैरेट हॉलमार्क आभूषणों में एक्सचेंज कर आकर्षक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस ऑफर के अंतर्गत पुराने आभूषणों पर ग्राहकों को 100 प्रतिशत एक्सचेंज वैल्यू दी जाएगी। वहीं नए गोल्ड आभूषणों पर मेकिंग चार्ज की शुरुआत मात्र 3.5 प्रतिशत से की गई है। इसके साथ ही डायमंड एवं पोल्की ज्वेलरी पर भी विशेष ऑफर घोषित किए गए हैं, जिनमें ग्राहकों को 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ मिलेगा। सहेली ज्वेलर्स प्रबंधन के अनुसार यह फेस्टिवल उन ग्राहकों के लिए सुनहरा अवसर है, जो अपने पुराने गहनों को आधुनिक एवं ट्रेंडिंग डिजाइनों में अपग्रेड करना चाहते हैं। संस्थान ने हमेशा 'सही शुद्धता, सही सलाह, सही कीमत और सर्वश्रेष्ठ डिजाइन्स' उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह विशेष ऑफर रायपुर के सदर बाजार तथा दुर्ग स्थित श्री शिवम मॉल के शोरूम में सीमित अवधि तक उपलब्ध रहेगा।

सोना 650 रुपए मजबूत और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 650 रुपये बढ़कर 1.66 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। यह बढ़ोतरी लगातार जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आने के बाद हुई।

ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल में गंभीर घुटना विकृति का सफल रोबोटिक ऑपरेशन

रायपुर। ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल में आधुनिक रोबोटिक तकनीक की सहायता से गंभीर घुटना विकृति (सीवियर वेल्गस डिफॉर्मिटी) से पीड़ित मरीज शेख शाहिद की सफल रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की गई। मरीज लंबे समय से घुटनों में तेज दर्द, टेढ़ापन और चलने-फिरने में परेशानी का सामना कर रहे थे। अस्पताल के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की। डॉक्टरों के अनुसार, सीवियर वेल्गस डिफॉर्मिटी ऐसी स्थिति है, जिसमें घुटनों का संतुलन बिगड़ जाता है और पैर बाहर की ओर मुड़ने लगते हैं। इस प्रकार की समस्या में रोबोटिक तकनीक से सर्जरी अधिक सटीक और सुरक्षित मानी जाती है। डॉ. जयवर्धन सिंह ने बताया कि रोबोटिक नी सर्जरी के जरिए घुटनों की सही अलाइनमेंट बेहतर ढंग से की जा सकती है, जिससे मरीज को लंबे समय तक आराम और बेहतर मूवमेंट मिलता है। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति सामान्य और संतोषजनक बताई गई है। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि संस्थान अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

घरेलू ई-कॉमर्स का भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण शुरू

रायपुर। फ्लिपकार्ट, एक्सिस बैंक और पेयू ने कार्ड भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की पेशकश की, यह पहल उपयोगकर्ताओं को सहायक एंड्रॉइड और आईओएस डिवाइस पर अपने फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का उपयोग करके लेनदेन को प्रमाणित करने की अनुमति देती है, जिससे वन-टाइम पासवर्ड की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। एक्सिस बैंक की प्रेसिडेंट अर्निका दीक्षित ने कहा, आज के ग्राहक चाहते हैं कि डिजिटल पेमेंट सुरक्षित होने के साथ-साथ बेहद आसान भी हो। बायोमेट्रिक सिस्टम ठीक यही काम करता है- यह सिर्फ एक 'टच' में सुरक्षित तरीके से पेमेंट की मंजूरी दे देता है। इस लांच पर फ्लिपकार्ट में पेमेंट्स एवं सुपरकॉइन्स के वाइस प्रेसिडेंट गौरव अरोड़ा ने कहा, हम जो भी नया काम करते हैं, उसके पीछे मुख्य मकसद नियमों का पालन और ग्राहकों का भरोसा जीतना होता है।

बागमाने रीट का शेयर 3.5 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ब्लैकस्टोन समर्थित बागमाने प्राइम ऑफिस रीट का शेयर अपने निर्गम मूल्य 100 रुपये के मुकाबले 3.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर शेयर 103.50 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य 100 रुपये से 3.5 प्रतिशत अधिक है। बाद में इसमें कुछ गिरावट आई और यह 103.10 रुपये पर कारोबार करने लगा। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 3.4 प्रतिशत अधिक 103.40 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 35,071 करोड़ रुपये था।

रोजगार महानिदेशालय,
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार,
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110 001
केंद्रीय रोजगार एक्सचेंज
विज्ञापन सं.-02/2026

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के पात्र उम्मीदवारों से निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: (1) विशेष कोचिंग (2) 'ओ' लेवल एक वर्षीय आईटी प्रशिक्षण (3) 'ओ' लेवल कंप्यूटर हार्डवेयर का रखरखाव प्रशिक्षण (4) ऑफिस ऑटोमेशन, लेखा एवं प्रकाशन सहायक (5) कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं बिजनेस अकाउंटिंग एसोसिएट (6) साइबर सुरक्षित वेब डेवलपमेंट एसोसिएट प्रोग्राम (7) कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (8) कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी की नींव (9) 3डी प्रिंटिंग: डिजाइन और विकास के मूल सिद्धांत। ये पाठ्यक्रम 01.07.2026 से शुरू होने की संभावना है।

इच्छुक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार www.ncs.gov.in या www.dge.gov.in पर '*What's New*' टैब के अंतर्गत जाकर राष्ट्रीय करियर सेवा केंद्र (एनसीएस) में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं, जहां वे उपर्युक्त कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए राष्ट्रीय करियर सेवा केंद्र (एनसीएस) में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **31.05.2026** है। उम्मीदवारों को केवल एक ही पाठ्यक्रम के लिए विचार किया जाएगा। उम्मीदवार अपनी पसंद के क्रम में पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं।

cbc 23105/11/0002/2627

कार्यालय मुख्य अभियंता,
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 03.06.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसकी जानकारी निम्नानुसार है-

स. क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम निविदा क्र / निविदा सूचना क्र. एवं दिनांक	अनुमानित लागत राशि (रु.लाख में)
1	महासमुन्द जिले के विकासखण्ड बसना की बैगनडीह एनीकट निर्माण कार्य	190765/01/वलेलि/2026-27 दि. 13.05.2026 (प्रथम आमंत्रण)	राशि रू. 341.93 लाख
2	महासमुन्द जिले के विकासखण्ड पिथौरा की ताला एनीकट निर्माण कार्य।	190767/02/वलेलि/2026-27 दि. 13.05.2026 (प्रथम आमंत्रण)	राशि रू. 263.70 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 20.05.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, महासमुंद (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

G-262700734/5

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष - 0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 11.05.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर **दिनांक 26.05.2026** तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	आमंत्रण
38/190633	जिला दुर्ग के अंतर्गत जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय दुर्ग भवन मरम्मत।	11.19	द्वितीय
40/190635	जिला बालोद के ठेकवाडीह से बोहारडीह मार्ग लं. 1.30 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य	140.25	तृतीय
41/190636	कबीरधाम के कवर्धा शहर के अंतर्गत आंतारिक पहुंच मार्ग लं. 4.50 कि.मी, सुखताल से सारंगपुर मार्ग लं. 4.50 कि.मी. कुरुवा से कामनबोड़ मार्ग लं. 2.00 कि.मी, सुकतरा सिंघनगढ़ मार्ग लं. 4.00 से 6.00 कि.मी, खम्हरिया मुख्य मार्ग से पैलपार मार्ग लं. 1.00 कि.मी., गैंदपुर से गातापार मार्ग लं. 3.20 कि.मी, कुल लं. 18.20 कि.मी. कार्य का नवीनीकरण।	134.07	तृतीय
42/190637	जिला कबीरधाम विकास खण्ड पंडरिया के नगर पंडरिया में गांधी चौक से मुख्य मार्ग के पेट्रोल पम्प तक (शहरी क्षेत्र भाग 30/8 से 31/8 एवं 32/6 से 33/2) आदर्श रोड़ रूप में 2.00 कि.मी. नवीनीकरण कार्य।	65.13	पंचम

टीप-
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

G- 262700727/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग- कांकेर
Phone No. :- 07868-241213,
Email Id :- ee-res.kanker@gov.in

// मैनुअल पद्धति जोनल निविदा सूचना //

क्रमांक/ 07 /व.ले.लि. / ग्रा.यां.से./2026-27 कांकेर, दिनांक 12/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल पद्धति जोनल निविदा दिनांक 27.05.2026 शाम 5.00 बजे तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से (आमंत्रण क्रम प्रथम बार) आमंत्रित की जाती है तथा निविदा दिनांक 29.05.2026 को 11.30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी :-

क्र.	कार्य का नाम एवं स्थल	विकासखण्ड	जोन क्रमांक	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2			3
1	विभिन्न मदों में स्वीकृत रू. 30.00 लाख तक लागत के भवन/ रंगमंच नाली/ आहता/ पुल / पुलिया एवं अन्य प्रकार के निर्माण कार्य (विद्युतीकरण कार्य छोड़कर) जिला-उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)	कांकेर	1	40.00 लाख
			2	40.00 लाख
			3	40.00 लाख
		भानुप्रतापपुर	1	40.00 लाख
			2	40.00 लाख
		कोयलीबेड़ा	1	40.00 लाख
			2	40.00 लाख
			3	40.00 लाख
		अंतागढ़	1	40.00 लाख
			2	40.00 लाख
		चरामा	1	40.00 लाख
		नरहरपुर	1	40.00 लाख
		दुर्गूकोंदल	1	40.00 लाख

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज (परिशिष्ट 2.10 एवं 2.13) व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://res.cg.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग- कांकेर

G-262700718/1

विराट कोहली बने 14,000 टी-20 रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली टी-20 क्रिकेट में 14,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इस दिग्गज खिलाड़ी ने आईपीएल 2026 के रायपुर में हुए 57वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपना 78वां रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। कुल मिलाकर, कोहली यह कारनामा करने वाले सिर्फ छठे बल्लेबाज़ बने हैं। बता दें कि वह आईपीएल में 9,000 से ज्यादा रन बना चुके हैं।

इस सूची में शामिल हुए कोहली

कोहली टी-20 क्रिकेट में 14,000 रन बनाने वाले विश्व के सिर्फ छठे बल्लेबाज बने हैं। वह अब क्रिस गेल, डेविड वार्नर, एलेक्स हेल्स, जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड ही ये आंकड़ा छूने में सफल हुए हैं। बता दें कि गेल ने 463 टी-20 मैचों में 14,562 रन, हेल्स ने 528 मैचों में 14,449 रन, वार्नर ने 439 मैचों में 14,284 रन, पोलार्ड ने 735 मैचों में 14,482 रन और बटलर ने 14,200 रन बनाए हुए हैं।

डेविड वार्नर (431 पारी)

इस सूची में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वार्नर तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 431 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। उन्होंने अपने टी-20 करियर में कुल 439 मैच खेले थे, जिसकी 438 पारियों में 37.29 की औसत और 140.61 की स्ट्राइक रेट से 14,284 रन बनाने में सफल रहे। उन्होंने 10 शतक और 118 अर्धशतक भी जड़े थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 135 का रहा।

आईपीएल में 9,000 से अधिक रन बना चुके हैं कोहली

कोहली ने आईपीएल 2026 के दौरान ही लीग में अपने 9,000 रन पूरे किए थे। उन्होंने अपने बेमिसाल करियर में लगभग 40 की औसत के साथ 9,100 से अधिक रन बनाए हैं। वह लीग में 9 शतक और 66 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। आईपीएल में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 113 रन रहा है। आईपीएल के इतिहास में कोहली के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 8,000 रन भी नहीं बना सका है।

विराट कोहली (409 पारी)

कोहली ने 409 पारियों में यह मुकाम हासिल किया है। अपने टी-20 करियर में 426 मैचों में उन्होंने 42.25 की औसत और 135.55 की स्ट्राइक रेट से 14,027 रन बनाए हैं। केकेआर के खिलाफ मैच के दौरान, कोहली ने अपना 10वां टी-20 शतक जड़ा। उन्होंने शतकों के मामले में डेविड वार्नर की बराबरी की। टी-20 क्रिकेट में उनसे ज्यादा शतक सिर्फ क्रिस गेल (22) और बाबर आजम (13) ने लगाए हैं।

क्रिस गेल के 423 पारी का रिकॉर्ड तोड़ा

कोहली ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 423 पारियों में 14,000 टी-20 रन पूरे किए थे। गेल टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। 463 टी-20 मैचों में उन्होंने 36.22 की औसत और 144.75 के स्ट्राइक रेट से कुल 14,562 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 22 शतकों के अलावा और 88 अर्धशतक लगाए हैं। वह टी-20 में 1,000 से अधिक छक्के लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

खबर संक्षेप

सिंधू और लक्ष्य थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

बैंकॉक। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ पांच लाख डॉलर इनामी राशि के थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के दूसरे दौर में 28 मिनट के भीतर डेनमार्क की अमेली शूल्ज को 21-13, 21-15 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने चीन के झू शुआन चेन को 21-12, 21-13 से मात दी। सिंधू का सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं सेन दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न के बीच होने वाले मैच के विजेता से खेलेंगे।

सुपर शतरंज क्लासिक : पहले मुकाबले में फिरोजा से खेलेंगे प्रज्ञानानंदा

बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा सुपर शतरंज क्लासिक के पहले दौर में फ्रांस के अलीरजा फिरोजा से खेलेंगे जो ग्रैंड शतरंज टूर पर इस साल का पहला क्लासिकल टूर्नामेंट होगा। विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने क्लासिकल प्रारूप से नाम वापिस ले लिया था जिसके बाद प्रज्ञानानंदा अकेले भारतीय बचे हैं। उन्हें दस खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में नौ दौर में से पांच में सफेद मोहरों से खेलने का मौका मिलेगा। टूर्नामेंट की कुल ईनामी राशि 350000 डॉलर है जबकि 125000 डॉलर बोनस होगा। पहला पुरस्कार एक लाख डॉलर है।

एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में कांस्य पदकों से चमके अजीत

गांधीनगर। अजीत नारायण ने बृहस्पतिवार को यहां पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग में क्लीन एवं जर्क और समग्र दोनों में कांस्य पदक जीते जिससे भारत ने एशियाई सीनियर भारोत्तोलन चेंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। एशिया के बेहतरीन भारोत्तोलकों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए अजीत ने संयम दिखाते हुए क्लीन एवं जर्क में 174 किग्रा और कुल 314 किग्रा का वजन उठाया जिससे भारत को पोडियम में स्थान मिला। इस वर्ग का स्वर्ण पदक कोरिया के वोन जू रि (351 किग्रा) को मिला जबकि चीन के जियान चेन ने 335 किग्रा के वजन से रजत पदक हासिल किया। इस तरह अजीत चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं।

पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 200/8 का स्कोर बनाया था

मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराकर दर्ज की अपनी चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

मुंबई इंडियंस के गेंदबाज शारदुल ठाकुर की धारदार गेंदबाजी बाद तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतक से मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया जो मेजबान टीम की लगातार पांचवीं हार है। पंजाब के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई की टीम ने तिलक वर्मा (75 रन, 33 गेंद, छह चौके, छह छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक और विल जैक्स (10 गेंद में नाबाद 25, दो चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 20 गेंद में 56 रन की अटूट साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाकर अपनी चौथी जीत दर्ज की। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 200/8 का स्कोर बनाया। मेजबान टीम से प्रभसिमरन सिंह ने अर्धशतक (57) लगाया।

इस तरह से रोचक रहा मुकाबला

पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्य (22) और प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। इसके बाद श्रेयस अय्यर (4), शशांक सिंह (2) और सूर्यांश शेडगे (8) दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। संकट की घड़ी में अजमतुल्लाह उमरजई ने 38 रन बनाते हुए टीम का स्कोर 200 रन तक पहुंचाया। जवाब में एमआई के रायन रिकेल्टन (48) की उम्दा पारी के बाद तिलक 75 और विल जैक्स (25*) ने संघर्ष करके जीत दिलाई।

शार्दुल ने चटकाए 4 विकेट

मुंबई इंडियंस के शार्दुल ने 4 ओवर गेंदबाजी की और 39 रन खर्च कर 4 विकेट चटकाए। उनकी इकॉनमी रेट 9.80 की रही। उन्होंने प्रभसिमरन सिंह (57), श्रेयस अय्यर (4), सूर्यांश शेडगे (8) और मार्को यानसन (2) को अपना शिकार बनाया। ये उनके आईपीएल करियर का तीसरा और पंजाब किंग्स के खिलाफ दूसरा 4 विकेट हॉल रहा। अपने आईपीएल करियर में उन्होंने 108 पारियों में 117 विकेट लिए हैं।

प्रभसिमरन ने लगाया 12वां अर्धशतक : पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन ने 32 गेंदों में 57 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 4 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 178.12 की रही। उन्होंने पहले विकेट के लिए अपने जोड़ीदार प्रियांश आर्य के साथ 33 गेंदों में 50 रन जोड़े।

एमआई ने अपने 3 कप्तानों का किया प्रयोग

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव नहीं खेले। ऐसे में जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी का कार्यभार संभाला। वह आईपीएल 2026 में एमआई के तीसरे कप्तान साबित हुए। इससे पहले हार्दिक और सूर्यकुमार भी एमआई की कप्तानी कर चुके थे। यह सिर्फ दूसरा ऐसा सीजन है, जब एमआई ने अपने 3 कप्तानों का प्रयोग किया। इससे पहले 2008 सीजन में हरभजन सिंह, शॉन पोलाक और सचिन तेंदुलकर ने एमआई की कप्तानी की थी।

तिलक ने लगाया 10वां अर्धशतक

तिलक ने अपने आईपीएल करियर का 10वां अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 25 गेंदों का सामना कर पचासा पूरा किया। इस संस्करण उन्होंने अपना दूसरा पचासा जड़ा। आईपीएल 2026 में उनके बल्ले से एक शतक भी निकला है। उन्होंने 33 गेंदों का सामना किया और नाबाद 75 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और इतने ही छक्के भी लगाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने शेरफेन रदरफोर्ड के साथ मिलकर 61 रन की साझेदारी की।

फीफा विश्व कप में पड़ेगी भीषण गर्मी खिलाड़ियों को बचाने सुरक्षा नाकाफी

एजेंसी ▶▶| मेक्सिको

दुनिया के प्रमुख वैज्ञानिकों ने फीफा को चेतावनी दी है कि फीफा विश्व कप 2026 के लिए लागू गर्मी सुरक्षा उपाय नाकाफी हैं और इससे खिलाड़ियों की जान पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। स्वास्थ्य, जलवायु और खेल प्रदर्शन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने कहा कि फीफा के दिशा-निर्देश मौजूदा वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने लंबे कूलिंग ब्रेक, मैच टालने और अत्यधिक गर्मी में मुकाबले स्थगित करने के लिए स्पष्ट नियम लागू करने की मांग की है।

भीषण गर्मी बन सकता है बड़ा मुद्दा

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होने वाले टूर्नामेंट में भीषण गर्मी बड़ा मुद्दा बन सकती है। इस्तेमाल होने वाले 16 में से 14 स्टेडियमों में तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच सकता है। दक्षिणी अमेरिका और उत्तरी मेक्सिको के कई हिस्सों में दिन का तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, जबकि गर्म लहर के दौरान यह 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। तापमान, नमी, हवा और तेज धूप खिलाड़ियों पर गर्मी तनाव का खतरा बढ़ा सकते हैं।

फीफा ने कही ये बात

फीफा का कहना है कि वह खिलाड़ियों, रेफरी, दर्शकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा टूर्नामेंट की योजना बनाते समय

- विशेषज्ञों ने 28 डिग्री से ऊपर मैच टालने या स्थगित करने का दिया सुझाव

जलवायु संबंधी जोखिमों का आकलन किया जाता है। फीफा ने इसी कारण हर मैच के दोनों हाफ में अनिवार्य 3 मिनट का कूलिंग ब्रेक लागू किया है, चाहे मौसम कैसा भी हो। इसके अलावा सभी आउटडोर मुकाबलों में तकनीकी स्टाफ और सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों के लिए तापमान नियंत्रित बेंच की व्यवस्था भी की जाएगी।

प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी एलएसजी की सीएसके से भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

- मुकाबला आज 15 मई को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में रात 7 :30 बजे से

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 59वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना चेन्नई सुपरकिंग्स से आज 15 मई को होगा। इस सीजन में एलएसजी ने 11 में से अपने 3 मैच जीते हैं और 8 में शिकस्त झेली है।

वहीं, सीएसके ने 11 में से अपने 6 मुकाबले जीते हैं और 5 में हार का सामना किया है। बता दें कि सीएसके के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब तक फिटनेस कारणों से कोई मैच नहीं खेल सके हैं। उनके अगले मैच में भी खेलने की उम्मीद नहीं है। वहीं, जेमी ओवरटन भी चोटिल हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में डियान फॉरेस्टर को मौका मिला है।वहीं दूसरी ओर एलएसजी की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। ऐसे में पंत की कप्तानी वाली टीम अपने बचे हुए मैचों को जीतना चाहेगी। एलएसजी के प्रमुख बल्लेबाज एडेन मार्करम इस सीजन में नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। एलएसजी की टीम उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजरें

सैमसन ने इस सीजन में 11 पारियों में 53.75 की औसत और 169.29 की स्ट्राइक रेट के साथ 430 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 2 शतक और एक अर्धशतक लगाया। सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने 11 पारियों में 19.21 की औसत और 9.20 की इकॉनमी रेट के साथ 19 विकेट लिए हैं। प्रिंस ने 8.17 की इकॉनमी रेट से 16 विकेट चटकाए हैं।

बराबरी का रहा है मुकाबला

आईपीएल में दोनों टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं। सीएसके को 3 मैच में जीत मिली है। एलएसजी ने भी 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। एक मैच में कोई नतीजा नहीं निकल पाया है।

कैसा है इकाना स्टेडियम की पिच का मिजाज?

इकाना स्टेडियम की पिच का निर्माण काली मिट्टी से किया गया है। इस पर स्पिन गेंदबाजों को काफी मदद मिलती है। यहां शुरुआत में तेज गेंदबाजों को भी मदद मिलती है, लेकिन समय निकलने के साथ-साथ स्पिनर्स हावी होने लगते हैं। पिछले संस्करण में यहां बल्लेबाजी भी काफी अच्छी हुई थी। पहले 200+ के स्कोर बनने मुश्किल होते थे, लेकिन अब यहां रन बनते हैं। हाउस्टेट के मुताबिक, मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 173 रन है।

- नाडा की सुनवाई समिति के समक्ष अपना बचाव नहीं रखने पर होगी कार्रवाई

यशस्वी-शेफाली डोप टेस्ट में रहे अनुपस्थित, मिला नोटिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज शेफाली वर्मा को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा पहली बार डोप टेस्ट में अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी किया गया है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह नोटिस डोप टेस्ट के लिए निर्धारित स्थानों पर न पहुंचने और अपने ठिकाने की जानकारी न देने के नियम के तहत जारी किए गए हैं।

दोनों को दिया गया स्पष्टीकरण का मौका

रिपोर्ट के अनुसार, नाडा ने दोनों खिलाड़ियों को स्पष्टीकरण देने का अवसर दिया गया है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को भी इसकी जानकारी दी है। यह नोटिस नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल में शामिल इन दोनों क्रिकेटरों के लिए पहली बार दर्ज किए गए ठिकाने संबंधी विफलताओं को दर्शाते हैं। ऐसे में अब इन दोनों खिलाड़ियों को इस असफलता का स्पष्टीकरण देना होगा और उसके बाद उन्हें दोबारा जांच के लिए बुलाया जाएगा।

असम में नए स्टेडियम में होगी इंडियन एथलेटिक्स सीरीज

नई दिल्ली। असम के नलबाड़ी जिले के सरियाहतली में बना नया स्टेडियम छह जून को इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के सातवें चरण की मेजबानी करेगा। इससे राज्य और आस-पास के इलाकों के एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। इस एकदिवसीय प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में 18 स्पर्धाएं होंगी जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए नौ-नौ स्पर्धाएं शामिल हैं। इसके अलावा जूनियर वर्ग में 10 स्पर्धाएं (पुरुषों और महिलाओं के अंडर-20 वर्ग में पांच-पांच) होंगी। प्रतियोगिता का आयोजन एएफआई के तत्वावधान में असम एथलेटिक्स संघ करेगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने एक सर्कुलर में कहा, ''यह प्रतियोगिता पहली बार हो रही है इसलिए इससे असम राज्य के अंदरूनी इलाकों के एथलीटों को एथलेटिक्स को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

// सर्व संबंधित को सूचना //

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 2006 (यथा - संशोधित) के तहत् सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि मेसर्स एपीएल अपोलो बिल्डिंग प्रोडक्ट्स लिमिटेड, ग्राम- रिंगनी एवं केसदा, तहसील - सिमगा, जिला - बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) द्वारा Expansion of Cold Rolled Steel Product including pickling – 28,000 TPA to 11,50,000 TPA, Expansion of CRFH steel pipes - 25,000 TPA to 1,20,000 TPA, Proposed Coil Reduced Close Annealed (CRCA) Coil - 1,00,000 TPA, Expansion of Galvanizing/Galvalume of Coil - 1,70,000 TPA to 8,00,000 TPA, Expansion of GP Pipes -1,20,000 TPA to 2,40,000 TPA, Expansion of Color coated Coils / Sheet - 2,00,000 TPA to 5,00,000 TPA, Expansion of Hollow Section Black Pipe - 3,00,000 TPA to 6,00,000 TPA, Existing Precision Steel Pipe - 60,000 TPA, Existing Hollow Special Steel Pipes - 1,00,000 TPA and Existing Corrugated Galvanized Sheets- 50,000 TPA in an area of 149.59 ha के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् **लोक सुनवाई दिनांक- 15 जून 2026 को समय प्रातः 11:00 बजे से ग्राम - रिंगनी स्थित भूमि खसरा नंबर 31/1 एवं 31/2 रकबा 2.27 एवं 10.21 हेक्ट. तहसील सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में नियत की गई है।** यह भी सूचित हो कि लोक सुनवाई के दौरान भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ऑफिस मेमोरेण्डम F.No.22-25/2020-IA.III दिनांक 14.09.2020 तथा कोरोना वायरस के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी समस्त दिशा-निर्देशों का अक्षरश पालन कराया जाना अनिवार्य होगा।

ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 14 सितम्बर, 2006 (यथा - संशोधित) के अनुसार संबंधित व्यक्तियों के अवलोकन / पठन हेतु ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा तथा सी.डी. (साफ्ट कॉपी) डायरेक्टर, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जोर बाग रोड, नई दिल्ली, वैज्ञानिक 'ई', भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर (छ.ग.), कार्यालय कलेक्टर बलौदाबाजार-भाटापारा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत - सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), कार्यालय सरपंच / सचिव, ग्राम पंचायत रिंगनी, तहसील - सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.), कार्यालय सरपंच / सचिव, ग्राम पंचायत केसदा, तहसील- सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा(छ.ग.), क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, न्यू ऑफिस बिल्डिंग, रिंग रोड़ नं.- 2, टाटीबंध, रायपुर, जिला - रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है।

सदस्य सचिव
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,
नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के अंतर्गत समन, जो कि ऋण वसूली अधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2A) के साथ पठित है

ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर के समक्ष
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन, मुख्य डाकघर के पास, रेजिडेंसी रोड, जबलपुर- 482001 (म.प्र.)

मामला संख्या: ओ.ए. नं. 180/2026
प्रकाशन द्वारा समन
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
बनाम
एम/एस नायर ब्रिक्स इंडस्ट्रीज
एवं अन्य

1. एम / एस नायर ब्रिक्स इंडस्ट्रीज
प्रोपराइटर - श्री अश्विन नायर, पिता- श्री मनोज कुमार नायर
कार्यालय: खसरा नं. 28/3, सोमानी स्टार्च फैक्ट्री के पास, कुरांडी, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, बस्तर (छ.ग.) - 494001
निवासी: 30, चर्च रोड, मदर टेरेसा वार्ड नं. 26, जगदलपुर (छ.ग.) - 494001
2. श्री मनोज कुमार नायर
पिता स्व. श्री एन. के. नायर, निवासी: 30, चर्च रोड, मदर टेरेसा वार्ड नं. 26, जगदलपुर (छ.ग.) - 494001
अन्य पतेः प्लॉट नं. 288, सनसिटी, चंद्रशेखर आज़ाद वार्ड नं. 41, जगदलपुर, बस्तर (छ.ग.) - 494001
फ्रेजरपुर, शांति नगर वार्ड, दुर्गा मंदिर के पास, जगदलपुर, बस्तर (छ.ग.) - 494001

जबकि, ओ.ए. नंबर 180/26 माननीय पीठासीन अधिकारी के समक्ष दिनांक 30/01/26 को सूचीबद्ध किया गया था। जबकि, इस माननीय अधिकरण ने उक्त आवेदन के संबंध में, जो कि आपके विरुद्ध अधिनियम की धारा 19(4) के अंतर्गत ऋण वसूली हेतु दायर किया गया है, समन/ नोटिस जारीकरना उचित समझा है। इस आवेदन में रु. **54,39,205/-** (रुपये चौवन लाख उनतालीस हजार दो सौ पांच मात्र) तथा व्यय एवं भविष्य के ब्याज की वसूली की मांग की गई है (आवेदन के साथ दस्तावेजों की प्रतियां संलग्न हैं)।

अतः, अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के अनुसार, आपको (प्रतिवादीगण) निम्नलिखित निर्देश दिए जाते हैं:

1. कारण बताएं कि समन की सेवा की तिथि से 30 दिनों के भीतर क्यों न वादी द्वारा मांगी गई राहत प्रदान की जाए। 2. अपनी संपत्तियों/आस्तियों का विवरण प्रस्तुत करें, जो कि मूल आवेदन के क्रमांक 3A में वादी द्वारा उल्लेखित संपत्तियों के अतिरिक्त हों। 3. आपको निर्देशित किया जाता है कि आप सुरक्षित संपत्तियों अथवा अन्य संपत्तियों/आस्तियों, जो कि मूल आवेदन के क्रमांक 3A में उल्लिखित हैं, के संबंध में आवेदन के निस्तारण तक कोई लेन-देन या निपटान न करें। 4. आप बिना अधिकरण की पूर्व अनुमति के, सुरक्षा हित से संबंधित अथवा क्रमांक 3A में उल्लिखित अन्य संपत्तियों को बिक्री, पट्टा या किसी अन्य तरीके से (सामान्य व्यापार के अतिरिक्त) हस्तांतरित नहीं करेंगे। 5. आप बाध्य होंगे कि सुरक्षित संपत्तियों या अन्य संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि का लेखा-जोखा रखें तथा उसे संबंधित बैंक / वित्तीय संस्था के खाते में जमा करें, जिसके पास उन संपत्तियों पर सुरक्षा हित है। 6. आपको निर्देशित किया जाता है कि आप अपना लिखित उत्तर (Written Statement) दाखिल करें, जिसकी एक प्रति वादी को भी उपलब्ध कराएं, तथा दिनांक 01/09/2026 को प्रातः 10:30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित हों। अन्यथा, आवेदन आपके अनुपस्थित रहने पर ही सुना और निर्णयित किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं अधिकरण की मुहर के साथ, इस 06 मई 2026 को जारी। अधिकरण के आदेश से

मुहर
रजिस्ट्रार
ऋण वसूली न्यायाधिकरण, जबलपुर

FORM NO.
[See Regulation 33(2)]
OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR
3rd Floor Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Residency Road, Near Head Post Office, South Civil Lines, Jabalpur- 482001 (M.P.)

NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993.

RC/216/25 17.04.2026
PUNJAB NATIONAL BANK
Versus
BRICEM BUILDCON

To,
(CD 1) BRICEM BUILDCON
Through its Partners,Registered Office at: Power House, Transport Nagar, Korba (C.G.); Administrative Office: Opp. Ratan Palace, Katora Talab, Raipur (C.G.) 490042
(CD 2) RAM KUMAR SAHU
S/o Mahipal Sahu, MARUTI HOTEL, T.P. NAGAR, KORBA, CHHATTISGARH -490042
(CD 3) CHHAYA SAHU
W/o Ram Kumar Sahu 404, INDIRA VIHAR BEHIND PALIDAR BHAWAN KORBA, CHHATTISGARH -495678
Defendant(s)
(CD 4) MILAN SAHU
S/o Shri Ram Kumar Sahu
MARUTI HOTEL, T.P. NAGAR, KORBA BEMETARA, CHHATTISGARH -495678
(CD 5) MADHUR SAHU
R/o Ram Kumar Sahu, 404, INDIRA VIHAR, BEHIND PALIDAR BHAWAN, TRANSPORT NAGAR, KORBA, CHHATTISGARH -495678

1. Whereas you the was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had issued the Recovery Certificate dated 11-09-2025 in **OA/619/2023** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs. 14,37,19,650.32 (Rupees Fourteen Crores Thirty Seven Lakhs Nineteen thousands Six Hundred Fifty And Paisa Thirty Two Only)** along with cost and pendentilite and future interest @12% w.e.f. **16/03/2023** till realisation and costs of **Rs 150000 (Rupees One Lakh Fifty Thousands Only)**, and Whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable / Immoveable property.

2. You are hereby informed that the **25/06/2026** at **10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.

Specification of property
I) All that pieces & parcels of immovable property (City Center Mall) situated at PHN: 9 (PH No.- 00016 & Sharda Vihar Ward No. 12 as per valuation report), RNM: Korba, bearing Khasra No.-551/26, 551/33, 594/1, 594/2k, 594/2kh, 594/2g, 595 & 596/2, admeasuring 76471 sq.ft., Tehsil & District-Korba (C.G.);
ii) All that pieces & parcels of immovable property situated at Korba, PHN: 9, (P.H. No. 00016 Ramsagarpara Ward No. 01 as per valuation), RNM & Tehsil-Korba, K.No.-596/1 (old Khasra No.-596), total area 0.37 acres, i.e., 16568 sq.ft.;
iii) Immovable property situated at Mauja Village-Korba, PHN: 9/4 (P.H. No. 00016 as pervaluation report), RNM: Korba, Ward No.-2 (Ramsagarpara ward as per valuation report), Saket Nagar, Khasra No.-624/1, 624/2 (Old Khasra No.-624), Tehsil & District-Korba (C.G.), admeasuring 25288 sq.ft.;
Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **17/04/2026**.

SEAL
Recovery Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

क्या यही है पौराणिक सरस्वती?

वैज्ञानिकों ने खोज निकाली जमीन के नीचे दबी तीसरी नदी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संगम नगरी प्रयागराज के त्रिवेणी संगम को लेकर सदियों से चली आ रही एक पौराणिक कथा पर अब विज्ञान की मुहर लगती दिख रही है। गंगा और यमुना का मिलन तो पूरी दुनिया अपनी आंखों से देखती है, लेकिन अदृश्य सरस्वती हमेशा से आस्था और रहस्यों के घेरे में रही है। अब देश के प्रमुख वैज्ञानिकों ने इस रहस्य से जुड़ा बड़ा दावा किया है।

संगम नगरी प्रयागराज से जुड़ी एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्थित त्रिवेणी संगम को सदियों से ही गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का मिलन स्थल माना जाता रहा है। अब तक सरस्वती का अस्तित्व सिर्फ पौराणिक कथाओं में ही मिलता था, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसा खोज निकाला है जिसने विज्ञान और आस्था के बीच की दूरी को कम कर दिया है। सीएसआईआर-एनजीआरआई यानी नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने एडवांस एयरोमैग्नेटिक यानी हवाई भू-भौतिकीय तकनीक और जमीन पर ड्रिलिंग के जरिए प्रयागराज के पास एक विशाल प्राचीन नदी मार्ग यानी पैलियो चैनल का पता लगाने में कामयाब हुए हैं।

आधुनिक तकनीक से खुला राज

इस रिसर्च का नेतृत्व कर रहे डॉ. सुभाष चंद्र के मुताबिक यह नदी जमीन से करीब 10 से 15 मीटर नीचे दबी हुई है। यह कोई छोटी धारा नहीं, बल्कि 4 से 5 किलोमीटर चौड़ी एक विशाल नदी है, जो आकार और गहराई में गंगा और यमुना के लगभग बराबर है। वैज्ञानिकों ने हेली-बोर्न सर्वे यानी हेलीकॉप्टर से किया गया सर्वे के माध्यम से अब तक करीब 200 किलोमीटर लंबे इस मार्ग की मैपिंग की है, जो कानपुर से प्रयागराज तक फैला है। टेक्नोलॉजी की सहायता से यह साफ हुआ है कि यह नदी हजारों साल पहले सतह पर बहती थी, जो समय के साथ मिट्टी की परतों के नीचे दब गई।

फाइल फोटो

सूखती नदियों के लिए वरदान बनेगी यह खोज

- यह खोज सिर्फ इतिहास जानने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के जल संकट का समाधान भी है।
- यह चैनल एक विशाल प्राकृतिक ग्राउंडवाटर रिचार्ज की तरह काम करता है।
- सरकार की योजना है कि बारिश के पानी को इन पैलियो चैनल्स में डायवर्ट किया जाए, जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा और गर्मियों में भी गंगा-यमुना में पानी का प्रवाह बना रहेगा।
- जमीन के नीचे होने के कारण इस मार्ग का पानी प्रदूषण से मुक्त और स्वच्छ रहने की संभावना है।

क्या यह संगम तक पहुंचती है?

वैज्ञानिकों ने इस दबी हुई नदी को अभी संगम से करीब 25 किलोमीटर पहले तक स्पष्ट रूप से ट्रैक किया है। शहर के अन्दर घनी आबादी और बिजली की लाइनों के कारण सेंसर काम नहीं कर पाए, इसलिए संगम के ठीक नीचे इसकी मौजूदगी की पुष्टि करना थोड़ा मुश्किल है। हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके लक्षण संगम की ओर ही जाते हैं।

सरस्वती या विज्ञान?

हालांकि, वैज्ञानिक इसे आधिकारिक तौर पर 'सरस्वती' कहने से बच रहे हैं और इसे पैलियो चैनल नाम दे रहे हैं, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति ठीक वैसी ही है जैसा ग्रंथों में सरस्वती के बारे में बताया गया है।

वैज्ञानिकों ने बताया वह सीक्रेट कारण, जिसने बढ़ाई मस्क की टेंशन!

क्या कभी नहीं बस पाएगा मंगल पर शहर?

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क और दुनिया की बड़ी स्पेस एजेंसियां काफी समय से मंगल ग्रह पर इंसानों का शहर बसाने का सपना दिखा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि आने वाले दशकों में लोग लाल ग्रह पर रह सकेंगे और वहां कॉलोनी भी बनाई जा सकेगी। लेकिन, अब एक नई वैज्ञानिक स्टडी ने इस दावे पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। रिसर्च में खुलासा हुआ है कि मंगल पर सिर्फ पहुंच जाना ही सबसे बड़ी चुनौती नहीं है, बल्कि वहां लंबे समय तक टिके रहने और शहर बसाने के लिए जरूरी संसाधनों की भारी कमी भी बड़ी समस्या बन सकती है।

मंगल ग्रह पर इंसानी बस्तियां बसाने का सपना अधूर रह सकता है। अमेरिकी की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च पेपर ने इस सपने पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। सेरेना सुरियानो के नेतृत्व में की गई इस स्टडी के अनुसार मंगल पर शहर बसाने के रास्ते में तकनीक नहीं, बल्कि वहां के संसाधनों की कमी सबसे बड़ी समस्या है।

लोहा तो है, पर...

मंगल ग्रह लाल है, इसका कारण है कि यहां पर प्रचुर मात्रा में लोहा मौजूद है। हालांकि, स्टडी कहती है कि लेकिन सिर्फ लोहे होने से आधुनिक शहर नहीं तैयार हो सकते हैं। एडवांस इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग के लिए बोरॉन और मोलिब्डेनम जैसे दुर्लभ तत्वों की जरूरत होती है, जो मंगल पर बिल्कुल नहीं है। इसके साथ ही मंगल पर पृथ्वी की तरह टेक्टोनिक प्लेट्स की हलचल नहीं है, जिससे वहां कीमती खनिज एक जगह जमा होने के बजाय पूरी सतह पर बिखरे हुए हैं। यानी वहां बड़े पैमाने पर खनन करना बहुत ही मुश्किल और साथ ही बहुत ही महंगा होगा।

कैसे दूर होगी ये परेशानी

मंगल की इस समस्या को दूर करने के लिए वैज्ञानिक अब मेन एस्टेरॉयड बेल्ट यानी मंगल और बृहस्पति के बीच देख रहे हैं। इन एस्ट्रोराइड में निकेल, लोहा का भंडार है। योजना यह है कि इन एस्टेरॉयड से सामान निकालकर मंगल पर पहुंचाया जाए। लेकिन, यह सुनने में जितना आसान है, हकीकत में उतना ही कठिन। ग्रहों की बदलती स्थिति और ईंधन की भारी जरूरत इस मिशन को सालों लंबा ले जा सकती है।

मल्टी-स्टॉप सिस्टम का सुझाव

रिसर्च में स्पेसएक्स के स्टारशिप जैसे शक्तिशाली रॉकेटों का जिक्र किया गया है। लेकिन, रॉकेट इक्वेशन के कारण ये जहाज एक बार में इतना ईंधन और वजन नहीं ले जा सकते कि एस्टेरॉयड से माइनिंग कर वापस मंगल लौट सकें। इसके लिए वैज्ञानिकों ने मल्टी-स्टॉप सिस्टम का सुझाव दिया है। पहले जहाज एस्टेरॉयड से खनिज लेगा, फिर दूसरे पानी वाले एस्टेरॉयड पर जाकर ईंधन बनाएगा और फिर मंगल लौटेगा। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है इन-सिटु प्रोपेलेंट प्रोडक्शन यानी अंतरिक्ष में ईंधन बनाने की रफ्तार है। मौजूदा तकनीक के हिसाब से अंतरिक्ष में ईंधन बनाने की रफ्तार बहुत ही धीमी है। एक बड़े रॉकेट को रिफिल करने में सालों या शायद सदियां लग सकती हैं।

ये है दुनिया का सबसे महंगा मुर्गा, 6 लाख है कीमत

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक अच्छी क्वालिटी का आयाम सीमानी मुर्गा 5000 से 6000 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 4 से 6 लाख रुपए तक में बिकता है।

कल्पना कीजिए एक ऐसा मुर्गा जिसकी कीमत 6 लाख रुपये हो. जी हां, आपने सही सुना. ये कोई कहानी नहीं बल्कि हकीकत है। दुनिया के सबसे महंगे मुर्गे का नाम है आयाम सीमानी। यह इंडोनेशिया की दुर्लभ नस्ल है जो पूरी तरह काली होती है। इस नस्ल के पंख से लेकर हड्डियों तक, मांस से लेकर अंदरूनी अंग तक— सब कुछ जेट ब्लैक होता है। इस मुर्गे की खासियत है फाइब्रोमेलानोसिस नामक जेनेटिक कंडीशन। इसकी वजह से शरीर में मेलेनिन का स्तर सामान्य मुर्गों से 10 गुना ज्यादा होता है। यही वजह है कि यह इतना अनोखा और महंगा है।

बर्फ के समुंदर में सोता मिला 40 हजार साल पुराना जिंदा वायरस

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस और हंता वायरस का भयानक मंजर आज भी मौजूद है। कोरोना महामारी के दौरान कई लोगों ने अपने प्यार और करीबी की खो दिया था। इसी दौरान वैज्ञानिकों ने एक नए वायरस को लेकर चिंता जाहिर की है। दरअसल, वैज्ञानिकों ने एक वायरस को पुनर्जीवित किया है जो कि महामारी का कारण बन सकता है। वैज्ञानिकों ने वायरस को जिंदा किया है। दरअसल, यह वायरस अलास्का में 40,000 सालों से जमा हुआ है। कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पर्माफ्रॉस्ट जमी हुई मिट्टी, चट्टान और बर्फ के मिश्रण को लिया है। इसके बाद इसे पिघला कर देखा गया. इससे पता चला कि इसमें सूक्ष्मजीव है जो कि धीरे-धीरे जिंदा हो रहे हैं।

इस अनोखे सांप के हैं दो सिर, देखकर वैज्ञानिक भी हुए हैरान

बीजिंग। वैज्ञानिकों ने सांप की एक प्रजाति की खोज की है। यह सांप की हैरान करने वाली प्रजाति है। दक्षिण चीन के घने और जैव विविधता वाले जंगलों में यह खोज हुई है। सांप ने शोधकर्ताओं को हैरान कर दिया है। अनोखे सांप को देखने पर भ्रम होता है कि इस सांप को दो सिर हों। दरअसल, इसकी पूंछ पर एक खास निशान बना है, जो सिर की तरह नजर आता है। इससे शिरापी आसानी से भ्रमि हो सकते हैं। वन्यजीव शोधकर्ताओं का कहना है कि यह सांप खास बनावट के कारण दूसरे जानवरों से खुद को बचाने में सफल होता है। सांप कोई शिकार पकड़ने की कोशिश करता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com